नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 12 अप्रैल 2025 शनिवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 318 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1927 : ब्रिटिश कैबिनेट ने 21 वर्ष की महिलाओं को मतदान करने का अधिकार देने का समर्थन किया।

1946 : सीरिया पर फ्रांस का कब्जा समाप्त हुआ।

1992 : हैदराबाद के हुसैन सागर झील में विशालकाय बुद्ध प्रतिमा स्थापित की गई।

2007 : पाकिस्तान ने ईरान गैस पाइनलाइन पर भारत को मंजूरी दी।

2013 : फ्रांस की सीनेट ने समलैंगिक विवाह को मान्यता दी।

2014 : मशहूर गीतकार गुलजार को वर्ष 2013 के लिए दादासाहब फाल्के पुरस्कार दिया गया।

झारखंड अब चलेगा नहीं, दौड़ेगा : हेमंत सोरेन

सिद्धो-कान्हू जयंती पर मुख्यमंत्री ने दी 437.85 करोड़ की सौगात

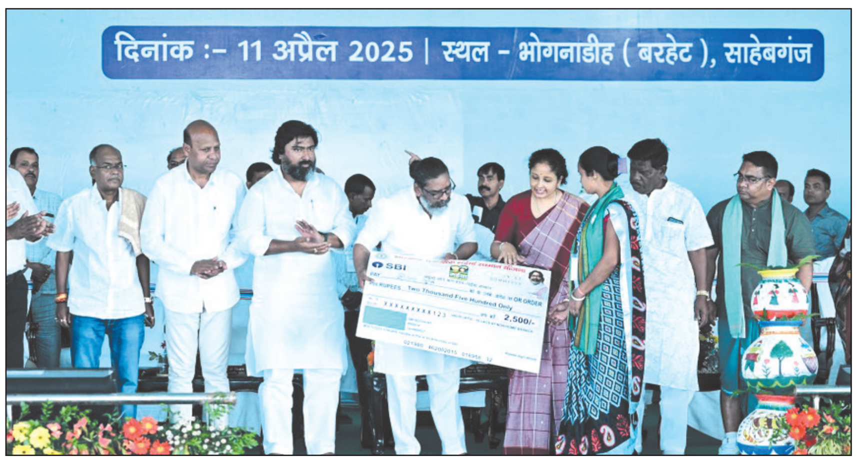

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

साहिबगंज। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साहिबगंज, पाकुड़ एवं गोड्डा जिले को 437 करोड़ 85 लाख रुपए की लागत से 507 योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इसके साथ ही विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया एवं युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। वे सिदो-कान्हू की जयंती पर शुक्रवार को भोगनाडीह पहुंचे, जहां उन्होंने सिदो-कान्हू पार्क स्थित सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और बहन फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। उनके साथ उनकी पत्नी सह गांडेय की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन, राजमहल सांसद विजय हांसदा, लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, बोरियो विधायक धनंजय सोरेन, राजमहल विधायक एमटी राजा और पूर्व केंद्रीय कमेटी सचिव पंकज मिश्रा ने भी माल्यार्पण किया। इसके बाद सभी क्रांति स्थल पंचकठिया पहुंचे, जहां सिदो-कान्हू को फांसी दी गयी थी, उस बरगद पेड़ के नीचे पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना कर नमन किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वंशज के घर पहुंचे और उनके घर के आंगन में मौजूद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर नमन कर पुष्प अर्पित किया। उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान उन्होंने सदस्यों को वस्त्र देकर सम्मानित किया।

सिदो-कान्हू जयंती पर साहिबंगज जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विकास मेला सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में 60 वर्ष के ऊपर के सभी को राज्य सरकार पेंशन दे रही है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये महिलाओं के खाते में पहुंच रहा है। हमारा युवा झारखंड अब चलेगा नहीं, तेजी से दौड़ेगा भी क्योंकि पूर्व की भाजपा की सरकार ने इसे कीचड़ में धकेलने का काम किया था। अब हम लोग इसे तेजी से दौड़ाएंगे। झारखंड को अग्रणी राज्य में शामिल कराना है। इसे अव्वल राज्य बनाना है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए यहां पर तेजी से काम किया जा रहा है। इस राज्य के गरीब-गुरबों, पिछड़ा, आदिवासी, दलित और आनेवाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए लगातार अपने कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज, डिग्री कॉलेज की स्थापना की जा रही है। चारों तरफ विकास के कार्य किए जा रहे हैं।

तालाब में डूबने से चार लड़कियों की मौत

सदर अस्पताल में परिजनों की भीड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। गढ़वा जिले के गढ़वा थाना क्षेत्र के हरैया गांव स्थित नदी आरा टोला में शुक्रवार को तालाब में डूबने से चार युवतियों की जान चली गयी। मृतकों में हरैया गांव निवासी चंदन सिंह की 10 वर्षीय पुत्री लाडो सिंह, जितेंद्र सिंह की 22 वर्षीय पुत्री अंकिता सिंह, पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के पगार निवासी विशिष्ट सिंह की 18 वर्षीय पुत्री रोमा सिंह और लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के पूर्णाडीह निवासी अभिषेक सिंह की 15 वर्षीय पुत्री मीठी सिंह शामिल हैं। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने सभी को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया।

छठी के कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं मीठी और रोमा

मीठी और रोमा छठी के कार्यक्रम में शामिल होने अपने रिश्तेदार के घर आई थीं। शुक्रवार को लाडो, अंकिता, मीठी, रोमा और मीठी का भाई पास के तालाब में स्नान करने गए थे। बताया जा रहा है कि गहरे पानी में एक-एक कर चारों लड़कियां डूबने लगीं। मीठी का भाई जैसे-तैसे बाहर निकलकर घर पहुंचा और परिजनों को इसकी सूचना दी, लेकिन जब तक मदद पहुंचती, तब तक देर हो चुकी थी।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने लिया घटनास्थल का जायजा

घटना की सूचना मिलते ही गढ़वा विधायक सतेंद्र नाथ तिवारी, पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, गढ़वा एसडीओ संजय कुमार और थाना प्रभारी बृज कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। हादसे के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव में शोक की लहर है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के हर कोने तक विकास पहुंचाने को केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : अन्नपूर्णा देवी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के क्रा दादी जिले का आधिकारिक दौरा किया, जहां उन्होंने कई विकासात्मक कार्यक्रमों में भाग लिया और स्थानीय समुदाय से संवाद किया। केंद्रीय मंत्री का पारंपरिक गीतों और स्थानीय कलाकारों द्वारा पोषण अभियान पर आधारित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गर्मजोशी और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध स्वागत किया गया। इस नाटक ने पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता के महत्व को उजागर किया। 7 वें पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के हर कोने तक विकास पहुंचाने की केंद्र सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने सरकार की प्रमुख नीति सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को रेखांकित करते हुए कहा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सरकार देश के सभी आकांक्षी जिलों में विशेष पहलों के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को सशक्त बनाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है, जिसमें पूर्वोत्तर को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। मातृ कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत भुगतान स्वीकृतियाँ प्रदान कीं, जिससे गर्भावस्था के दौरान और उसके बाद माताओं को सहायता देने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई गई ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और सशक्त हो। अपने संबोधन में उन्होंने बजट से संबंधित महत्वपूर्ण बातें साझा करते हुए बताया कि महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं के लिए लैंगिक बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि 2024-25 के बजट अनुमान में यह राशि 3.27 लाख करोड़ थी, जो 2025-26 के बजट में बढ़कर 4.49 लाख करोड़ हो गई है। समग्र केंद्रीय बजट में लैंगिक बजट की हिस्सेदारी भी 6.8% से बढ़कर 8.86% हो गई है। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें अरुणाचल प्रदेश सरकार की महिला एवं बाल विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक कार्य मंत्री दासांगलु पुल; भूमि प्रबंधन, नागरिक उड्डयन और शहरी मामलों के मंत्री बालो राजा; महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त (आईएएस) मिमुम तायेंग; और क्रा दादी जिले के उपायुक्त शामिल थे। केंद्रीय मंत्री की यह यात्रा भारत सरकार की महिलाओं को सशक्त बनाने, बच्चों के कल्याण को बढ़ावा देने और विशेष रूप से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण व सांस्कृतिक रूप से समृद्ध पूर्वोत्तर क्षेत्र में संतुलित विकास सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शिक्षकों को जल्द मिलेगा बकाया वेतन का भुगतान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। लंबे समय से मार्च समेत बकाया वेतन का इंतजार कर रहे सभी कोटि के शिक्षकों को अब एक हफ्ते के भीतर भुगतान मिल जाएगा। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि सात दिनों के भीतर सभी शिक्षकों को वेतन और बकाया का भुगतान हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। गुरुवार को शिक्षा विभाग के उप सचिव अमित कुमार पुष्पक के हस्ताक्षर से यह आदेश जारी हुआ। इसमें साफ कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत जिलों में कार्यरत सभी शिक्षक– चाहे वे स्थायी हों या नियोजित– उन्हें मार्च के वेतन के साथ उनके लंबित बकाया का भुगतान नियमानुसार किया जाए।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी, थामा झामुमो का दामन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

साहिबगंज। संताल परगना से झारखंड भाजपा को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह बोरिया विधानसभा के पूर्व विधायक ताला मरांडी ने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को अपना इस्तीफा भेज दिया। इसके बाद शुक्रवार को उन्होंने भोगनाडीह में झामुमो का दामन थाम लिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें झामुमो का पट्टा पहनाकर स्वागत किया। ताला मरांडी ने भाजपा छोड़ने का कारण व्यक्तिगत और वैचारिक मतभेद को बताया है। उन्होंने बाबूलाल मरांडी को भेजे गये पत्र में लिखा कि मैं भाजपा का समर्पित कार्यकर्ता रहा हूं। साथ ही उन्होंने अब तक दिये गये सभी अवसरों के लिए पार्टी का आभार प्रकट करते हुए लिखा किया वैचारिक मतभेदों, वर्तमान परिस्थितियों और व्यक्तिगत कारणों से मैंने सभी पदों से त्याग पत्र देने का फैसला किया है। ये फैसला मैंने गहन सोच विचार के बाद लिया है। इसमें किसी भी प्रकार की कोई दुर्भावना नहीं है। इसलिए मेरे त्याग पत्र को स्वीकार करते हुए मुझे मुक्त किया जाए। ताला मरांडी साल 2024 में राजमहल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार थे। लेकिन उन्हें झामुमो प्रत्याशी विजय हांसदा से करारी शिकस्त मिली। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले भी वे भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा देकर आजसू का दामन थाम बोरिया से विधानसभा चुनाव लड़ा था। लेकिन झामुमो के तत्कालीन प्रत्याशी लोबिन हेंब्रम से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वह 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले फिर घर वापसी की और राजमहल से चुनाव लड़ा। वे दो बार बोरियो से विधायक रह चुके हैं।

नक्सलियों का हर मददगार प्रशासनिक रडार पर

डीजीपी अनुराग गुप्ता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में नक्सलवाद की जड़ें खोखली हो चुकी हैं, झारखंड के नक्सलियों को पहले दूसरे राज्यों से जो मदद मिलती थी, वो भी लगभग शून्य हो गई है, ऐसे में झारखंड पुलिस अब नक्सलियों के सभी मददगारों को रडार पर रख रही है। जो लोग रडार पर हैं, उनमें अंडरग्राउंड वर्करों के साथ-साथ नक्सलियों का इलाज करने वाले डॉक्टर भी शामिल हैं।

हर तरह की मदद पर लगेगा ब्रेक

झारखंड के एक-दो इलाकों को छोड़ दें तो लगभग पूरे झारखंड से नक्सली संगठन भाकपा माओवादी का वर्चस्व खत्म हो चुका है। बूढ़ा पहाड़, पारसनाथ और बुलबुल जंगल जैसे बेहद अहम इलाकों से नक्सलियों को खदेड़ दिया गया है, लेकिन कोल्हान और झुमरा जैसी जगहों पर अभी भी नक्सलवाद पनप रहा है। लेकिन इन जगहों पर भी नक्सली सुरक्षित नहीं हैं। नक्सलियों का अक्सर सुरक्षा बलों से आमना-सामना हो रहा है, जिसमें उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। लेकिन अब झारखंड पुलिस अपने अभियान में तेजी ला रही है और उन सभी नक्सली समर्थकों की पहचान कर रही है, जिनकी वजह से नक्सली अभी भी जंगलों में टिके हुए हैं। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि नक्सलियों के किसी भी मददगार को बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए अलग से अभियान चलाया जा रहा है।

नक्सलियों के हर मददगार की सूची

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि नक्सलियों के सफाए के लिए नो योर एनिमी अभियान भी शुरू किया गया है। इसके तहत नक्सलियों से जुड़ी हर तरह की जानकारी जुटाई जा रही है। मसलन, वे कहां खाते हैं, उन्हें कौन खाना देता है, घायल या बीमार होने पर कौन डॉक्टर उनका इलाज करता है। इसके साथ ही नक्सलियों के बड़े नेताओं के साथ हर छोटे कैडर की तस्वीरें भी जुटाई जा रही हैं। डीजीपी के मुताबिक, हमारी मंशा साफ है कि हमारे फोर्स का हर जवान नक्सलियों को अच्छी तरह पहचान ले ताकि एनकाउंटर या उनकी गिरफ्तारी में कोई बाधा न आए।

हर तरह से दी जा रही है दबिश

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि झारखंड में बचे हुए नक्सलियों को खत्म करने के लिए हम पूरी प्लानिंग के साथ काम कर रहे हैं। सबसे पहले हम जंगलों में इतने कैंप बना रहे हैं कि जंगल में हर जगह सिर्फ हमारे जवान ही नजर आएंगे। दूसरी बात हम हर अभियान को सटीक सूचना यानी इंटेलिजेंस के आधार पर चला रहे हैं, इसके लिए सटीक एरिया डोमिनेशन भी किया गया है।

40 दिनों में बिहार में 17 नक्सली एवं 137 इनामी अपराधी गिरफ्तार

अपराध एवं अपराधियों के खात्मे को लेकर बिहार पुलिस सजग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य की विधि-व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए अपराधियों खासकर कुख्यात और इनामी अपराधियों के खिलाफ पुलिस के स्तर से निरंतर कार्रवाई जारी है। पिछले 40 दिनों में बिहार में 1 लाख का इनामी समेत 17 नक्सली, 137 इनामी अपराधी और विभिन्न जिलों के टॉप-10 अपराधियों की सूची में शुमार 17 कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। यह जानकारी एडीजी (विधि-व्यवस्था) पंकज कुमार दराद ने शुक्रवार को दी। पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में एडीजी ने कहा कि इस अवधि में पकड़े गए अपराधियों एवं नक्सलियों के पास से 1 एके-47, 3 एसएलआर, 4 रेगुलर रायफल, 986 कारतूस समेत अन्य चीजें बरामद हुई हैं। एडीजी ने बताया कि पिछले 40 दिनों में नक्सलियों एवं अपराधियों के साथ 4 बार मुठभेड़ हो चुकी है। गया के इमामगंज में 4 अप्रैल को जमुई के कटोरिया थाना क्षेत्र में हुई छापेमारी में 4 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं। इनके पास से 4 रेगुलर रायफल और 527 कारतूस बरामद किए गए हैं। एसटीएफ ने रोहतास के उदवंतनगर में छापेमारी के दौरान 1 एके-47 और 43 गोली बरामद की गई है। उन्होंने कहा कि एके-47 बरामदगी मामले की जांच की जाएगी। इसके लिंक कहां तक जुड़े हुए है, इसकी पूरी गंभीरता से तफ्तीश होगी।नेता

प्रतिपक्ष की बताई अधिकांश घटनाएं आधारहीन : एडीजी

एडीजी दराद ने कहा कि हाल में नेता प्रतिपक्ष ने बिहार में हुई दर्जनों घटनाओं का उल्लेख करते हुए विधि-व्यवस्था पर सवाल उठाये थे। इन सभी घटनाओं की मुख्यालय के स्तर से जांच कराई गई, तो महज 46 घटनाओं की ही पहचान हो पायी है। शेष घटनाओं के बारे में की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट पर इन घटनाओं से संबंधित न तो किसी स्थान का उल्लेख किया है और न ही इससे जुड़ा कोई अन्य विवरण ही दिया है। गौरतलब है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने अपने एक्स पोस्ट पर 117 घटनाओं का उल्लेख किया है। इसमें अधिकांश घटनाओं के बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं है। जिन 46 घटनाओं का जिक्र है, वे अधिकांश आपसी रंजिश, छोटे-मोटे लेनदेन या विवाद, प्रेम प्रसंग समेत ऐसी अन्य घटनाएं शामिल हैं।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

तीसरी लाइन परियोजना के तहत 47 ट्रेनें रद्द: 12 अप्रैल से 03 मई तक होगा एनआई का काम

बेगूसराय, एजेंसी। गोरखपुर कैंट-कुसम्ही तीसरी लाइन परियोजना के तहत गोरखपुर-गोरखपुर कैंट तीसरी लाईन के कमीशनिंग का प्री एनआई 12 से 26 अप्रैल तक एवं 27 अप्रैल से 03 मई तक एनआई कार्य किया जाना है। इसके कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। 47 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया गया है।

- ट्रेन नंबर-14012 आनंद विहार-राधिकापुर एक्सप्रेस 20 से 27 अप्रैल से तक।
- ट्रेन नंबर-14011 राधिकापुर-आनंद विहार एक्सप्रेस 22 से 29 अप्रैल से तक।
- ट्रेन नंबर-14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट जनसेवा एक्सप्रेस 19 अप्रैल से 3 मई तक।
- ट्रेन नंबर-14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस 20 अप्रैल से 4 मई तक।
- ट्रेन नंबर-15621 कामाख्या-आनन्द विहार एक्सप्रेस 24 अप्रैल एवं 1 मई ।
- ट्रेन नंबर-15622 आनन्द विहार-कामाख्या एक्सप्रेस 25 अप्रैल एवं 2 मई ।
- ट्रेन नंबर-09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल 25 अप्रैल ।
- ट्रेन नंबर-09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल 28 अप्रैल ।
- ट्रेन नंबर-15531 सहरसा-अमृतसर जनसाधारण एक्सप्रेस 27 अप्रैल।
- ट्रेन नंबर-15532 अमृतसर-सहरसा जनसाधारण एक्सप्रेस 28 अप्रैल।
- ट्रेन नंबर-15705 कटिहार-दिल्ली चम्पारण हमसफर एक्सप्रेस 28 अप्रैल और 1 मई।
- ट्रेन नंबर-15706 दिल्ली-कटिहार चम्पारण हमसफर एक्सप्रेस 29 अप्रैल एवं 2 मई।
- ट्रेन नंबर-04654 अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस 30 अप्रैल।
- ट्रेन नंबर-04653 न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर एक्सप्रेस 2 मई।
- ट्रेन नंबर-55040 बढ़नी-नरकटियागंज पैसेंजर 16 अप्रैल से 5 मई।
- ट्रेन नंबर-55039 नरकटियागंज-बढ़नी पैसेंजर 18 अप्रैल से 8 मई।
- ट्रेन नंबर-55095 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट पैसेंजर 16 अप्रैल से 6 मई।
- ट्रेन नंबर-55096 गोरखपुर कैंट-नरकटियागंज पैसेंजर 18 अप्रैल से 8 मई।
- ट्रेन नंबर-55097 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट पैसेंजर 17 अप्रैल से 7 मई।
- ट्रेन नंबर-55098 गोरखपुर कैंट-नरकटियागंज पैसेंजर 17 अप्रैल से 6 मई।
- ट्रेन नंबर-55048 गोरखपुर कैंट-नरकटियागंज पैसेंजर 17 अप्रैल से 7 मई।
- ट्रेन नंबर-55047 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट पैसेंजर 17 अप्रैल से 7 मई तक
- ट्रेन नंबर-15211/15212 दरभंगा-अमृतसर-दरभंगा जननायक एक्सप्रेस 16 अप्रैल से 4 मई।
- ट्रेन नंबर-15034/15033 लखनऊ-पाटलिपुत्र-लखनऊ एक्सप्रेस 12 अप्रैल से 3 मई।
- ट्रेन नंबर-12580/12579 गोरखपुर-पाटलिपुत्र-गोरखपुर एक्सप्रेस 14 अप्रैल से 3 मई।

यात्रियों के सफर करने में बढ़ी परेशानी

- ट्रेन नंबर-15273 रक्सौल-आनन्द विहार सत्याग्रह एक्सप्रेस 12 अप्रैल से 3 मई।
- ट्रेन नंबर-15274 आनन्द विहार-रक्सौल सत्याग्रह एक्सप्रेस 13 अप्रैल से 4 मई।
- ट्रेन नंबर-15048 गोरखपुर-कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस 13 अप्रैल से 4 मई।
- ट्रेन नंबर-15047 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस 14 अप्रैल से 5 मई।
- ट्रेन नंबर-15050 गोरखपुर-कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस 16 अप्रैल से 3 मई।
- ट्रेन नंबर-15049 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस 16 अप्रैल से 4 मई ।
- ट्रेन नंबर-15052 गोरखपुर-कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस 17 अप्रैल से 1 मई।
- ट्रेन नंबर-15051 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस 18 अप्रैल से 2 मई तक।
- ट्रेन नंबर-18629 रांची-गोरखपुर एक्सप्रेस 18 अप्रैल से 2 मई तक।
- ट्रेन नंबर-18630 गोरखपुर-रांची एक्सप्रेस 19 अप्रैल से 3 मई तक।
- ट्रेन नंबर-14010 आनन्द विहार-बापूधाम मोतिहारी चम्पारण सत्याग्रह एक्सप्रेस 19 से 30 अप्रैल तक।
- ट्रेन नंबर-14009 बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार चम्पारण सत्याग्रह एक्सप्रेस 20 अप्रैल से 1 मई तक।
- ट्रेन नंबर-15022 गोरखपुर-शालीमार एक्सप्रेस 21 से 28 अप्रैल से तक।
- ट्रेन नंबर-15021 शालीमार-गोरखपुर एक्सप्रेस 22 से 29 अप्रैल से तक।
- ट्रेन नंबर-15028 गोरखपुर-संबलपुर मौर्य एक्सप्रेस 24 अप्रैल से 3 मई तक।
- ट्रेन नंबर-15027 संबलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस 26 अप्रैल से 5 मई तक।
- ट्रेन नंबर-13507 आसनसोल-गोरखपुर एक्सप्रेस 25 अप्रैल एवं 2 मई ।
- ट्रेन नंबर-13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस 26 अप्रैल एवं 3 मई ।
- ट्रेन नंबर-22551 दरभंगा-जलंधर सिटी अंत्योदय एक्सप्रेस 3 मई ।
- ट्रेन नंबर-22552 जलंधर सिटी-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस 4 मई ।
- ट्रेन नंबर-15001 मुजफ्फरपुर-देहरादून एक्सप्रेस 21 एवं 28 अप्रैल तथा 5 मई ।
- ट्रेन नंबर-15002 देहरादून-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस 19 एवं 26 अप्रैल तथा 3 मई ।

पुनर्निर्धारित और नियंत्रित कर चलायी जाने वाली ट्रेनें

- एरणाकुलम से 25 अप्रैल को खुलने वाली 12522 एरणाकुलम-बरौनी राप्ती सागर एक्सप्रेस एरणाकुलम से 4 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।
- पोरबंदर से 10, 11, 24 अप्रैल तथा 1 मई को खुलने वाली 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस पोरबंदर से 4 घंटे 30 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।
- दरभंगा से 12 अप्रैल को खुलने वाली 22551 दरभंगा-जलन्धर सिटी एक्सप्रेस दरभंगा से 4 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।
- भागलपुर से 14 अप्रैल को खुलने वाली 09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल भागलपुर से 1 घंटा रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।
- कामाख्या से 20 अप्रैल को खुलने वाली 15655 कामाख्या-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस कामाख्या से 3 घंटे 30 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।
- दरभंगा से 22, 25, 26, 27 अप्रैल एवं 2 मई को खुलने वाली 12565 दरभंगा-नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस दरभंगा से 3 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।
- सहरसा से 26 अप्रैल एवं 2 मई को खुलने वाली 12553 सहरसा-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस सहरसा से 3 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।
- गुवाहाटी से 28 अप्रैल को खुलने वाली 15651 गुवाहाटी-जम्मूतवी लोहित एक्सप्रेस गुवाहाटी से 4 घंटे 30 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।
- गुवाहाटी से 30 अप्रैल को खुलने वाली 15653 गुवाहाटी-जम्मूतवी अमरनाथ एक्सप्रेस गुवाहाटी से 4 घंटे 30 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जाएगी।

आंशिक समापन और प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेनें

- रांची से 11 अप्रैल को खुलने वाली 18629 रांची-गोरखपुर एक्सप्रेस का आंशिक समापन गोरखपुर के बदले भटनी में ही किया जाएगा ।
- गोरखपुर से 12 अप्रैल को खुलने वाली 18630 गोरखपुर-रांची एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ गोरखपुर के बदले भटनी से ही किया जाएगा ।

परिवर्तित मार्ग से चलाई जाने वाली ट्रेनें

- बरौनी से 12 अप्रैल से 3 मई तक खुलने वाली 02563 बरौनी-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल के रास्ते चलाई जाएगी।
- नई दिल्ली से 12 अप्रैल से 2 मई तक खुलने वाली 02564 नई दिल्ली-बरौनी क्लोन स्पेशल परिवर्तित मार्ग कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज-बनारस-वाराणसी-औड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जाएगी।
- बरौनी से 20 एवं 27 अप्रैल को खुलने वाली 14691 बरौनी-जम्मूतवी मौर्यध्वज एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग छपरा-औड़िहार-जौनपुर-अयोध्या कैंट-बाराबंकी-लखनऊ-रोजा के रास्ते चलाई जाएगी।
- जम्मूतवी से 2 मई को खुलने वाली 14692 जम्मूतवी-बरौनी मौर्यध्वज एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ-बाराबंकी-अयोध्या कैंट-जौनपुर-औड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जाएगी।
- बान्द्रा टर्मिनल से 25, 27, 28, 29, 30 अप्रैल तथा 1 मई को खुलने वाली 19037 बान्द्रा टर्मिनल-बरौनी अवध एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-जौनपुर-वाराणसी-वाराणसी सिटी-औड़िहार-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जाएगी।
- कटिहार से 12 अप्रैल से 3 मई तक खुलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग छपरा-भटनी-मऊ-वाराणसी सिटी-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलाई जाएगी।
- दरभंगा से 12 अप्रैल से 3 मई तक खुलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल परिवर्तित मार्ग छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल के रास्ते चलाई जाएगी।
- नई दिल्ली से 13 अप्रैल से 3 मई तक खुलने वाली 02570 नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन स्पेशल परिवर्तित मार्ग कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज-बनारस-वाराणसी-औड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जाएगी।
- अमृतसर से 11, 13, 15, 17, 18, 20, 22, 24, 25, 27, 29 अप्रैल तथा 1 एवं 2 मई को खुलने वाली 14674 अमृतसर-जयनगर शहीद एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-जौनपुर-वाराणसी-वाराणसी सिटी-औड़िहार-मऊ-भटनी-छपरा के रास्ते चलाई जाएगी।
- काठगोदाम से 15 अप्रैल से 2 मई तक खुलने वाली 13020 काठगोदाम-हावड़ा बाघ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-जौनपुर-वाराणसी-वाराणसी सिटी-औड़िहार-मऊ-भटनी-छपरा के रास्ते चलाई जाएगी।
- आनन्द विहार टर्मिनल से 30 अप्रैल को खुलने वाली 12212 आनन्द विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर गरीबरथ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग लखनऊ-सुल्तानपुर-वाराणसी-औड़िहार- छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जाएगी।

गया में आंधी-तूफान से तीन मासूम की मौत: दीवार गिरने से दो की गई जान

ताड़ का पेड़ गिरने से बच्चे की मौके पर ही मौत

गया, एजेंसी। गया जिले में गुरुवार की शाम आई तेज आंधी और बारिश ने कहर बरपाया है। अलग-अलग जगहों पर पेड़ और दीवार गिरने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। टनकुप्पा, वजीरगंज और फतेहपुर क्षेत्र से मौत की घटना सामने आई हैं। वजीरगंज निवासी मुन्नू चौधरी (12) पर पेड़ टूट कर गिर गया था। वह नानी के घर आया हुआ था। वहीं गया के मानपुर के दुधाइला गांव में ताड़ के पेड़ गिरने से लखन पासवान की पत्नी लक्ष्मीनिया देवी की मौत हो गई। वह उपला उठा रही थी। टनकुप्पा प्रखंड के भेटौरा पंचायत के मायापुर गांव में विश्वजीत कुमार (08) की दीवार गिरने से मौत हो गई। आंधी के दौरान विश्वजीत घर के बाहर खेल रहा था। इसके बाद वह भागकर घर की ओर जा रहा था। तभी राजबल्लभ पासवान के घर की सीढ़ियों से सटी ईंट की 5 इंच मोटी दीवार विश्वजीत पर गिर गई। सिर पर गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी जान चली गई। विश्वजीत के पिता रामप्रीत पासवान के दो बेटे हैं, जिनमें विश्वजीत छोटा था।

लोगों को प्रशासन से राहत की उम्मीद

वजीरगंज थाना क्षेत्र के कढ़ौना गांव में भी तेज आंधी में ताड़ का पेड़ गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई। वहीं, फतेहपुर इलाके में दीवार गिरने से एक और मासूम की जान चली गई। मानपुर के दुधैला गांव में पेड़ गिरने से एक महिला की भी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पंचायत प्रतिनिधि और पुलिस मौके पर पहुंचे। टनकुप्पा में मुखिया अनीता देवी, प्रमुख चिंकी देवी समेत कई जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दी और प्रशासन को मदद पहुंचाने की अपील की। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक दिन की आंधी ने तीन परिवारों को उजाड़ दिया। लोग प्रशासन से राहत की उम्मीद कर रहे हैं।

पीएम मोदी के बिहार दौरे से पहले सम्राट चौधरी की बड़ी डिमांड, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को लिखा पत्र

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बिहार यात्रा के पहले ग्रामीण गरीबों के लिए 5.29 लाख मकान की मांग की है। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र भेजकर मकानों का लक्ष्य बढ़ाने की भी मांग की, ताकि प्रतीक्षा सूची में पड़े 5.29 लाख गरीब परिवारों को भी मकान मिल सके। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में बिहार के ग्रामीण गरीबों के लिए 7.90 लाख मकान बनाने का लक्ष्य देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ग्रामीण विकास मंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। चौधरी ने पत्र में लिखा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य को कुल 7,90, 648 लक्ष्य उपलब्ध कराया है। प्राप्त लक्ष्य से राज्य के गरीब आवास विहीन एवं कच्चे आवासों में रहने वाले परिवारों को आवास का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार को जानकारी दी कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रतीक्षा सूची से छूटे हुए योग्य लाभुकों के सर्वेक्षण का कार्य भी चल रहा है। उन्होंने अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस, 2018 के आधार पर निर्मित प्रतीक्षा सूची में बचे हुए शेष 5.29 लाख लाभुकों को आवास का लाभ देने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य के लिए 5.29 लाख भौतिक लक्ष्य उपलब्ध कराया जाय। श्री चौधरी ने आग्रह किया कि यदि राज्य को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए शीघ्र लक्ष्य आवंटित कर दिया जाता है, तो इसी 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री की बिहार यात्रा के प्रस्तावित कार्यक्रम में संबंधित योग्य लाभुकों को एक साथ प्रथम किस्त की सहायता राशि का भुगतान किया जा सकेगा।

कॉपी लिखी हिन्दी में, आरटीआई से मिली अंग्रेजी में

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता बीआरएबीयू में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। लॉ के एक छात्र ने आरटीआई से मिली कॉपी पर आपत्ति जताई है। छात्र का कहना है कि उसने लॉ की परीक्षा हिन्दी में दी थी, लेकिन आरटीआई से जो कॉपी मिली है वह अंग्रेजी में है। वह अंग्रेजी में इतना मजबूत नहीं है कि परीक्षा दे सके। छात्र की शिकायत के बाद इस मामले को परीक्षा बोर्ड में भेजने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुबालाल पासवान ने बताया कि हमलोग जल्द ही परीक्षा बोर्ड की बैठक कराएंगे। सीनेट की बैठक के बाद परीक्षा बोर्ड की बैठक होगी। इसकी तैयारी की जा रही है। उधर, छात्र की कॉपी बदलने के मामले पर विवि में भी हलचल तेज हो गई है। विवि सूत्रों का कहना है कि ऐसा पहलीबार हुआ है कि छात्र की कॉपी आरटीआई से बदल गई हो। इसके अलावा एक छात्र का भी मामला परीक्षा बोर्ड में जा रहा है। छात्र की मार्क्सशीट में एक विषय में कम नंबर आने से वह फेल है, लेकिन री-मार्क्स में उसे पास बताया गया है। इस आधार पर छात्र ने स्नातक के सभी वर्षों की परीक्षा दे दी, लेकिन जब सर्टिफिकेट मिलने की बारी आई तो उसके फेल बताया गया। छात्र ने इसकी शिकायत परीक्षा विभाग से की है। छात्र का कहना है कि अगर वह पहले साल में ही फेल था तो उसे दूसरे साल और तीसरे साल में परीक्षा क्यों देने दिया गया। इस मामले पर भी परीक्षा बोर्ड में चर्चा की जायेगी।

दिल्ली नहीं ले जाने से नाराज विवाहिता ने की आत्महत्या

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज में गुरुवार की रात एक गर्भवती महिला का शव उसके कमरे में फंदे लटका मिला। घटना हथुआ थाना क्षेत्र के बड़ी ईशर गांव की है। जहां मृतका की पहचान सरिता देवी के रूप में हुई है। बताया गया कि मृतका के पति मनू यादव दिल्ली में काम करते हैं। वहीं मृतका अपनी बेटी के साथ ससुराल में रहती थीं। वह बार-बार पति के साथ दिल्ली जाने की जिद कर रही थीं। लेकिन वह मना कर रहा था। जिसके बाद गुरुवार की रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद अपने-अपने कमरों में सोने चले गए। सुबह सरिता का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

जांच में जुटी पुलिस : हथुआ थानाध्यक्ष ने बताया कि फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है।

मृतका के परिजन इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा। प्राथमिक जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है।

गया में हत्या के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार जंगल में मिला था युवक का शव

अफीम और पैसों की लेन-देन की वजह से हुई हत्या

गया, एजेंसी। गया जिले के रौशनगंज थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुई हत्या मामले में पुलिस ने 48 घंटे के अंदर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जंगल में शव मिलने की सूचना पर पुलिस एक्शन में आई। सभी आरोपियों ने जुर्म कबूल कर लिया है। इसकी पुष्टि एसएसपी शैलेन्द्र सिंह ने की है।

दरअसल, 7 अप्रैल को ग्राम अंबाखार धोबिया के जंगल में एक अज्ञात शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। थानाध्यक्ष रौशनगंज मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की गई। मृतक की पहचान इमामगंज थाना क्षेत्र के रानीगंज निवासी केशव साव के बेटे दीपक कुमार के रूप में हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू की। एसएसपी के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेरघाटी-1 के नेतृत्व में एक विशेष टीम भी गठित की गई थी। एफएसएल और तकनीकी टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

आपराधिक इतिहास की जांच जारी

छानबीन और सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने चार अभियुक्तों विकास कुमार (अंबाखार, रौशनगंज), मंटू कुमार, सुनील यादव और अशोक यादव (तीनों लेंजबा नौकाडीह, थाना हंटरगंज, चतरा, झारखंड) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि मृतक को अफीम दिलाने के बहाने जंगल बुलाया गया था। वहीं पैसों को लेकर कहासुनी हुई और गुस्से में हत्या कर दी गई। फिलहाल इस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और पकड़े गए अपराधियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

भोजपुर में चाचा ने भतीजे को मारा चाकू

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव में गुरुवार को तीन दिन पहले हुए विवाद को लेकर चाचा ने अपने ही भतीजे को चाकू मार दिया। जख्मी युवक को चाकू बाएं हाथ में कलाई और अंगूठे के पास लगी है, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद मुफ्फसिल थाना पुलिस द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मी युवक मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हसनपुरा गांव निवासी श्याम बिहारी यादव का बेटा अमन कुमार (18) है। अमन ने बताया कि तीन दिन पहले उसके बड़े पिता द्वारा उसके बंद घर का ताला तोड़कर उसमें रखे सामान को निकाल लिया गया था, जिसको लेकर उनके बीच झगड़ा हुआ था। हालांकि उस दिन बात खत्म हो गई थी। उसके बड़े पिता द्वारा दोबारा बंद कमरे को खोलकर उसमें रखे सामान को निकाला जा रहा था। तभी उन लोगों की नींद खुल गई। इसे लेकर उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद उसके बड़े पिता ने अपने बेटों के साथ मिलकर उसकी पिटाई की और उसके बाद उसे चाकू मार दी। इस दौरान वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इधर ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में युवक का प्राथमिक उपचार कर दिया है,चाकू लगने से खून निकला था। हालांकि युवक खतरे से बाहर है। वही दूसरी तरफ जख्मी अमन कुमार ने अपने बड़े पिता पर अपने बेटों के साथ मिलकर खुद को चाकू मारने एवं का घर में रखे सामान को चोरी करने का आरोप लगाया है। वही इस घटना के बाद पीड़ित युवक ने स्थानीय थाना पुलिस से लिखित शिकायत की है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

बिहार बदलाव रैली में खाली दिखीं कुर्सियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जनुसराज पार्टी के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया है। वह पटना के गांधी मैदान में ₹आज बिहार बदलाव रैली₹ कर रहे हैं। दोपहर से शुरू इस रैली में हजारों लोग अभी ही पहुंच चुके हैं। कई जिलों से बस और कार में भड़कर लोग आए हैं। करीब चार घंटे तक चलने वाली इस रैली में पार्टी के वरीय नेताओं के बाद प्रशांत किशोर अपना संबोधन देंगे। जनसुराज का दावा है कि यह रैली ऐतिहासिक होगी और बिहार की राजनीति में बदलाव लाएगी। दावा यह भी किया गया था कि इस रैली में 10 लाख से अधिक लोग आएंगे। लेकिन, शाम चार बजे तक 50 हजार लोगों की भीड़ भी नहीं जुट पाई थी। कई कुर्सियां खाली दिख रही।

मंच पर पार्टी के सभी दिग्गज नेता पहुंच चुके हैं। गायन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। भीड़ कम होने के सवाल पर जनसुराज के कार्यकताओं ने कहा कि गुरुवार को मौसम खराब होने के कारण हजारों लोग नहीं आ पाए। कई लोग धूप होने के कारण गांधी मैदान में ही पेड़ों के नीचे बैठे हैं। आम लोगों और स्कूली बच्चों को परेशानी न हो इसलिए हमलोगों के दो बजे से कार्यक्रम का फैसला लिया। यह ऐतिहासिक रैली है। बिहार की जनता ने बता दिया है आगामी विधानसभा चुनाव में जनसुराज बड़ा बदलाव लाएगी।

जनसुराज की इस रैली को लेकर पूरा पटना पोस्टरों से पट चुका है। इधर, पटना पुलिस ने इस रैली को लेकर अपनी तैयारी पूरी कर रही है। जगह जगह पुलिस बलों की तैनाती की गई है। शुक्रवार को बिहार के चुनावी साल में प्रशांत किशोर की पहली रैली है, जिसका नाम 'बिहार बदलाव रैली' दिया गया है। यानी, बिहार चुनाव में बदलाव होना है या नहीं, यह शुक्रवार को पीके की रैली में उमड़ी भीड़ से पता चल जाएगा।

राजद विधायक के घर एसटीएफ ने की छापेमारी

- राजनीतिक गलियारों में हड़कम्प
- 33 आपराधिक मामले हैं दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में इसी साल विधान सभा चुनाव होने हैं, लेकिन इससे पहले राजनीति के अलग-अलग रंग देखने के लिए मिल रहे हैं। आज पटना में प्रशांत किशोर की सभा हो रही है, वहीं कन्हैया कुमार की सीएम हाउस की ओर पदयात्रा थी। हालांकि पुलिस ने उनके इरादों को फिलहाल चकनाचूर कर दिया है, लेकिन इससे हटकर एक और खबर यह है कि राजद विधायक और बाहुबली नेता रीतलाल यादव के घर पर आज शुक्रवार को पटना पुलिस और एसटीएफ छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी उनके दानापुर स्थित आवास पर हुई है, जिसके बाद सियासी गलियारों में हड़कंप मच गया है। विधानसभा चुनाव से पहले हुई इस छापेमारी से राजद में बहुत बड़ी नाराजगी है। पुलिस का कहना है कि यह छापेमारी उनके खिलाफ रंगदारी से जुड़े एक मामले की शिकायत मिलने के बाद की गई है। पुलिस का यह भी कहना है कि रीतलाल यादव के खिलाफ 33 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, रंगदारी और अपहरण जैसे संगीन आरोप शामिल हैं।

बताया जाता है कि रीतलाल यादव का नाम विवादों और आपराधिक मामलों से जुड़ा रहा है। वर्ष 2003 में भाजपा नेता सत्यनारायण सिन्हा की हत्या के मामले में भी उनका नाम चर्चा में आया था। बाद में सत्यनारायण सिन्हा की पत्नी आशा सिन्हा ने भाजपा से चुनाव लड़ा और विधायक बनीं। फिर 2016 में जेल में रहते हुए भी रीतलाल यादव भी एमएलसी का चुनाव लड़े थे, जिसमें उनकी जीत हुई थी। फिर 2020 में राजद ने उनको टिकट पर दानापुर से विधानसभा चुनाव लड़ाया जिसमें उन्होंने आशा सिन्हा को हराकर विधायक बने।

फंदे से लटकी मिली युवती की लाश

मधेपुरा। जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक महिला का शव अपने ही घर में फंदे से लटका हुआ मिला। मामला जितना सीधा दिखाई दे रहा है, उतना ही उलझा हुआ भी है। मृतका के परिजनों ने इस घटना को आत्महत्या नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या करार दिया है। आरोप सीधे पंचायत की मुखिया नुसरत परवीन के पति मोहम्मद सद्दाम और उसके सहयोगियों पर लगे हैं। घटना उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के बराही आनंदपुरा गांव की है, जहां वार्ड-7 की निवासी सुनीता देवी (30), पत्नी रोशन यादव का शव संदिग्ध हालात में फंदे से झूलता मिला। महिला उस समय घर में अकेली थी। जैसे ही यह खबर गांव में फैली, अफरा-तफरी मच गई और भारी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। सुनीता देवी के परिजनों ने बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है। उनका दावा है कि मुखिया पति मोहम्मद सद्दाम और उसके कुछ सहयोगियों ने मिलकर महिला की गला दबाकर हत्या की और फिर शव को फंदे से लटका दिया गया ताकि पूरा मामला आत्महत्या लगे।

विवाह भवन के पास मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में उस समय हड़कंप मच गया, जब नगर थाना क्षेत्र के दीवान रोड स्थित एक विवाह भवन के गेट के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सुबह-सुबह शव मिलने की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पाकर नगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

इस दौरान पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है, लिहाजा पुलिस सोशल मीडिया और अन्य थानों की मदद से तस्वीरों को सकुर्लेट कर पहचान करने की कोशिश कर रही है।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि जान गंवाने वाला उक्त व्यक्ति पिछले कुछ दिनों से अक्सर उस विवाह भवन के आस-पास नजर आता था। वह रोजाना सुबह वहां आता, चाय पीता और फिर चला जाता था। स्थानीय चाय दुकानदारों के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष के बीच रही होगी और उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लगती थी।

शुक्रवार को जब वह रोज की तरह विवाह भवन के पास दिखाई नहीं दिया, तो कुछ लोगों को शक हुआ। पास जाकर देखा गया तो वह अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। आनन-फानन में लोग उसे पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचित किया गया।

नगर थाना प्रभारी ने बताया कि शव की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। मृतक के शरीर पर किसी प्रकार की चोट के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं, लेकिन मौत के कारणों की जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया के जरिए और जिले के अन्य थानों में तस्वीर भेजकर मृतक की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

ई रिक्शा खरीदने में गड़बड़झाला

दो अभियंताओं को किया गया निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पेयजल स्वच्छता विभाग ने अपने दो कार्यपालक अभियंताओं को निलंबित किया है। गढ़वा जिले में स्वच्छता कार्य के लिए ई रिक्शा की खरीद में ज्यादा राशि खर्च करने के मामले में यह कार्रवाई हुई है।

विभाग ने कार्यपालक अभियंता प्रदीप सिंह और धर्मेंद्र कुमार को निलंबित किया है। पेयजल स्वच्छता ग्रामीण कार्य प्रमंडल के दोनों अभियंताओं पर खरीद में अनियमितता का आरोप लगा है।

विभाग की प्रारंभिक जांच के बाद दोनों को निलंबित किए जाने की सूचना है। विधानसभा के बजट सत्र में पेयजल स्वच्छता विभाग में कई तरह की गड़बड़ियों का मामला उठाया गया था।

उधर, रिश्वत के आरोप में चार महीना पूर्व निलंबित किए गए अवर निरीक्षक प्रभात कुमार को निलंबन मुक्त कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय ने उन्हें निलंबन से मुक्त करते हुए मंगलवार को हंटरगंज का नया थाना प्रभारी बनाया है।

पुलिस अधीक्षक के आदेश के आलोक में नव पदस्थापित थाना प्रभारी प्रभात कुमार वहां पर योगदान दे दिए हैं। प्रभात कुमार पर हंटरगंज की प्रमुख ममता कुमारी ने सनहा दर्ज करने के एवज में 30 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाई थीं।

रिश्वत के इस प्रकरण में थाने का सहायक अवर

निरीक्षक अभय कुमार का भी नाम शामिल था। दरअसल जोरी-मोरैनवा मोड़ के समीप एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

इन्श्योरेंस कवर के लिए वाहन मालिक ने थाने में सनहा दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया था। सहायक अवर निरीक्षक अभय कुमार ने वाहन मालिक से इसके एवज में तीस हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी।

वाहन मालिक राजू यादव ने इसकी जानकारी प्रमुख ममता देवी एवं उनके पति कमलेश यादव को दी। बाद में इसकी लिखित शिकायत एसपी से की थी। एसपी ने जांच का आदेश दिया। जांच में मामला सही पाया गया।

उसके बाद पुलिस अधीक्षक ने पांच जनवरी 2025 को थाना प्रभारी प्रभात कुमार व सहायक अवर निरीक्षक अभय कुमार को निलंबित कर दिया गया।

इस प्रकार चार महीने के भीतर ही अवर निरीक्षक प्रभात कुमार निलंबन मुक्त होते हुए थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापित कर दिए गए।

एसी बोगी में महिला इंजीनियर से छेड़छाड़

नरकटियागंज । आनंद विहार से मुजफ्फरपुर जा रही सप्तक्रांति सुपरफास्ट के एसी कोच में निजी कंपनी की एक महिला अभियंता (इंजीनियर) से छेड़खानी के मामले में पेंट्रीकार मैनेजर संतोष साह के खिलाफ नरकटियागंज रेल थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पेंट्रीकार मैनेजर संतोष नरकटियागंज के शिवगंज मुहल्ले का निवासी है। रेल थानाध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। विगत आठ अप्रैल को महिला इंजीनियर के साथ छेड़खानी की गई थी। महिला इंजीनियर ने पेंट्रीकार मैनेजर के खिलाफ मुजफ्फरपुर रेल थाने में आवेदन दिया था। उसी आवेदन पर नरकटियागंज रेल थाना में एफआइआर दर्ज की गई है।

रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि नरकटियागंज रेल पुलिस ने संतोष साह को वर्ष 2023 में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। पेंट्रीकार बोगी में अवैध तरीके से यात्रियों को बैठाकर उगाही करने के आरोप में उसकी गिरफ्तारी हुई थी। संतोष के विरुद्ध पूर्व में दर्ज अन्य मामलों की भी जांच पड़ताल की जा रही है।

माफिया से सांठगांठ के आरोप में थानाध्यक्ष निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने अवैध खनन और बालू के अवैध परिवहन पर पूरी तरह से जीरो टॉलरेंस की नीति लागू कर दी है। खान एवं भू-तत्व विभाग की सक्रियता के चलते अब लापरवाह अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में मुजफ्फरपुर जिले के करजा थाना के थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है।

फरवरी महीने में मुजफ्फरपुर में अवैध बालू ढुलाई करते हुए एक वाहन को खनन विभाग ने जब्त किया था। इसे करजा थाना को सौंपते हुए थानाध्यक्ष को एफआईआर दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया था। लेकिन जब विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मामले की प्रगति जाननी चाही, तो खुलासा हुआ कि थानाध्यक्ष ने जानबूझकर मामला दर्ज नहीं किया था। इससे साफ संकेत मिलता है कि अवैध खनन माफियाओं से उनकी मिलीभगत थी।

खनन विभाग के इस ढीले रवैये पर उप मुख्यमंत्री सह खान एवं भू-तत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने जिलाधिकारी और वरीय पुलिस अधीक्षक को इस मामले की त्वरित जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जांच में पुष्टि हुई कि थानाध्यक्ष ने एक महीने से भी अधिक समय तक एफआईआर दर्ज नहीं की, जो विभागीय आदेश की सीधी अनदेखी थी। इसके बाद थानाध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुजफ्फरपुर जिले में खनिज राजस्व वसूली की स्थिति भी बेहद खराब रही है। निर्धारित वार्षिक लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ 59.14% वसूली हो सकी है। ऐसे में विभाग ने उन जिलों की अलग से समीक्षा शुरू कर दी है, जहां वसूली अपेक्षा से काफी कम रही है। आने वाले समय में अन्य जिलों में भी जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

तालाब से फिर मिली अधेड़ की लाश

दरभंगा। शहर के हृदयस्थल कहे जाने वाले दरभंगा रेलवे स्टेशन के सामने और एमएलएसएम कॉलेज के पास स्थित हराही तालाब से शुक्रवार को एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। इस घटना ने उस रहस्य को और गहरा कर दिया है, जो तीन दिन पहले इसी तालाब से मिले एक युवक के शव के साथ शुरू हुआ था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की दोपहर जब स्थानीय लोगों ने तालाब में एक शव को उतराते देखा, तो देखते ही देखते भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकालकर पहचान के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष है, लेकिन उसकी पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। शव को फिलहाल डीएमसीएच के शवगृह में पहचान के लिए रखा गया है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को इसी तालाब से एक और युवक का शव मिला था, जिसकी पहचान दिव्यांशु सिंह के रूप में हुई थी। दिव्यांशु एसबीआई कर्मी का बेटा था और मेरठ में रहकर इउअ की पढ़ाई कर रहा था।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी–डब्ल्यूसी–टी–2025–26–02, दिनांक: 09.04.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन–713301 द्वारा अपेक्षित निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं. :टीआरडी–डब्ल्यूसी–टी–2025–26–02, कार्य का नाम:** कार्यों का निम्नलिखित टीआरडी अंशः (क) काजोड़ाग्राम में ईसीएल के परास्कोल (ईस्ट) साइडिंग के साथ मधुसुदनपुर साइडिंग का विलय। (ख) आसनसोल मंडल–टीबी कॉर्ड लाइन में भनोरा साइडिंग का नवीनीकरण। (ग) आसनसोल मंडल– पानागढ़ में 4.5 मी. पूर्वी भाग (मैटिक्स साइडिंग) में लोकेशन नं. एम–बी 20 (ट्रैक–2) पर ओएचई स्ट्रक्चर का स्थानांतरण। **निविदा मूल्य :** रु.1,38,52,954.32, **बयाना राशि:** रु. 2,19,300/–, **कार्य की समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 06 (छह) माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तिथि से 45 दिन। **खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 14.05.2025 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। ASN-15/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिना लोको पायलट के दौड़ी मालगाड़ी, मची खलबली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले बड़ाबांबो रेलवे स्टेशन में स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी अचानक बिना लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के लगभग 2 किलोमीटर तक अपने आप सरपट दौड़ गई। गनीमत रही कि इस दौरान कोई ट्रेन या अन्य बाधा सामने नहीं आई, वरना यह घटना गंभीर दुर्घटना में तब्दील हो सकती थी।

जानकारी के अनुसार, गिट्टी से लदी एनबीओबीवाई/सीकेपी नामक मालगाड़ी बड़ाबांबो स्टेशन के 5 नंबर लाइन पर स्थिर अवस्था में बीते 2 अप्रैल से खड़ी थी।

गुरुवार को बड़ाबांबो स्टेशन के लाइन नंबर 6 से जैसे ही बीएफएनएस/बीओआर नामक मालगाड़ी चक्रधरपुर की ओर जा रही थी, तभी किसी तकनीकी या मानवीय लापरवाही के चलते 5 नंबर लाइन में खड़ी गिट्टी से लदी मालगाड़ी रोल डाउन होकर आगे बढ़ने लगी।

उस समय न तो मालगाड़ी के इंजन में लोको पायलट मौजूद था और न ही ट्रेन मैनेजर। जैसे ही स्टेशन मास्टर और अन्य रेलकर्मियों को इस घटना की जानकारी मिली, पूरे स्टेशन में हड़कंप मच गया। तत्काल चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय के कंट्रोल रूम को सूचना दी गई।

कंट्रोल रूम में के अधिकारियों ने तेजी से एक्शन लेते हुए राहत एवं बचाव टीम को एआरटी ट्रेन से रवाना करने की तैयारी कर ली। इसी दौरान मालगाड़ी की गति धीरे-धीरे कम होने लगी और कुछ दूरी तय करने के बाद वह अपने आप लाइन नंबर 3 में जाकर रुक गई।

मालगाड़ी के रुकने के बाद राहत की सांस ली गई और राहत दल को भी वापस बुला लिया गया। इस पूरी घटना के कारण रात 9:30 बजे से लेकर 11:30 बजे तक लगभग दो घंटे तक बड़ाबांबो स्टेशन पर ट्रेनों का परिचालन रेलवे द्वारा ठप कर दिया गया था।

बताया जा रहा है कि इस मालगाड़ी को बड़ाबांबो स्टेशन में खड़ी कर रखी गई थी, जिसे नियमों के अनुसार स्टेशन पर स्टॉपर स्टिक और जंजीरों की मदद से सुरक्षित खड़ा रखा जाना चाहिए था।

अब नये लुक में दिखेगा राजगीर स्टेशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। पूर्व मध्य रेल के 93 से अधिक स्टेशनों को अमृत भारत योजना से विश्व स्तरीय रूप दिया जाएगा। अकेले दानापुर मंडल के 25 से अधिक स्टेशनों को इस योजना के तहत विकसित किया जा रहा है।

इसी क्रम में राजगीर स्टेशन को भी इस योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। राजगीर स्टेशन को भी विकसित करने का कार्य तेजी से जारी है।

राजगीर स्टेशन को विकसित करने के लिए 40 से 50 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है। सबकुछ ठीक रहा तो इस साल के दिसंबर माह तक इस स्टेशन के विकास का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। राजगीर स्टेशन के बाहरी व भीतरी दीवारों पर राजगीर व बौद्ध से जुड़े जरासंध समेत अन्य महापुरुषों की तस्वीरें उकेरी जाएंगी।

इस स्टेशन पर अतिरिक्त प्लेटफॉर्म के साथ-साथ एस्केलेटर व लिफ्ट लगाए जाएंगे। पर्यटन दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण इस स्टेशन पर विश्व स्तरीय स्टेशनों पर मिलने वाली तमाम यात्री सुविधाओं को मुहैया कराया जाएगा। यहां वीवीआईपी लाउंज के साथ-साथ खान-पान के उत्कृष्ट स्टाल व रेस्टोरेंट की व्यवस्था की जाएगी।

इस संबंध में दानापुर मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक आधार राज ने बताया कि नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार की पहल पर रेल मंत्रालय की ओर से राजगीर व बिहार शरीफ स्टेशन को अमृत भारत योजना में शामिल किया गया। दोनों स्टेशनों को इस ससाल के अंत तक विकसित कर लिया जाएगा।

राजगीर स्टेशन पर एक और वॉशिंग पिट बनाने की घोषणा की गई है। चार करोड़ की लागत से बनने वाली इस वॉशिंग पिट के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके बन जाने से दो-तीन नए ट्रेनों के परिचालन का रास्ता साफ हो जाएगा।

सांसद की पहल पर आज से राजगीर से ऋषिकेश वाया पटना जंक्शन के लिए नई ट्रेन सेवा शुरू की गई है। सांसद कौशलेंद्र ने राजगीर स्टेशन पर इस ट्रेन को हरी झंडी दिखा रवाना किया। सोमवार से राजगीर से माता वैष्णोदेवी वाया पटना जंक्शन के लिए नई ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

ई–निविदा सूचना सं. ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–27–31–25, दिनांक 09.04.2025, मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/आद्रा द्वारा निम्नवर्णित विवरण के अनुसार अनुरक्षण, ओवर हेड टैंक, जोनल कार्यों के लिए 05 (पाँच) अदद ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं., निविदा सूचना सं. एवं कार्यों का विवरण** निम्नानुसार हैंः **(1) सं. ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–27–25, दिनांक 09.04.2025,** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में 20 माह के लिए ओआरएच एवं एसआरएच/ट्रांजिट में 'आतिथ्य सेवा' (चौबस घंटे) की अनुरक्षण एवं रखरखाव सेवा के लिए शेष अंश। **निविदा लागतः** रु. 2,43,85,981.19, **(2) सं. ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–28–25, दिनांक 09.04.2025,** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के पुरुलिया में आरसीसी ओवर हेड टैंक द्वारा जीर्ण–शीर्ण एवं पुराने आरसीसी टैंक की बदली। **निविदा लागतः** रु. 2,63,34,248.72, **(3) सं. ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–29–25, दिनांक 09.04.2025,** पानी आपूर्ति के रखरखाव के लिए एसएसई (वर्क्स)/वाटर सप्लाई/बोकारो स्टील सिटी के कार्यक्षेत्र में 30.06.2026 तक निम्नलिखित के सिलसिले में जोनल कार्यों का निष्पादन (क) वर्तमान संरचनाओं में नए कार्यों का संयोजन, परिवर्तन, विशेष मरम्मत कार्य तथा निर्माण सामग्री की आपूर्ति, ऐसे प्रत्येक कार्य की लागत रुपये 5 लाख से अधिक नहीं है, के अधीन और (ख) सभी साधारण मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। **निविदा लागतः** रु. 1,19,99,999.76, **(4) सं. ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–30–25, दिनांक 09.04.2025,** पुराने आरसीसी टैंक नं. 1 एवं 2 को बदलने के लिए एसएसई/(वर्क्स)/वाटर सप्लाई/आद्रा में 100000 गैलन क्षमता के आरसीसी कंक्रीट ओवर हेड टैंक के लिए प्रस्ताव। **निविदा लागतः** रु. 4,73,60,858.21, **(5) सं. ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–31–25, दिनांक 09.04.2025,** आद्रा मंडलः गड़बेता और बांकुड़ा में आरसीसी ओवर हेड टैंक द्वारा पुराने एवं जीर्ण–शीर्ण आरसीसी टैंक का प्रतिस्थापन। **निविदा लागतः** रु. 5,12,49,240.33, **ई–निविदाओं की अंतिम तिथि और समय** 09.05.2025 को 15.00 बजे है। उक्त ई–निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **(PR-36)**

आसनसोल मंडल के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

आसनसोल मंडल के कालीपहाड़ी में डाउन दमोदर-कालीपहाड़ी लाइन पर ओवर रन लाइन शुरू करने के लिए, 22303 हावड़ा-गया वंदे भारत एक्सप्रेस के गुजरने के उपरांत **दिनांक 18.06.2025 (बुधवार) से 20.06.2025 (शुक्रवार) तक** 3 दिनों के लिए प्री नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य तथा **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) एवं 22.06.2025 (रविवार)** को 2 दिनों के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य संपादित किया जाएगा। फलस्वरूप, ट्रेनों के संचालन के लिए नीचे उल्लेखित व्यवस्थाएं की गई हैं:-● **निरस्त रहने वाली ट्रेनें : दिनांक 18.06.2025 (बुधवार) :** (1) 63518 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू एवं (2) 63515 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू। **दिनांक 19.06.2025 (गुरुवार) :** 63513 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू। **दिनांक 20.06.2025 (शुक्रवार) :** 63513 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू। **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) :** (1) 63513 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू, (2) 63511 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू, (3) 63516 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (4) 63517 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू, (5) 63518 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (6) 63524 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (7) 63527 दुर्गापुर-आसनसोल एमईएमयू, (8) 63528 आसनसोल-दुर्गापुर एमईएमयू, (9) 63523 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू, (10) 63532 सांइथिया-अंडाल एमईएमयू, (11) 12339 हावड़ा-धनबाद कोलफील्ड एक्सप्रेस, (12) 12340 धनबाद-हावड़ा कोलफील्ड एक्सप्रेस, (13) 12383 सियालदह-आसनसोल सुपरफॉस्ट इंटरसिटी एक्सप्रेस, (14) 12384 आसनसोल-सियालदह सुपरफॉस्ट इंटरसिटी एक्सप्रेस, (15) 13029 हावड़ा-मोकामा एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ करने की तारीख 20.06.2025), (16) 13030 मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस, (17) 13503 बर्द्धमान-हटिया एमईएमयू एक्सप्रेस, (18) 13504 हटिया-बर्द्धमान एमईएमयू एक्सप्रेस, (19) 22387 हावड़ा-धनबाद ब्लैक डॉयमण्ड एक्सप्रेस एवं (20) 22388 धनबाद-हावड़ा ब्लैक डॉयमण्ड एक्सप्रेस। **दिनांक 22.06.2025 (रविवार):** (1) 63513 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू, (2) 63506 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (3) 63508 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (4) 63514 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (5) 63511 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू, (6) 63516 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (7) 63517 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू, (8) 63518 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (9) 63524 आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू, (10) 63527 दुर्गापुर-आसनसोल एमईएमयू, (11) 63528 आसनसोल-दुर्गापुर एमईएमयू, (12) 63523 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू, (13) 63532 सांइथिया-अंडाल एमईएमयू, (14) 12339 हावड़ा-धनबाद कोलफील्ड एक्सप्रेस, (15) 12340 धनबाद-हावड़ा कोलफील्ड एक्सप्रेस, (16) 13029 हावड़ा-मोकामा एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ करने की तारीख 21.06.2025), (17) 13030 मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस, (18) 13503 बर्द्धमान-हटिया एमईएमयू एक्सप्रेस, (19) 13504 हटिया-बर्द्धमान एमईएमयू एक्सप्रेस, (20) 22387 हावड़ा-धनबाद ब्लैक डॉयमण्ड एक्सप्रेस एवं (21) 22388 धनबाद-हावड़ा ब्लैक डॉयमण्ड एक्सप्रेस। ● **संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू: दिनांक 21.06.2025 (शनिवार):** (1) 63519/63520 बर्द्धमान-बोकारो स्टील सिटी-बर्द्धमान एमईएमयू आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी/आसनसोल से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी एवं बर्द्धमान एवं आसनसोल के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। (2) 63549 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू अंडाल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी एवं अंडाल एवं आसनसोल के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। **दिनांक 22.06.2025 (रविवार):** (1) 63509/63510 बर्द्धमान-झाझा-बर्द्धमान एमईएमयू आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी/आसनसोल से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी तथा आसनसोल एवं बर्द्धमान के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। (2) 63519/63520 बर्द्धमान-बोकारो स्टील सिटी-बर्द्धमान एमईएमयू आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी/आसनसोल से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी तथा आसनसोल एवं बर्द्धमान के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। (3) 63549 बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू अंडाल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी तथा अंडाल एवं आसनसोल के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मंईया सम्मान योजना को ले महिलाओं का देखने को मिला रौद्र रुप

- हेमंत सरकार की बढ़ी टेंशन
- प्रशासन की उड़ गयी नींद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर के करनडीह ब्लाक में मंईयां सम्मान योजना की राशि न मिलने से आक्रोशित महिलाओं ने जमकर हंगामा किया। सैकड़ों आदिवासी महिलाएं ब्लाक कार्यालय के समक्ष एकत्र हुईं और अपने अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

गुस्से में उबली महिलाओं ने कुछ देर के लिए हाता-टाटा मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे आवागमन ठप हो गया। महिलाओं का कहना था कि महीनों से वे ब्लाक कार्यालय के चक्कर काट रही हैं, किंतु उनकी व्यथा सुनने वाला कोई नहीं। तपती धूप में भी उनका संकल्प अडिग रहा। अंततः परसुडीह थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और महिलाओं को शांत किया।

मंईयां सम्मान योजना, जो झारखंड सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने हेतु प्रारंभ की गई थी, अब इनके लिए एक कटु विडंबना बन गई है।

प्रदर्शनकारी महिलाओं में से एक, सीता सोरेन ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, ₹हमारे बच्चे भूखे हैं, घर का खर्च चलाना दूभर हो गया है।

यह राशि हमारा हक है, फिर भी हमें दर-दर भटकना पड़ रहा है।₹ दूसरी महिला, हीरामुनि मुर्मू बताया कि वे पिछले चार माह से आवेदन की स्थिति जानने ब्लाक आ रही हैं, किंतु हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिलता है। तेज धूप में सड़क पर बैठी इन महिलाओं की आंखों में आक्रोश और असहायता का मिश्रण साफ झलक रहा था। उनके हाथों में मांगपत्र और कागजात लिए हुए थे, जो उनकी लंबी प्रतीक्षा और संघर्ष की गवाही दे रहे थे।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने हाता-टाटा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राहगीरों और वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। एक राहगीर ने कहा, ₹हम समझते हैं कि इनकी समस्या वास्तविक है, पर सड़क जाम होने से हमारा भी समय नष्ट हो रहा है।

करीब आधे घंटे तक चले इस अवरोध के बाद परसुडीह थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं को सड़क से हटाया।

इसके बाद महिलाएं ब्लाक कार्यालय को घेर प्रदर्शन करने लगी।

मंईयां सम्मान योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये की सहायता राशि देने का वादा किया गया था। किंतु कई महिलाओं का आरोप है कि आवेदन स्वीकृत होने के बावजूद राशि उनके खातों में हस्तांतरित नहीं हुई। सीमा हेम्ब्रम ने कहा, ₹हमारे नाम लाभार्थी सूची में हैं, फिर भी पैसा नहीं आया। क्या यह योजना केवल कागजों तक सीमित है?

कार्यालय के अधिकारियों ने इस मामले पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ₹राशि वितरण में देरी तकनीकी कारणों से हो रही है, लेकिन हम इसे शीघ्र हल करने का प्रयास कर रहे हैं।₹ किंतु यह अस्पष्टता महिलाओं के धैर्य की परीक्षा ले रही है।

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी आमंत्रण सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चतुर्थ तल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा–711101 द्वारा 05 वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत ऑटोमेटेड टेलर मशीनों (एटीएम) के संस्थापन एवं परिचालन के लिए ठेका प्रदान करने हेतु ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। ई–नीलामी की अधिक जानकारी एवं भागीदारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in ई–ऑक्शन लीजिंग** मॉड्यूल के माध्यम से देखें। **कैटलॉग सं. एटीएम–एचडब्ल्यूएच–एपीआर–6, शुरू होने की तिथि और समय :** दिनांक 22.04.2025 को 12.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, विवरण और स्टेशनों के नाम** निम्नानुसार हैं : **(1) एटीएम–एचडब्ल्यूएच–बीईक्यू–जेन–18–25–1 (एटीएम–जनरल),** बेलुड़ रेलवे स्टेशन में एटीएम का संस्थापन , बेलुड़। **(2) एटीएम–एचडब्ल्यूएच–बीएचआर–जेन–108–25–2 (एटीएम–जनरल),** भद्रेश्वर रेलवे स्टेशन में एटीएम का संस्थापन, भद्रेश्वर। **(3) एटीएम–एचडब्ल्यूएच–जेआईटी–जेन–102–25–1 (एटीएम–जनरल),** जिराट रेलवे स्टेशन में एटीएम का संस्थापन एवं परिचालन, जिराट। **(4) एटीएम–एचडब्ल्यूएच–एचडब्ल्यूएच–जेन–73–25–2 (एटीएम–जनरल),** हावड़ा डीआरएम कार्यालय में कंट्रोल ऑफिस, हावड़ा के पास एटीएम का संस्थापन एवं परिचालन, हावड़ा। **(5) एटीएम–एचडब्ल्यूएच–एएमबीजी–जेन–97–25–1 (एटीएम–जनरल),** आरामबाग रेलवे स्टेशन में एटीएम का संस्थापन एवं परिचालन, आरामबाग। **(6) एटीएम–एचडब्ल्यूएच–पीडीए–जेन–99–25–1 (एटीएम–जनरल),** पाण्डुया रेलवे स्टेशन में एटीएम–।। का संस्थापन एवं परिचालन, पाण्डुया। HWH-24/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

बड़ा रूप ले सकती है छात्रों के वर्चस्व की जंग, पुलिस व एलआईयू को नहीं लगी भनक

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के दो गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर बुधवार को हुई भीषण मारपीट की चिंगारी दूसरे दिन भी सुलगती रही। एक गुट ने दूसरे गुट से मारपीट की। इससे लविवि परिसर का माहौल गर्म हो गया है। इससे पूरी आशंका है कि जिम्मेदार अगर समय रहते नहीं चेते तो छात्रों की यह लड़ाई बड़ा रूप ले सकती है। लविवि में छोटी बातों पर जानकारी करने वाली एलआईयू को छात्रों के बवाल की सूचना ही नहीं हुई। छात्रावास के छात्रों को पीटे जाने से नाराज छात्र बुधवार से ही कुलपति आवास घेरने की योजना बना रहे थे। एलआईयू को इनकी योजना और दूसरे पक्ष के गतिविधि की कोई जानकारी नहीं हो सकी।

वहीं, बृहस्पतिवार की रात आईटी चौराहे पर लखनऊ विवि के छात्रों के धरने से आईटी कॉलेज की ओर जाने वाली सड़क पर लंबा जाम लग गया। हनुमान सेतु तक वाहनों की कतारें नजर आईं। छात्रों को हटाने के लिए भीड़ नियंत्रण वाहन बुलाना पड़ा। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था सामान्य करने की कोशिश की।

प्रॉक्टोरियल बोर्ड के अनुसार, बुधवार दोपहर विवि के दो छात्र और तीन लड़कियां एक अन्य छात्र को लेने हबीबुल्लाह छात्रावास गए थे। वहां इनका छात्रावास के एक छात्र के साथ झगड़ा हुआ। इन्होंने इसकी शिकायत प्रॉक्टर ऑफिस में की। प्रॉक्टर ऑफिस कुछ करता उसके पहले ही डे स्कॉलर्स और कुछ बाहरी लोगों ने परिसर में मारपीट कर ली।

पुलिस के पहरे में बीती रात महमूदाबाद, सुभाष चंद्र बोस और हबीबुल्लाह छात्रावास में घटना के बाद सुरक्षा के दृष्टिगत पीएसी बल तैनात कर दिया गया। शाम को प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम ने छुट्टी के दिन भी हॉस्टल का दौरा कर कमरों का निरीक्षण किया। प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने बताया कि घटना के संदर्भ में जांच समिति गठित की गई है। वहीं, पुलिस-प्रशासन ने विश्वविद्यालय से फुटेज मांगी हैं।

प्रेमी युगल के एक ही पेड़ पर फंदे से लटके मिले शव

सफीपुर एजेंसी। प्रेमिका की शादी दूसरी जगह तय होने से नाराज प्रेमी युगल ने गुरुवार को गांव के बाहर एक ही पेड़ पर अलग-अलग फंदा लगाकर जान दे दी। एक साथ दो शव देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। जांच में प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। दोनों के परिजनों का कोई आरोप नहीं है। आसीवन थानाक्षेत्र के लोचनखेड़ा गांव निवासी पंकज राजपूत (19) पुत्र बउवन चंडीगढ़ में मजदूरी करता था। होली पर वह गांव आया था। पंकज का गांव में ही अपनी बिरादरी की 19 वर्षीय युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। एक ही गांव के होने से दोनों के परिजन शादी के लिए राजी नहीं थे। युवती की शादी तय कर दी गई थी। मंगलवार को उसे दूसरे गांव से लड़के वाले देखने आए थे। युवती ने शादी से मना किया था, लेकिन परिजन जबरन शादी कराना चाहते थे। इसको लेकर विवाद भी हुआ था। गुरुवार दोपहर गांव से आधा किलोमीटर दूर शिवबालक के आम के बाग में पेड़ पर दोनों ने फंदा लगाकर जान दे दी। युवती का दुपट्टे से और युवक का साड़ी के फंदे से शव लटका मिला। युवती के पिता ने बताया कि गुरुवार सुबह बेटी उनके साथ गेहूं की फसल काटने गई थी। बारिश होने से वह लोग घर लौट आए थे। इसके बाद बेटी कब घर से निकल गई पता ही नहीं चला।

जल निगम ने खोदने के बाद नहीं बनाईं 183 सड़कें, लोग परेशान

उन्नाव एजेंसी। अमृत योजना के तहत जल निगम ने शहर में 175 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइप लाइन बिछाई है। इसके लिए मुख्य मार्गों से लेकर गली मोहल्लों तक की 322 सड़कें खोदीं, लेकिन मरम्मत कराने में लापरवाही बरती जा रही है। राहगीर परेशान हैं। नगर पालिका ने कई सड़कों को बनवाया है लेकिन अभी भी 183 सड़कें खराब हैं। पालिका ने जलगनिगम को नोटिस भेजा है। योजना के फेज-एक में 35 और फेज-दो में 250 किलोमीटर भूमिगत पाइप लाइन डाली गईं। इसके लिए 175 किलोमीटर सड़कों की खोदाई हुई और पाइप लाइन डालने के बाद निर्माण एजेंसी ने मिट्टी डालकर गड्ढा बंद कर दिया।

मोतीझील से सेंट्रल तक जल्द शुरू होगा मेट्रो का संचालन

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) ने गुरुवार को मोतीझील से कानपुर सेंट्रल तक मेट्रो ट्रेन संचालन की मंजूरी दे दी। इससे आईआईटी से 16 किलोमीटर दूर कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक यात्रियों को भूमिगत मेट्रो की सुविधा मिलने का रास्ता साफ हो गया। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने राज्य सरकार को इसकी सूचना दे दी है। 10 दिन बाद किसी भी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरी झंडी दिखा सकते हैं।

यूपीएमआरसी कॉरिडोर-1 में आईआईटी से मोतीझील तक नौ किलोमीटर लंबे एलिवेटेड सेक्शन में सात मेट्रो ट्रेनें चला रहा है। मोतीझील से चुन्नीगंज, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा, नयागंज होते हुए कानपुर सेंट्रल तक मेट्रो संचालन की तैयारियां कर ली हैं।

बीती 20 और 21 मार्च को सीएमआरएस जनक कुमार गर्ग ने इस भूमिगत सेक्शन का निरीक्षण किया था। मोतीझील से कानपुर सेंट्रल के बीच ट्रेन का स्पीड टेस्ट भी किया गया था। उन्होंने मुख्य रूप से मेट्रो परिसरों और ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों और व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया था। इसके आधार पर गुरुवार को उन्होंने कानपुर मेट्रो को यात्री सेवा के विस्तार के लिए अपना अनुमोदन प्रदान किया।

25 मिनट में पहुंचेंगे आईआईटी से सेंट्रल स्टेशन

मेट्रो रेल प्रशासन के मुताबिक आईआईटी से कानपुर सेंट्रल की दूरी 25 मिनट में मेट्रो ट्रेन तय करेगी। इसका किराया 40 रुपये निर्धारित किया गया है। आईआईटी से कानपुर सेंट्रल तक आवागमन में करीब 15 मिनट में ट्रेन मिलेगी। आईआईटी से मोतीझील तक चल रहीं सात मेट्रो पूर्ववत मिलती रहेंगी। यूपीएमआरसी के डिप्टी जीएम (पीआर) पंचानन मिश्रा ने बताया कि उद्घाटन होते ही मोतीझील से कानपुर सेंट्रल तक दो ही ट्रेनें चलेंगी, इनमें से एक अप लाइन में और दूसरी डाउन लाइन में। वहीं, ट्रेन उसी ट्रैक से लौटेगी, क्योंकि कानपुर सेंट्रल से ट्रेन को आगे ले जाने या मोड़ने की सुविधा नहीं है।

दुर्घटना की संभावना लगभग न के बराबर

अगस्त–सितंबर तक वहां से ट्रांसपोर्टनगर भूमिगत मेट्रो स्टेशन तक कार्य पूरा होने पर यह सुविधा भी शुरू होगी। तब ट्रेनों की संख्या भी बढ़ेगी, क्योंकि ट्रांसपोर्टनगर में ट्रेनों का ट्रैक बदलने या नौबस्ता तक ले जाने की व्यवस्था की जा रही है। मोतीझील से कानपुर सेंट्रल के बीच मेट्रो पहले दिन से ही ऑटोमैटिक ट्रेन ऑपरेशन (एटीओ) मोड पर चलाई जाएगी। आमतौर पर आरंभ में मेट्रो ट्रेनों को ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) मोड पर चलाया जाता है। पर्याप्त तैयारियों और ट्रायल प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही ट्रेन एटीओ मोड में चलाई जाती है।

होटल में कसीनो पर छापा: अटैची में पैसे लेकर होटल पर बैठता था फाइनेंसर, दस हजार के लेता था 15 हजार

मेरठ , एजेंसी। पैसे कमाने के लालच में कोई यह नहीं देखता है कि काम सही है या गलत। मेरठ में महीनों से चल रहा कसीनो का खेल हर दिन बढ़ता जा रहा था। पहले यहां पांच से दस गाड़ी आती थी। बढ़ते हुए 20 और अब 30 से 40 गाड़ी रोज आती थी। रात-दिन जुआ खेलने का काम चल रहा था। यहां पर हर रोज एक करोड़ से ज्यादा का जुआ चल रहा था। फाइनेंसर पैसे लेकर बैठते थे और 10 हजार के 15 हजार और 15 हजार के 20 हजार रुपये लेते थे।

दौराला थाना क्षेत्र के दादरी गांव के पास हाईवे पर राजरानी होटल में चल रहा भाजपा नेता अंकित मोतला का कसीनो पकड़े जाने के बाद पूरी तरह से सुर्खियों में आ गया है। अंकित मोतला भले ही मौके से फरार हो गया हो, लेकिन वहां पर पुलिस ने 31 लोगों को पकड़कर जेल भेज दिया है। पिछले कुछ महीनों से यहां पर जुआ बढ़ता जा रहा था।

दो फाइनेंसर जुआ घर पर आते थे और उन्हें पैसे देते थे। एक फाइनेंस की कुछ माह पहले मौत होने के बाद अब वर्तमान में एक ही फाइनेंसर पैसे कम होने पर देता था। मटौर गांव निवासी एक फाइनेंसर की गाड़ी सीज हुई है और वह वहां पर बैठकर मोटी रकम वसूलता था। जब जुआ खेलते हुए हारते थे तो फाइनेंसर मौके पर ही बड़े स्तर पर पैसे देते थे। एक रजिस्टर में लेनदेन वर्णित होता था। पुलिस इस मामले में जांच कर रही थी। फाइनेंसर भी गांव से फरार है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है कि फरार दोनों आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगी हुई है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली देहरादून हाईवे पर दादरी गांव के पास भाजपा नेता अंकित मोतला के होटल में पकड़े गए कसीनो के मामले में पुलिस ने भाजपा नेता और उसके साथी तरुण की तलाश में कई जगह पर दबिश दी, लेकिन अभी तक भाजपा नेता पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। एसएसपी ने मामले की जांच क्राइम बांच को सौंप दी है।

होटल राजरानी पर पहुंचकर देखा तो वहां पर छह गाडियां अभी भी खड़ी हुई हैं। एक रजिस्टर बाहर रखा है, जिसमें कुछ हिसाब लिखा हुआ है। इसके अलावा अंदर के कमरों में समान ऐसे ही बिखरा पड़ा है। आगे की ओर से होटल बंद दिखाई दे रहा है, लेकिन पीछे पार्किंग में गाड़ी खड़ी हैं। अंदर समान, चप्पल, जूते, कपड़े, मोबाइल चार्जर, खाने के बर्तन अन्य समान ऐसे ही पड़ा है।

दो दिन पहले रात में एसएसपी के आदेश पर एसपी क्राइम अविनाश और सीओ दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने भाजपा नेता अंकित मोतला के होटल पर छापा मारा था। छापे के दौरान 17 लाख रुपये, 21 लग्जरी गाड़ियां, 35 मोबाइल, ताश की 26 गडडी, कैलकुलेटर बरामद किए थे।

इस मामले में एसएसपी ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी उत्तम सिंह राठौर, दादरी चौकी प्रभारी पवन कुमार प्रशिक्षु दरोगा, दो हेड कांस्टेबल, समेत पूरी चौकी लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस की नाक के नीचे हो रहे करोड़ों रुपये के जुए को दौराला पुलिस दबाए बैठी हुई थी। होटल पर दौराला पुलिस ने एक पुलिसकर्मी की डयूटी लगा रखी है।

शर्ट की बटन बंद करने को कहा तो वकील ने जज से की अभद्रता...छह महीने के लिए जेल भेजा गया

लखनऊ , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जजों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपी वकील अशोक पांडेय को आपराधिक अवमानना में दोषसिद्ध करते हुए छह माह के साधारण कारावास व दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी है। कोर्ट ने दोषी वकील को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लखनऊ के समक्ष आत्मसमर्पण के लिए चार सप्ताह का समय दिया है।

इसके साथ ही कोर्ट ने वकील को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए यह भी पूछा है कि क्यों न उसे तीन वर्ष के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट और लखनऊ पीठ में प्रैक्टिस करने से रोक दिया जाए। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी व न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता अशोक पांडेय के विरुद्ध आपराधिक अवमानना मामले में पारित किया है।

मामले का 18 अगस्त 2021 को कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने आदेश में कहा कि अधिवक्ता अशोक पांडेय जनहित याचिका की सुनवाई में बिना यूनिफॉर्म के पहुंचे थे। इस पर पूछे जाने पर अशोक पांडेय ने कहा कि चूंकि वर्तमान याचिका उन्होंने ही दाखिल की है, लिहाजा उन्हें यूनिफॉर्म पहनने की आवश्यकता नहीं है।

न्यायालय ने उनसे अपने शर्ट की बटन बंद करने को भी कहा। इस पर अशोक पांडेय उग्र हो गए व आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करने लगे। उन्हें कोर्ट रूम से निकालने की चेतावनी दी गई तो उन्होंने कहा कि यदि कोर्ट के पास ताकत है तो उन्हें बाहर करे। आदेश में कहा गया कि अशोक पांडेय ने सुनवाई कर रहे जजों को कहा कि वे गुंडों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में अशोक पांडेय द्वारा पूर्व में भी किए गए आपत्तिजनक व्यवहारों का भी वर्णन किया है।

पहले भी वकील के हाईकोर्ट में प्रवेश पर लग चुकी है रोक: फैसले में कहा गया है कि अशोक पांडेय को पूर्व में भी इसी हाईकोर्ट ने तीन माह कारावास व दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। दो साल के लिए हाईकोर्ट परिसर में घुसने पर रोक भी लगाई है। शीर्ष अदालत ने कारावास की सजा को अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया था, लेकिन कोर्ट परिसर में घुसने पर रोक को बरकरार रखा था।

बाल रोग विभाग में सर्दी-जुकाम के साथ डायरिया का बढ़ा प्रकोप

बहराइच , एजेंसी। मौसम में चल रही उठापटक का बच्चों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में डायरिया के मरीज अधिक पहुंच रहे हैं। 200 से अधिक मरीजों का ओपीडी में स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। जिनमें से गंभीर रोगियों को भर्ती कर लिया गया है। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में सुबह आठ बजे से ही मरीजों की भीड़ लगी रही। यहां पर ज्यादातर मरीज डायरिया से ग्रसित थे। चिकित्सकों ने बताया कि मौसम में बदलाव व बाहर की तली-भुनी चीजों के सेवन से बच्चे अधिक बीमार पड़ रहे हैं। प्रतिदिन 200 से 250 मरीजों की ओपीडी हो रही है। इनमें से सामान्य बुखार के मरीजों को दवा लिखकर छुट्टी दी जा रही है, वहीं गंभीर रोगियों को भर्ती किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को बाल रोग विभाग के जनरल वार्ड में 36 मरीज भर्ती रहे। पीआईसीयू में 12 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहम्मद परवेज ने बताया कि मौसम परिवर्तन बीमारियों का मुख्य कारण है। परिजन बच्चों का विशेष ध्यान रखें। वॉटर सप्लाई के पानी को उबाल कर ही दें और बाहर की खुली व तली-भुनी चीजों को खिलाने से बचें। बच्चों को बासी भोजन न दें। लगातार उल्टी-दस्त होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

117 करोड़ की साइबर ठगी: 2903 शिकायतें दर्ज... तब यह केस आया सामने, सीबीआई ने पूछताछ कर तीन आरोपियों को छोड़ा

कुंदरकी/ मुरादाबाद एजेंसी। 117 करोड़ की साइबर ठगी के मामले में जांच कर रही सीबीआई ने कुंदरकी के अब्दुल्लापुर से हिरासत में लिए गए तीनों लोगों को पूछताछ के बाद छोड़ दियो। अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह से जुड़े जिस युवक की तलाश में पुलिस ने दबिश दी थी, उसे और उसके पिता को सीबीआई ने दिल्ली तलब किया है।

टीम डेबिट कार्ड, बैंक पासबुक, वाईफाई, मोबाइल और लैपटॉप समेत अन्य सामान साथ ले गई। बुधवार को 100 लोगों की टीम के साथ सीबीआई ने गांव में छापा मारा था। नेशनल अपराध क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर 2023 में एक जनवरी से 17 अक्तूबर तक 2903 शिकायतें दर्ज हुई थीं। जिसमें 117 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की बात सामने आई थी। गृह मंत्रालय ने सीबीआई को इस मामले की जांच सौंपी थी। जांच में सामने आया है कि दुबई में बैठे साइबर ठगों ने साइबर ठगी की यह रकम यूपी, बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों के तीन हजार से ज्यादा खातों में भेजी गई थी। जांच में यह भी बात सामने आई कि मुरादाबाद और संभल में लोगों के खातों में भी ठगी की रकम भेजी गई थी।

साइबर ठगों के पास यह खाते कैसे पहुंचे, खाताधारक इस गिरोह में शामिल हैं या फिर उन्हें लालच देकर खातों का इस्तेमाल किया गया है, सीबीआई इसी सवाल की तलाश कर रही है।

बुधवार की सुबह बैंक अधिकारियों और भारी पुलिस बल के साथ सीबीआई टीम ने गांव अब्दुल्लापुर के पांच घरों में छापा मारा था। टीम ने दो युवकों और साइबर ठगी के संदिग्ध युवक के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की। फिर देर रात तीनों को छोड़ दिया। सीबीआई टीम जिस युवक की तलाश में आई थी, उसके पिता से बेटे को साथ लेकर दिल्ली आने को कहा। वहीं सीबीआई की कार्रवाई के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा रहा। लोगों के बीच छापे की चर्चा होती रही। अब्दुल्लापुर के जिस युवक की तलाश में सीबीआई जुटी है, वह गाजियाबाद में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था।

बाल स्वास्थ्य में लखनऊ सहित 20 जिले अति पिछड़ें, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की रिपोर्ट में खुली पोल

लखनऊ, एजेंसी। बच्चों की सेहत सुधारने में लखनऊ सहित 20 जिलों की स्थिति बेहद खराब है। ये जिले बच्चों के स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े मानकों पर खरा नहीं उतर रहे हैं। यह खुलासा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की रिपोर्ट में हुआ है। अब इन जिलों में नए सिरे से निगरानी बढ़ाई जा रही है। कोशिश है कि अगले तीन से छह माह में मानकों को सुधार कर संबंधित जिलों को असेवित श्रेणी से बाहर निकाला जाए।

एनएचएम की ओर से प्रदेश में बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, मातृ कल्याण, राष्ट्रीय कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मिशन के कामकाज को लेकर किए गए सर्वे में हालात चौकाने वाले मिले हैं। अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 तक के आंकड़ों के आधार पर बाल स्वास्थ्य की रिपोर्ट तैयार की गई।

यह रिपोर्ट नवजात मृत्युदर, पांच साल की उम्र तक मृत्यु दर, बच्चों के वजन, नवजात की देखभाल, न्यू बॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट की स्थिति आदि के मानकों पर तैयार की गई। रिपोर्ट में बाल स्वास्थ्य मामले में 20 जिले अति पिछड़े पाए गए हैं। इसमें लखनऊ, प्रतापगढ़, गाजियाबाद, अलीगढ़, आजमगढ़, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, सहारनपुर, बरेली, मथुरा, शामली, गौतमबुद्धनगर, कन्नौज, बुलंदशहर, उन्नाव, गोरखपुर, कानपुर नगर शामिल हैं। अब इन जिलों में विशेष तौर पर निगरानी की जाएगी ताकि अगले छह माह में यहां के मानकों को भी सुधारा जा सके।

रायबरेली, सुल्तानपुर समेत 15 जिले सबसे अच्छे: जिलेवार प्रगति रिपोर्ट के आधार पर पूरे प्रदेश के चार हिस्से में बांटा गया है। जहां 20 जिलों की स्थिति सबसे खराब पाई गई है, वहीं 20 जिलों में सुधार हुआ है और 20 जिले सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 15 जिलों की स्थिति सबसे बेहतर है। इसमें रायबरेली, सुल्तानपुर, हाथरस, मऊ, बांदा, कुशीनगर, महोबा, इटावा, हमीरपुर, मिर्जापुर, झांसी, जौनपुर, ललितपुर, बागपत और हरदोई शामिल है।

बाल स्वास्थ्य एनएचएम डॉ. सूर्यांश ओझा का कहना है कि जिन जिलों में मानकों में कुछ कमियां हैं, उन्हें सुधारा जा रहा है। हर दिन की रिपोर्ट का आकलन किया जा रहा है। स्थलीय निरीक्षण और जिले की टीम को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। लखनऊ में पूरे प्रदेश के अति गंभीर बच्चे रेफर होकर आते हैं। गौतमबुद्धनगर, कानपुर और बरेली आदि जिलों में भी आसपास के मरीज आते हैं। इस वजह से वहां के ग्राफ खराब दिख रहे हैं, जिसे सुधारने की रणनीति बनाई जा रही है।

ग्राफ में गिरावट चिंताजनक: एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के उपाध्यक्ष डॉ. आशुतोष वर्मा का कहना है कि एनएचएम की ओर से बच्चों की सेहत सुधारने के लिए करोड़ों रुपये मिल रहे हैं। यह रिपोर्ट स्वास्थ्य सुधार की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की हकीकत बयां कर रही है।

लखनऊ में सामान्य अस्पताल नहीं, बल्कि चिकित्सा स्वास्थ्य और भरपूर बाल रोग विशेषज्ञ हैं। फिर भी बाल स्वास्थ्य के ग्राफ में गिरावट है तो यह चिंताजनक है। ये रिपोर्ट साबित कर रही है कि सरकारी अस्पतालों और संस्थानों में बच्चों की सेहत सुधार के लिए उठाए जा रहे कदम सिर्फ कागजों पर हैं।

नगर निगम को चेता गई बेमौसम बारिश, कई मोहल्लों की सड़कों पर भरा पानी, पेड़ भी गिरे

कानपुर, एजेंसी। कानपुर शहर में गुरुवार सुबह हुई बेमौसम आंधी और बारिश से जगह-जगह जलभराव हो गया। गरज-चमक के साथ बारिश के दौरान निरालानगर, गोविंदनगर सहित कई मोहल्लों की सड़कों पर पानी भरने, तीन पेड़ गिरने से घंटों तक आवागमन प्रभावित रहा। नगर निगम अभी नाला सफाई का कार्य करा रहा है। गुरुवार भोर पहर से ही काले बादल छा गए। साढ़े छह बजे से छिटपुट बूंदाबांदी शुरू हुई। आधे घंटे में ही बारिश तेज हो गई। चंद घंटों की बारिश से ही जूही खलवा पुल, नंदलाल चौराहे से नहरिया रोड, चावला चौराहे से नटराज टॉकीज मार्ग, दीप तिराहा से किदवईनगर थाना होते हुए गोशाला रोड पर जलभराव हो गया।

साथ ही, किदवईनगर वाई-वन ब्लाक, एच-ब्लाक, अफीमकोठी, कोकाकोला चौराहे के पास, बर्रा, विश्वबैंक कालोनी, दामोदरनगर, सनिगवां आदि मोहल्लों में सड़कों पर पानी भर गया। दीप टाकीज से गोशाला रोड पर तो एक से दो फीट तक जलभराव हुआ। पानी में फंसकर दो बाइकें भी बंद हो गईं। रोड से दोपहर में पानी निकल पाया। दरअसल, नगर निगम सीसामऊ, सीओडी, रफाका आदि प्रमुख नालों की सफाई समय-समय पर कराता रहता है। इसी तरह नालियां, गली पिट भी साफ होते रहते हैं। करीब 7.50 करोड़ से 278 नालों की सफाई शुरू कराने की भी तैयारियां की जा रही हैं। चोक पड़े नालों के कारण जलभराव और बढ़ने से लोगों को काफी दिक्कतें हुईं। बारिश के दौरान ही कलक्टरगंज में माल गोदाम के पास, गांधी ग्राम के पास स्थित त्रिमूर्ति मंदिर के पास और राणाप्रतापनगर (काकादेव) में सड़क पर पेड़ गिरे। इससे इन सड़कों पर आवागमन ठप हो गया। नगर निगम के उद्यान अधीक्षक कृपाशंकर पांडेय ने बताया कि तीनों स्थानों पर गैंग भेजकर टूटे पेड़ों को कटवाकर हटवाया गया।

भारतीय खाद्य निगम ने सुनिश्चित किया दो घंटे में किसानों को भुगतान : डा. अजीत

कोलकाता और नार्थ ईस्ट कार्यकारी निदेशकों ने किया क्रय केन्द्रों का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/ कोलकाता/ पटना। भारतीय खाद्य निगम द्वारा गेहूं अधिप्राप्ति में पारदर्शिता और तीव्रता को बढ़ावा देते हुए बिहार के विभिन्न जिलों में गेहूं खरीद के बाद मात्र दो घंटे में किसानों को भुगतान सुनिश्चित किया गया। इससे किसानों में उत्साह का माहौल है और वे सरकारी क्रय केंद्रों की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। भारतीय खाद्य निगम मुख्यालय, नई दिल्ली के कार्यकारी निदेशक (सुरक्षा, भंडारण एवं अनुबंध) अजीत

कुमार सिन्हा ने भोजपुर जिले के पीरो/ जगदीशपुर स्थित गेहूं क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया और वहीं गेहूं खरीद की प्रक्रिया संपन्न कराई। उन्होंने सुनिश्चित किया कि किसानों को दो घंटे के भीतर भुगतान मिल जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत कर न्यूनतम समर्थन मूल्य और सरकारी केंद्रों से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। साथ ही किसानों को सरकारी क्रय केंद्रों पर ही अनाज बेचने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने पिरो, जगदीशपुर और हरिगांव स्थित पैक्स केंद्रों का भी दौरा किया। इस दौरान एफसीआई के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। भारतीय खाद्य निगम, आंचलिक कार्यालय, कोलकाता के कार्यकारी निदेशक (पूर्वी अंचल) मनोज कुमार गोगोई ने गया जिले के गुरारू स्थित गेहूं क्रय केंद्र पर गेहूं खरीद की प्रक्रिया करवाई और दो घंटे में भुगतान सुनिश्चित करवाया। उन्होंने किसानों से संवाद कर उनका फीडबैक लिया और उन्हें गमछा देकर सम्मानित किया। इसके अलावा उन्होंने एक समीक्षा बैठक भी की, जिसमें बिहार क्षेत्र के महाप्रबंधक अमित भूषण एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उधर, नॉर्थ ईस्ट जोन के कार्यकारी निदेशक दिव्य प्रकाश शुक्ला ने पश्चिम चंपारण जिले के मैनाटांड़ स्थित गेहूं क्रय केंद्र का निरीक्षण किया और किसानों से फीडबैक लिया। उन्होंने गेहूं खरीद प्रक्रिया संपन्न कराई और दो घंटे में किसानों को भुगतान सुनिश्चित करवाया। उन्होंने अथरी पैक्स भवन में किसानों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। बिहार राज्य में भारतीय खाद्य निगम द्वारा कुल 151 केंद्रों पर गेहूं अधिप्राप्ति की जा रही है। खरीद से लेकर भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पूर्ण पारदर्शिता के साथ की जा रही है। 11 अप्रैल 2025 तक राज्य में कुल 3789 मीट्रिक टन गेहूं की अधिप्राप्ति की जा चुकी है। सरकारी तंत्र द्वारा किसानों को त्वरित भुगतान और न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी दिए जाने से वे बेहद उत्साहित हैं और बड़ी संख्या में सरकारी केंद्रों का रुख कर रहे हैं।

एक नजर

13 अप्रैल से आकाशवाणी के हिंदी और उर्दू बुलेटिन के प्रसारण समय में बदलाव

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आकाशवाणी, पटना के श्रोताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना है। प्रादेशिक समाचार एकांश द्वारा प्रस्तुत दोपहर के हिंदी और उर्दू समाचार बुलेटिन के प्रसारण समय में परिवर्तन किया गया है। यह नया समय 13 अप्रैल, रविवार से लागू होगा। आकाशवाणी, पटना द्वारा जारी सूचना के अनुसार, हिंदी का प्रादेशिक समाचार बुलेटिन अब प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे प्रसारित किया जाएगा। वहीं, उर्दू भाषा में प्रसारित होने वाला प्रादेशिक समाचार बुलेटिन 2:05 बजे से श्रोताओं को उपलब्ध होगा। प्रादेशिक समाचार एकांश के प्रमुख अजय कुमार ने बताया कि यह बदलाव श्रोताओं की सुविधा और कार्यक्रम के समय-संयोजन को ध्यान में रखते हुए किया गया है। समाचार बुलेटिनों का उद्देश्य राज्य से संबंधित ताज़ा समाचारों को शीघ्र और सटीक रूप में श्रोताओं तक पहुँचाना है। श्रोता अपने रेडियो सेट या डिजिटल माध्यमों के जरिए निर्धारित नये समय पर समाचार बुलेटिन का लाभ उठा सकते हैं। सुबह और शाम के समाचार बुलेटिन पूर्ववत समय पर प्रसारित होते रहेंगे।

अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर निकाला विरोध मार्च

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। लहसूना थाना के उसमानचक गांव के रजनीश हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग और फांसी देने की मांग को लेकर बहुजन समाज पार्टी के बैनर तले सैकडों की संख्या में शहर में जुलूस निकाल कर विरोध मार्च किया। कर्पूरी चौक से अनुमंडल चौराहा तक यह विरोध मार्च निकाला गया, जहां सैकड़ो की संख्या में हाथों में झंडा लिए लोग विरोध प्रदर्शन करते दिखे। दरअसल आंदोलनकारीयों ने बताया कि बीते 31 मार्च को लहसुना में एक युवक रजनीश कुमार पिता अजीत कुमार को करंट लगाकर उसकी हत्या कर बेरहमी से मार कर फेंक दिया था। आज तक उसके हत्यारे को पता पुलिस नहीं लगा पाई है पुलिस अपराधियों से मिल चुकी है। जल्द ही उन अपराधियों को चिन्हित करके गिरफ्तार कर उन्हें फांसी की सजा दिलाई जाए, मृतक के परिजनों को 20 लाख रुपया और एक सरकारी नौकरी दिया जाए। मौके पर राज कुमार राम, अलख निरंजन पाल (प्रदेश सचिव), गंगा विष्णु दास राजु दास चितरंजन कुमार,सत्येन्द्र कुमार धर्मवीर कुमार कृष्णा दास, सिद्धिव्रत चौधरी आदी शामिल रहे।

मसौढ़ी धनरूआ में कुल 18 बिजली पोल गिरे

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गुरुवार की शाम तेज आये आंधी पानी में तबाही का मंजर देखने को मिला है।और इस तबाही में सबसे ज्यादा नुकसान बिजली बिभाग को हुई है।दरअसल तेज आंधी मे सडको के किनारे तकरीबन 15 से अधिक जगहो पर पेड उखड कर कहीं बिजली के तार पर गिरे तो कही ट्रांसफार्मर पर गिरे एवं कई जगहों पर सडको पर ही बिजली पोल मिट्टी गिला होते ही गिर गये।ऐसे मे मसौढ़ी एवं धनरूआ मे प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जगहों पर बिजली पोल गिर गये जिसके कारण मसौढी के धनौती, भखरा,देवरिया फिडर से जुडे सभी गांव इसके अलावा धनरूआ मे भी दर्जनों गांव प्रभावित है और पिछले 14 घंटों से बिजली बाधित है जिससे आम जनमानस बेहाल.हो चुकी है।

वीआईपी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और निषाद समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने थामा कांग्रेस का दामन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। निषाद समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वीआईपी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश मुखिया बिंद ने आज अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। यह कार्यक्रम 'पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा' के मंच पर आयोजित किया गया, जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार, और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उन्हें पार्टी में शामिल किया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने इस अवसर पर कहा कि ''बिहार का पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित समाज अब मुख्यधारा से जुड़ना चाहता है, और कांग्रेस पार्टी इसके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सुरेश मुखिया बिंद जैसे जमीनी नेता के पार्टी में आने से संगठन को निश्चित ही मजबूती मिलेगी।''

इसके साथ ही समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर प्रखंड से निर्वाचित जिला परिषद सदस्य रवि रौशन भी कांग्रेस में शामिल हुए। कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चीव, समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सुरेश मुखिया बिंद अति पिछड़ा वर्ग में एक चर्चित नाम हैं और लंबे समय तक वीआईपी पार्टी में नेतृत्वकारी भूमिका में रहे हैं। अब कांग्रेस में शामिल होकर उन्होंने सामाजिक न्याय और राजनीतिक परिवर्तन के लिए काम करने की बात कही है।

भाजपा नेता प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने राज्यपाल से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

अति पिछड़ा वर्ग को एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम में शामिल करने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने शुक्रवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से राजभवन में मुलाकात कर अति पिछड़ा वर्ग (एबीसी) के लिए सामाजिक न्याय की दिशा में कई मांगें रखीं। उन्होंने अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम में संशोधन कर अति पिछड़ा वर्ग को भी शामिल करने की मांग की, जिससे उन्हें भी सामाजिक उत्पीड़न से राहत मिल सके। चंद्रवंशी ने कहा कि बिहार का अति पिछड़ा समाज आज भी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से पिछड़ा हुआ है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकारों ने इस

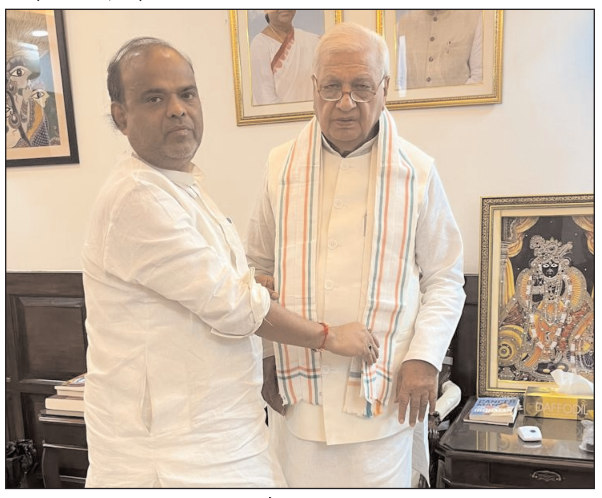

दिशा में कई कदम उठाए हैं, जिससे स्थिति में आंशिक सुधार आया है। उन्होंने जातिगत जनगणना के आधार पर आरक्षण का दायरा बढ़ाने, पंचायती राज और नगर निकायों में आरक्षण के जरिए सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में हो रहे प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में चंद्रवंशी ने पाँच प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें रोहिणी आयोग की सिफारिशों को लागू करना, बिहार के अति पिछड़ा वर्ग आयोग को वैधानिक दर्ज़ा देना, अति पिछड़ा वर्ग के युवाओं को स्वरोजगार और उद्योग से जोड़ने के लिए अति पिछड़ा वित्त विकास निगम का गठन, तथा भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के सम्मान में एक सामाजिक-आर्थिक शोध संस्थान की स्थापना शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुलाकात के दौरान सकारात्मक रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री को जस्टिस रोहिणी आयोग की रिपोर्ट लागू करने के संदर्भ में पत्र लिखने का आश्वासन दिया। साथ ही शेष चार मांगों पर राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश देने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के बिहार सह संयोजक पवन ठाकुर भी मौजूद थे।

कस्तूरबा गांधी जयंती पर एसडीएम ने छात्राओं के साथ काटे केक, सामाजिक उत्थान का संकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मसौढी। मसौढी स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय -4, में शुक्रवार को धूमधाम से कस्तूरबा जयंती मनाया गया। जहाँ छात्राओं के बीच एसडीएम अमित कुमार पटेल केक काटे। मौके श्रीमती गिरिजा कुंवर हाई स्कूल के कई शिक्षक सब इंस्पेक्टर जय कुमारी, दीपक शर्मा, संचालिका पम्मी कुमारी, पप्पू सिंह शामिल रहे।सबों ने कस्तुरबा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया। छात्राओं ने रंगोली, चित्रांकन आदि कार्यक्रम कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर

दिया। इस अवसर पर छात्राओं ने संकल्प लेते हुए कहा हम लोग समाज में व्याप्त बाल विवाह, दहेज प्रथा व नशा का विरोध करूंगी। साथ ही साथ इन सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु अपने परिवार व समाज में जागृति लाने का प्रयास करूंगी। साथ ही यह भी संकल्प लेती हूं कि कस्तूरबा विद्यालय से शिक्षा ग्रहण के उपरांत आगे की शिक्षा जारी रखेंगे। एसडीएम ने विद्यालय के छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कस्तूरबा गांधी के जीवनी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होने कहा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पत्नी कस्तूरबा गांधी का जीवन गांधीजी के संघर्षों और विचारों में गहराई से जुड़ा हुआ था क्योंकि वह सिर्फ उनकी पत्नी नहीं बल्कि उनकी सच्ची साथी, सहारा और प्रेरणा थीं।

ठनका से 80 की मौत, परिजनों को मिलेगा चार-चार लाख का मुआवजा

फसलों को नुकसान पहुंचने पर किसानों को भी मिलेगी सहायता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल ने शुक्रवार को जानकारी दी कि पिछले 48 घंटे में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से बिहार में 80 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। इसके साथ ही जिन किसानों की फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं, उन्हें भी सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी। मंत्री ने बताया कि खराब मौसम के कारण कई जिलों में पेड़ और दीवारें गिर गईं, झोपड़ियां उखड़ गईं और जनहानि के साथ-साथ संपत्ति का भी नुकसान हुआ है। नालंदा जिले में सबसे ज्यादा 23 लोगों की मौत हुई है, जबकि भोजपुर में 5, गया में 3, और गोपालगंज, पटना, जहानाबाद, अरवल और मुजफ्फरपुर में 1-1 व्यक्ति की जान गई है। इस बीच, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 12 अप्रैल तक बिहार के कई हिस्सों में तेज बारिश, बिजली गिरने और गरज के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है। कुछ जिलों में ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने बताया कि यह खराब मौसम पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो रहा है, जिससे पूरे राज्य में गंभीर मौसम पैटर्न बन गया है। विभाग ने आगामी पांच दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है और संवेदनशील जिलों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। सरकार ने जिला प्रशासन को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने और मौसम के मद्देनजर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

कांग्रेस बताए अपने शासित राज्यों में कितनी नौकरियां दीं : राजीव रंजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने शुक्रवार को कांग्रेस की 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कांग्रेस को पहले अपने शासित राज्यों–हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक–में दी गई नौकरियों और रोजगार के वास्तविक आंकड़े सार्वजनिक करने चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में 10 लाख से अधिक नौकरियां और 28 लाख रोजगार दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा विधानसभा कार्यकाल के अंत तक सरकार का लक्ष्य 12 लाख

नौकरियां और 38 लाख रोजगार सृजित करने का है। कहा कि 2005 के पहले लालू-राबड़ी शासनकाल में बिहार बदहाली के दौर से गुजर रहा था। न नौकरियां थीं और न ही कोई अवसर। अवसरों की तलाश और जान बचाने के लिए लोग बड़े पैमाने पर पलायन कर रहे थे लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार इस अंधकार से उबर चुका है। कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में एक दिन में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के टीआरई-3 परीक्षा में चयनित 51,389 विद्यालय शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके अलावा, जातीय सर्वे के आधार पर आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के प्रत्येक एक सदस्य को छोटे उद्यमों के लिए दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। राजीव रंजन ने कांग्रेस को नसीहत दी कि केवल पदयात्राएं और बयानबाजी करने से युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा, बल्कि इसके लिए जमीनी स्तर पर प्रयास और ठोस योजनाओं की जरूरत होती है।

बिहार का मुख्यमंत्री चुनाव परिणाम के बाद तय होगा : सचिन पायलट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद ही मुख्यमंत्री पद को लेकर निर्णय लिया जाएगा। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पायलट ने स्पष्ट किया कि 'पहले चुनाव लड़ा जाएगा, बहुमत मिलने के बाद मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला होगा।' वह कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की 'पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा' के अंतिम दिन पटना में आयोजित मुख्यमंत्री आवास मार्च में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

और केंद्र की भाजपा सरकार पर बेरोजगारी व पलायन को लेकर गंभीर आरोप लगाए। सचिन पायलट ने कहा कि 'बिहार के नौजवानों में जबरदस्त प्रतिभा है, लेकिन उन्हें मजबूरी में अपना राज्य छोड़ना पड़ता है।' उन्होंने कहा कि आज भी बीए, एमए पास युवा दो वक्त की रोटी के लिए दिल्ली, पंजाब, मुंबई, गुजरात जैसे राज्यों में मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 'बिहार में वर्षों से शासन कर रहे नेताओं ने युवाओं की अनदेखी की। पेपर लीक, भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी जैसी घटनाओं ने युवाओं का सरकारी व्यवस्था से भरोसा छीन लिया है।' पायलट ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार दिया जाएगा और राज्य में निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। सचिन पायलट ने नीतीश कुमार द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को समर्थन देने पर निशाना साधते हुए कहा, 'कम से कम 10-20 लाख नौकरियों की बात ही कर लेते।' उन्होंने एनएसयूआई द्वारा चलाई गई इस यात्रा को युवाओं को जागरूक करने का एक अहम कदम बताया। वहीं, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 'बिहार की 13 करोड़ की आबादी में 8 करोड़ युवा 25 वर्ष से कम उम्र के हैं। लेकिन 20 वर्षों के शासन के बाद भी नीतीश कुमार रोजगार नहीं दे सके, इसलिए आज बिहार का युवा पलायन कर रहा है।' इस बीच सचिन पायलट के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि महागठबंधन में तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा, '2020 में भी चेहरा तेजस्वी यादव थे और 2025 में भी वही रहेंगे। किसी को इस बात को लेकर भ्रम नहीं होना चाहिए।' तिवारी ने यह भी जोड़ा कि राजद महागठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है और तेजस्वी यादव ही ड्राइविंग सीट पर हैं। कांग्रेस में कोई क्या बोल रहा है, इसका फर्क नहीं पड़ता। हमारा नेतृत्व तय है।

आंधी पानी में एक हजार मुर्गियां मरी

मसौढी। तेज आए आंधी पानी में मसौढी धनरूआ के इलाकों में भारी तबाही मचाई है ऐसे में कई जान माल का नुकसान हुआ है। ऐसे में धनरूआ प्रखंड के विजयपुरा पंचायत में दोस्त मोहम्मदपुर गांव में एक पोल्ट्री फार्म में तकरीबन 1000 मुर्गियां इस आफत की आंधी पानी में मर गई है। पीड़ित संजीव कुमार पिता धर्मदेव कुमार ने बताया कि हमारे पोल्ट्री फार्म के बगल में नल जल का एक पानी टंकी लगाई गई थी और वह तेज आए हुए आंधी पानी में पानी टंकी हमारी पोल्ट्री फार्म पर ही आकर गिर गई। जिसे पोल्ट्री फार्म में तकरीबन 1000 मुर्गियां उससे दब कर मर गई और बचा हुआ कुछ आंधी पानी में ऊपर के करकट उजड़ने से जिसमें उसे मौत हो गई।

जनता के दिल से उतर चुकी कांग्रेस को बिहार में नहीं मिलने वाला है मौका : मंगल पांडेय

कन्हैया को बिहार भेजकर कांग्रेस ने तेजस्वी को बताया औकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने कहा है कि बिहार में 15 वर्षों तक जंगल राज की सहभागी रही कांग्रेस को आंदोलन से पहले प्रायश्चित कर बिहारवासियों से माफी मांगनी चाहिए। पटना की सड़कों पर आंदोलन करने वाली वही कांग्रेस है जो बिहार को बर्बाद और मजाक का पात्र बनाने वाले लालू प्रसाद की सत्ता की हिस्सेदार रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को वर्तमान एनडीए सरकार पर आरोप लगाने व बिहार के युवाओं को बरगलाने से पहले उन दिनों को याद कर लेना चाहिए जब बिहार में फिरौती के लिए अपहरण को उद्योग का दर्ज़ा मिल गया था। हजारों डॉक्टर और इंजीनियरों के साथ कारोबारियों को बिहार से पलायन करने के लिए विवश होना पड़ा था। अपराधियों के भय से शाम होने के पहले ही लोग घरों में दुबक जाते थे।

श्री पाण्डेय ने कहा कि रोजगार और पलायन को मुद्दा बना कर घड़ियाली आंसू बहाने वाली कांग्रेस को पहले बिहार को बर्बाद करने वाले राजद से सवाल पूछना चाहिए। उन्होंने कहा कि दरअसल अस्तित्व संकट के दौर से गुजर रही मुद्दाविहीन कांग्रेस बिहार में कन्हैया कुमार को भेज कर राजद और उसके युवराज को औकात दिखाना चाहती है।

श्री पांडेय कहा कि जनता की चित्त से उतर चुकी कांग्रेस चाहे जितना ढोंग कर लें उस को बिहार के लोग दुबारा मौका देने वाले नहीं है। बिहार के लोग एनडीए की डबल इंजन की सरकार में चतुर्दिक विकास का स्वाद चख चुके हैं, अब वे कांग्रेस के झांसे में आने वाले नहीं है।

मानसिक स्वास्थ्य ठीक रखने में एक्युप्रेशर कारगर : डॉ. सर्वदेव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को बिस्कोमान कॉलोनी गोलंबर स्थित बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज परिसर में एक्युप्रेशर गुरु दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य विषयक संगोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एक्युप्रेशर महागुरु डॉ. सर्वदेव प्रसाद गुप्त ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसी स्थिति है जो व्यक्ति को जीवन में तनाव से निपटने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, सीखने, काम करने तथा समाज में सकारात्मक योगदान देने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि मानसिक तनाव, अवसाद एवं चिंता

मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। इसके पीछे गरीबी, पेशा, शिक्षा, बचपन की प्रतिकूलता, सामाजिक भय, जैविक कारण आदि प्रमुख कारक हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लक्षण पुरुषों की तुलना में चार गुना अधिक पाए जाते हैं। डॉ. गुप्त ने बताया कि अमेरिका जैसे विकसित देशों में मानसिक रोग अत्यधिक देखे जा रहे हैं, और भारत भी उसी दिशा में बढ़ रहा है। इससे बचाव के लिए अच्छी नींद, संतुलित आहार, प्राणायाम और नियमित व्यायाम के साथ-साथ एक्युप्रेशर चिकित्सा अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे कॉलेज के सचिव डॉ. अजय प्रकाश ने बताया कि सिजोफ्रेनिया, अवसाद, नशे की लत, बुढ़ापे से जुड़ी मानसिक समस्याएं, मिर्गी, अनिद्रा और हिस्टीरिया जैसी स्थितियों में एक्युप्रेशर से लाभ होता है। पूर्व सिविल सर्जन एवं एनाटॉमी विभाग के एचओडी डॉ. एलपी सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी को कोषाध्यक्ष वीणा प्रकाश, उपेंद्र नायक समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जितेंद्र कुमार सर्व प्रकाश, डॉ. रंजना, डॉ. नेयाज, डॉ. विकाश कुमार, डॉ. सुनील कुमार सुमन, डॉ. हरेंद्र कुमार सिंह, विजय कुमार, डॉ. उपेंद्र नायक, डॉ. प्रीति पोद्दार, डॉ. मानसी, डॉ. काजल, डॉ. सुशांत, डॉ. अंजली, डॉ. राघवेंद्र नारायण गर्ग, अभव्या प्रकाश, श्रुति कुमारी, आदित्य प्रकाश, शशि भूषण, सोनी देवी आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

संपादकीय

समाधान की दिशा में अहम कदम

तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला राज्य और राज्यपालों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवादों के समाधान की दिशा में अहम कदम है। शीर्ष अदालत ने एक बार फिर से राज्यपालों की भूमिका स्पष्ट की है। यह फैसला आने वाले वक्त में एक नजीर बनेगा और उम्मीद है कि टकराव के रास्ते से हटकर राज्य सरकारें और राज्यपाल मिलकर काम करेंगे। तमिलनाडु सरकार को इसलिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा था, क्योंकि राज्यपाल ने कई विधेयक लंबे समय से रोक रखे थे और उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजा था। कोर्ट ने इसे अवैध और विधिक रूप से त्रुटिपूर्ण बताया। इसी तरह का विवाद पिछले साल केरल में भी हुआ था। तब राज्य की डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी कि तत्कालीन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कई बिल दो साल तक लटकाए रखे और फिर उसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया। देश की शीर्ष अदालत पहले भी कह चुकी है कि राज्यपाल विधानसभा में पारित किसी विधेयक को हमेशा के लिए अपने पास रोक कर नहीं रख सकते। उन्हें उस पर फैसला लेना ही होगा। अफसोस कि पिछली किसी नसीहत का कोई असर नहीं दिखा। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट को ताजा मामले में वही बातें फिर से दोहरानी पड़ी हैं। फैसले का यह बिंदु बेहद अहम है कि राज्यपालों को किसी बिल पर एक से तीन महीने में फैसला ले लेना चाहिए। देश में राज्य और राज्यपालों के बीच विवाद का इतिहास बहुत पुराना है। मामला केवल विधेयकों को मंजूरी देने तक नहीं है। नियुक्तियां, निर्णय, अधिकार और शक्तियां - कई मुद्दों पर दोनों में टकराव होता रहा है। हाल में इसका सबसे बड़ा उदाहरण पश्चिम बंगाल और दिल्ली रहे। बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की पहले जगदीप धनखड़ और अब सीवी आनंद बोस के साथ कभी पटरी नहीं बैठी। वहीं, दिल्ली में आप सरकार के कार्यकाल में एलजी के साथ कई बार मतभेद हुए। साल 1959 में गवर्नर की रिपोर्ट पर केंद्र ने केरल की नंबूदरीपाद सरकार को बर्खास्त कर दिया था। वह पहला मामला था, और जब से राज्यपालों की नियुक्तियां राजनीतिक होने लगीं, टकराव बढ़ने लगा। नवंबर 2023 में पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच हुए विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था, 'हमारा देश स्थापित परंपराओं पर चल रहा है और उनका पालन किया जाना चाहिए।' राज्य का संवैधानिक प्रमुख होने के नाते परंपराओं की सुरक्षा राज्यपाल की ज्यादा जिम्मेदारी है। संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच विधायी, कार्यकारी और वित्तीय शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है। राज्यपाल को इनका अनुपालन करना चाहिए।

आरबीआई ने मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार किया

(प्रह्लाद सबनानी)

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित समस्याओं के बीच भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2028 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी रहेगी। दिनांक 9 अप्रेल 2025 को भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की द्विमासिक बैठक में एकमत से निर्णय लेते हुए रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है एवं इस मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर (स्टेबल) से उदार (अकोमोडेटिव) कर दिया है। इसका आश्य यह है कि आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में वृद्धि नहीं करते हुए इसे या तो स्थिर रखेगा अथवा इसमें कमी की घोषणा करेगा। भारत में मुद्रास्फीति की दर को नियंत्रित करने में मिली सफलता के चलते भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यह निर्णय लिया जा सका है। हाल ही के समय में अमेरिका द्वारा अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भारी भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है जिससे पूरे विश्व भर के लगभग समस्त देशों के शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है एवं शेयर बाजार लगातार नीचे की ओर जा रहे हैं। ऐसे माहौल में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी करने की घोषणा एक उचित कदम ही कहा जाना चाहिए। वैसे भारत में मुद्रास्फीति अब नियंत्रण में भी आ चुकी है एवं आगे आने वाले मानसून के दौरान भारत में सामान्य (103 प्रतिशत) बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। इस वर्ष रबी के मौसम में गेहूं की बम्पर पैदावार होने का अनुमान लगाया गया है, सब्जियों एवं फलों की कीमत भारतीय बाजारों में कम हुई है, अतः कुल मिलाकर खुदरा महंगाई की दर 4 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी वर्ष 2025-26 में भारत में मुद्रा स्फीति की दर के 4 प्रतिशत के नीचे रहने का अनुमान लगाया गया है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर लगातार बदल रहे घटनाक्रम के चलते कच्चे तेल के दाम भी तेजी से घटे हैं और यह 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से घटकर 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। भारत के लिए यह बहुत अच्छी खबर है, क्योंकि, इससे विनिर्माण इकाईयों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी तथा देश में ईंधन की कीमतें कम होंगी और अंततः मुद्रा स्फीति की दर में और अधिक कमी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए इससे आगामी मौद्रिक नीति के माध्यम से रेपो दर में और अधिक कटौती करना सम्भव एवं आसान होगा।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है और भारतीय रिजर्व बैंक के आंकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है और पूर्व में इसके 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था, अर्थात, अमेरिका द्वारा अपने देश में होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ से भारतीय अर्थव्यवस्था पर केवल 0.2 प्रतिशत का असर होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था दरअसल निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर भी नहीं है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16-17 प्रतिशत भाग ही अन्य देशों को निर्यात किया जाता है। इसमें से भी अमेरिका को तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 2 प्रतिशत भाग ही निर्यात होता है। अतः ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर अलग अलग दर से लगाए गए टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नगण्य सा प्रभाव पड़ने की सम्भावना है।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित समस्याओं के बीच भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2028 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी रहेगी। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इस वर्ष के अंत तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का स्तर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा, जो भारतीय रुपए में लगभग 360 लाख करोड़ रुपए बनता है। वर्ष 2015 से लेकर वर्ष 2024 तक के पिछले 10 वर्षों के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना हो गया है। वर्ष 2015 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर (रुपए 180 लाख करोड़) का था और भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 10वें क्रम पर था। वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं जिससे विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। साथ ही, भारत में आधारभूत संरचना खड़ी करने के लिए केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च में भारी भरकम वृद्धि दर्ज हुई है। देश में विदेशी निवेश का लगातार विस्तार हो रहा है और रोजगार के अवसरों में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) लागू की गई है। मुद्रा योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की गारंटी पर भारतीय बैकों (निजी एवं सरकारी क्षेत्र के बैकों सहित) ने 33 लाख करोड़ रुपए के ऋणों का वितरण किया है। भारत में अनियमित जलवायु परिस्थितियों के बीच भी पिछले 10 वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में विस्तार हुआ है जिससे किसानों की आय को स्थिर रखने में सफलता मिली है। साथ ही, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की केंद्र सरकार ने विशेष सरकारी योजनाओं एवं सब्सिडी के माध्यम से बहुत अच्छे स्तर पर सहायता की है। इससे इस श्रेणी के कई परिवार अब मध्यम श्रेणी में आ गए हैं एवं भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग की वृद्धि में सहायक बन रहे हैं। देश में लागू किए गए डिजीटलाईजेशन से भी भारत में किए जाने वाले लेनदेन के व्यवहारों में पारदर्शिता आई है और इससे भारत में वस्तु एवं सेवा कर एक उपलब्धि सिद्ध हुआ है। आज भारत में वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का अप्रत्यक्ष कर संग्रहित हो रहा है तथा इससे देश में बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भरपूर सहायता मिली है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के पश्चात विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने लम्बी छलांग लगाते हुए, विश्व में 10वें से आज 5वें स्थान पर आ गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकलन के अनुसार पिछले 10 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 100 प्रतिशत बढ़ा है तो अमेरिका का 65.8 प्रतिशत, चीन का 75.8 प्रतिशत, जर्मनी का 43.7 प्रतिशत और जापान का केवल 1.3 प्रतिशत बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की बनी रहेगी, इस प्रकार भारत वर्ष 2026 में जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2028 में जर्मनी को पीछे छोड़कर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जर्मनी, जापान एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत ही थोड़ा अंतर है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 4.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 4.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, वहीं भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है।

आतंक का राणा,अब होगा इसका हिसाब

(नवीन जायसवाल)

आखिरकर 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड आतंक का राणा-तहव्वुर राणा को भारत लाया गया है। कई सालों के संघर्ष के बाद तहव्वुर राणा को भारत लाया गया है, उसका अमेरिका से सफल प्रत्यपर्ण हुआ है। अब इसका हिसाब पूरा हो जाएगा। मोदी सरकार इसे अपनी बड़ी कूटनीति जीत मान रही है, वहीं कांग्रेस का कहना है कि यूपीए सरकर के दौरान ही सभी जरूरी दस्तावेज दे दिए गए थे। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि मुबंई हमले से जुड़े आतंकवादी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया मोदी सरकार ने न तो शुरू की थी और न ही उसने कोई नई सफलता हासिल की, बल्कि उसे यूपीए के समय किये गये कूटनीतिक प्रयासों का लाभ हुआ है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रत्यर्पण डेढ़ दशक के कठिन कूटनीतिक, कानूनी और खुफिया प्रयासों का नतीजा है। यह प्रत्यर्पण डेढ़ दशक के कठिन कूटनीतिक, कानूनी और खुफिया प्रयासों का नतीजा है। वहीं, तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा, उसे 16 साल बाद भारत वापस लाना एक बहुत बड़ी कूटनीतिक और ऐतिहासिक सफलता है। यह भारत के लोगों के लिए बहुत संतोषजनक होगा कि उसे 16 साल बाद उसके अपराधों के लिए आखिरकार सजा मिलेगी। वह पाकिस्तान के बारे में और भी रहस्य उजागर कर सकता है और यह भी बता सकता है कि इस मामले में अन्य मास्टरमाइंड कौन थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वह हासिल कर लिया है जो कांग्रेस-यूपीए सरकार करने में विफल रही। एनआईए ने एक बयान में कहा कि 2008 के मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ता को न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाने के लिए वर्षों के सतत और ठोस प्रयासों के बाद यह प्रत्यर्पण हुआ है। बयान में कहा गया, ''यूएसडीओजे, अमेरिकी स्काई मार्शल की सक्रिय सहायता से एनआईए ने संपूर्ण प्रत्यर्पण प्रक्रिया के दौरान अन्य भारतीय खुफिया एजेंसियों, एनएसजी के साथ मिलकर काम किया, जिसमें भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने भी मामले को सफल निष्कर्ष तक ले जाने के लिए अमेरिका में अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय किया।'' वहीं पूर्व गृह सचिव गोपाल कृष्ण पिल्लई ने गुरुवार को कहा कि मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को निश्चित रूप से देश में दोषी ठहराया जाएगा और संभवतः उसे इस जघन्य आतंकवादी कृत्य में शामिल होने के लिए मौत की सजा भी दी जाएगी। राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राणा डेविड कोलमैन हेडली का सहयोगी था, जो वर्ष 2008 में 26 नवंबर के हमलों में शामिल था। पिल्लई ने कहा, ''राणा वह व्यक्ति था जिसने मुंबई में (अपनी फर्म का) आव्रजन कार्यालय स्थापित किया था, जिसमें डेविड हेडली को काम दिया गया और फिर उसे भारत आने के लिए वीजा मिला। राणा और हेडली बहुत करीब थे और उन्हें घटनाक्रम की जानकारी थी। इसलिए भारत में उससे पूछताछ में यह बात सामने आएगी और हेडली ने उसे क्या बताया था।'' उन्होंने कहा कि राणा वह व्यक्ति नहीं है जिसने ताज होटल और अन्य स्थानों का सर्वेक्षण किया था जहां आतंकवादी आये थे। पिल्लई ने आतंकवादी हमले के सिर्फ छह महीने बाद गृह सचिव का पद संभाला था। उन्होंने कहा, ''यह सब डेविड हेडली ने किया था। वह वही व्यक्ति था जो भारत आया, फिर पाकिस्तान गया और सारी जानकारी (पाकिस्तान में आतंकवादियों को) साझा की। लेकिन एक सह-षड्यंत्रकारी के रूप में, राणा को निश्चित रूप से भारत में दोषी ठहराया जाएगा और संभवतः उसे मृत्युदंड या 10 साल या उससे अधिक की सजा मिलेगी।''

मोदी सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी उपलब्धि- बीजेपी

भाजपा ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के प्रति ''नए भारत'' के ''कतई बर्दाश्त नहीं'' करने के संकल्प को दर्शाता है। इसने साथ ही कांग्रेस पर ''वोट बैंक की राजनीति'' के लिए आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। भाजपा मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राणा का प्रत्यर्पण मोदी सरकार और इसकी सुरक्षा एजेंसियों की एक ''बड़ी उपलब्धि'' है। 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर भारत में इजरायल के पूर्व राजदूत मार्क सोफ़र ने कहा, मैं भारतीय अधिकारियों, भारतीय सरकार की प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने हार नहीं मानी, 17 साल से ज़्यादा समय तक आतंकवादियों का पीछा किया और उन्हें न्याय के कटघरे में खड़ा कियाज 2008 में लश्कर-ए-तैयबा द्वारा मारे गए लगभग 200 लोग न्याय के हकदार थे। परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। यह इजरायल के लिए एक आघात था, लेकिन सबसे बढ़कर, यह भारत के लिए एक आघात थाज्यह आतंकवादियों को एक कड़ा संदेश देता है कि हम कभी हार नहीं मानेंगे, कि भारत कभी हार नहीं मानेगा। आपको हमले के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जाएगाज्हमने बंधकों की जान बचाने की कोशिश में भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया।

चंबल के बीहड़ में धमक कर गमक रहा एआई

(आलोक सिंह भदौरिया)

अर्ली मॉर्निंग शिफ्ट करके उठा ही था कि महंत चाचा ने टोक दिया- काय लला, जे का सुबेरे सैं कंपूटर में मूड दाएं खिटिर पिटिर कर रए महंत चाचा चंबल घाटी में बसे हमारे गांव से हैं। कल रात ही लखनऊ आए हैं। वह पूछना चाह रहे थे सुबह से लैपटॉप में सिर झुकाकर क्या कर रहा हूं मैंने कहा, चाचा वर्क फ्रॉम होम कर रहा हूं। नौकरी करनी है तो करनी है। चाचा बोले, हिंदी में बोलो। हमने फिर समझाया, घर से ऑफिस का काम कर रहे हैं।

चाचा ने सवाल दागा- ऑफसि में तुमाए लाएं जगह नहीं है मैंने कहा, नहीं चाचा कंपनी को इससे फायदा होता है। वर्क फ्रॉम से कंपनी पर कम खर्चा आता है। वैसे भी एआई हम लोगों की नौकरी के पीछे पड़ी है। चाचा हैरान होकर बोले, काय भइया तुम्हाई आई (दादी) तो रोज तुम्हें असीसें देतीं, आसिरबाद देतीं, बे काए तुम्हाई नौकरी लीहें। मेरी समझ में आ गया कि चाचा फुल मूड में हैं। उनको उन्हीं की भाषा में समझाने के लिए मैंने कहा, चाचा एआई मतलब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस। मतलब बनावटी बुद्धि, इसकी मदद से दर्जनों लोगों का काम सेकंडों में हो सकता है। तो उन तमाम लोगों को रखने की क्या जरूरत है। इसलिए नौकरी बचानी है तो इस तरह काम करना होगा।

कहां है एआई को दफ्तर किन्नै बनाई है मालिक कौन है चलौ दद्दा गांव से मौड़ा बुलाय लेत हैं, रात कै जब बजिहै लठ्ठ तो एआई हों चाहे बेआई सब मटियामेटज चाचा के पीछे से आवाज आई।

ओहो ! इन्हें कैसे भूल गए। ये हैं हमारे चाचा के सपूत हमारे चचेरे भाई रोहित। रागदरबारी की भाषा में बिना सूंड के हाथी। खेती-किसानी करते हैं, अखाड़े में दंड-बैठक मारते हैं। लाठी, ठंडा, राइफल इनके प्रिय खिलौने हैं। चाचा के साथ आए हैं। हमने कहा, भाई ढ्ढ पर यह सब बेकार है। यह दुनिया में फैल रही नई तकनीक है। रोहित बोले, एआई हम पै बेकार है, हमाओ कोऊ काम नहीं छीन सकत। हमने पूछा क्यों चाचा, बोले, ये कुछ करते ही नहीं है, कोई क्या छीनेगा। चाचा ने फिर हमसे पूछा, बेटा ज बताओ, एआई केवल नौकरी ही छीन सकती है या कुछ फायदे का काम कर सकती है हमारे गांव में पानी सैकड़ों फीट नीचे है, खेती किसानी बर्बाद, बच्चों को नौकरी नहीं है, छुट्टा जानवर आफत बने हैं। एआई इसमें कुछ नई कर सकत या केवल झूठी-सच्ची खबरें और फोटू ही बना सकती है हम चुप। घटाघोप चुप। चाचा समझ गए हमारे पास जवाब नहीं है। बोले- तब काए बनावटी बुद्धि कह रहे हो, बनावटी कुबुद्धि है तब। मुझे बचपन की याद आ गई। जब हमें अखबार पढ़ते देख दादा कहते थे, लला, स्कूल की किताबें पढ़ो, इन अखबारन में लाबरू (झूठी) बातें छपत हैं। आज दादा होते तो एआई की कस के क्लास लेते और कहते, ढ्ढ केवल बेकार को काम कर सकत है, कोऊ कायदे को काम करै तो कोऊ क्यों डरेगा रोहित किसी और चरस में चल रहे थे। हमसे बोले, दद्दा अपने हिस्सा की खेती बेच देओ, राइफलें खरीद लेओ।

भौतिक चकाचौंध व सोशल मीडिया से बढ़ रहे रिश्तों के कत्ल

(योगेंद्र योगी)

आंकडों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए। ये तमाम कत्ल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती।

विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की सीख देने वाले भारत जैसे आध्यत्म और शांति की धरा वाले देश में बढ़ती भौतिक विलासिता की चकाचौंध और सोशल मीडिया का जिन्दगी में बढ़ता दखल, पारिवारिक-सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है। संबंधों में तकरार और फिर नृशंस तरीके से हत्या जैसे मामलों ने देश को झकझौर कर रख दिया है। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपुत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां के हुलीमावु क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। देश के अलग-अलग शहरों में हो रही ऐसी हत्याओं ने देश की जनता को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। आखिर ये सिलसिला कहां जकर थमेगा? इन घटनाओं ने सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया है कि आखिर यह देश किस दिशा में जा रहा है।

पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है। संयुक्त राष्ट मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 फीसदी के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किया। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं। संयुक्त राष्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारवें मिनट में एक महिला या लड़की का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 फीसदी से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर। ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 फीसदी शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा ये भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 फीसदी पुरुषों का भी कत्ल होता है। अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है। ब्रिटिश मेडिकल जनरल लेनसेट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 60 फीसदी महिलाओं के कत्ल मौजूदा या फिर पूर्व पार्टनर की वजह से होती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में महिलाओं के कत्ल का सबसे ज्यादा खतरा उन्हीं के मौजूदा या पूर्व पार्टनर से ही होता है। जबकि पूर्व या मौजूदा महिला पार्टनर के हाथों पुरुषों के कत्ल का प्रतिशत सिर्फ साढ़े 6 फीसदी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक देश में हर साल कितने पति अपनी पत्नी का या पत्नी अपने पति का कत्ल करती हैं। एनसीआरबी के 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इश्क और रिश्तों में लोग अब जान नहीं देते बल्कि जान लेते हैं। भारत में जिन वजहों से सबसे ज्यादा कत्ल होते हैं। उनमें लव अफेयर और शादी के बाद संबंधों के मामलों में होने वाला कत्ल तीसरे और चौथे नंबर पर आता है। देश में होने वाले हर 10 में से औसतन एक कत्ल किसी ना किसी आशिक-माशूक या पति-पत्नी के हाथ से ही होता है।

आंकडों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए। ये तमाम कत्ल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती। परेशान करने वाली बात यह है कि इन 19 वजहों में से तीसरी और चौथी नंबर पर कत्ल की जो वजह बनी वो इश्क, धोखा, फरेब और शादी के बाद के संबंध थे। 28 हजार 522 कत्ल के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कत्ल इसी वजह से हुए। ऐसा नहीं है कि इश्क में पहले कत्ल नहीं हुआ करते थे। पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमंचे उठाए हैं। लेकिन 2010 के बाद से पति-पत्नी, इश्क, बेवफाई और अवैध संबंध की वजह से होने वाले कत्ल की तादाद तेजी से बढ़ी।

पिछले 15 सालों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो साफ पता चलता है कि जैसे जैसे सोशल मीडिया का चलन बढ़ा पति पत्नी के रिश्ते, शादी के बाद के संबंध और इश्क और खूनी होता चला गया। आंकड़ों के हिसाब से 2010 से 2014 के दरम्यान लव अफेयर और संबंधों की वजह से होने वाले कत्ल का प्रतिशत 7 से 8 फीसदी था। लेकिन 2015 से 2022 के दरम्यान ये बढ़कर 10 से 11 फीसदी हो गया। ये गिनती लगातार बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक 2022 में देशभर में खुदकुशी के कुल 17 हजार 924 केस दर्ज हुए थे। जिनमें से अकेले शादी से जुड़े मामलों में 8 हजार 204 पति या पत्नी ने खुदकुशी की। जबकि इश्क के चलते 7 हजार 692 प्रेमी जोड़ों में से किसी एक ने खुदकुशी कर ली। इसके अलावा अवैध संबंधों की वजह से भी 855 लोगों ने खुदकुशी की। एनसीआरबी के अलावा नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के एक आंकड़ें के मुताबिक 4 फीसदी शादीशुदा महिलाओं ने ये माना है कि वो अपने पति को शारिरिक तौर पर चोट पहुंचाती है। इसी तरह स्टडी ऑफ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंस (आईआईपीएस) की एक रिपोर्ट के मुताबिक नौकरीपेशा महिलाएं जो पैसे कमाती हैं और मोबाइल का इस्तेमाल करती हैं, अपने पति से ज्यादा झगड़ती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं की जैसे जैसे उम्र बढती जाती है वो अपने पति से ज्यादा झगडने लगती हैं। जबकि पति के मामले में ये उल्टा है। पति की उम्र जैसे जैस बढ़ती है वो बीवियों से झगड़ा कम करने लगते हैं। आईआईपीएस की ये रिपोर्ट ये भी कहती है कि एकल परिवार में पति पत्नी के बीच हिंसक लड़ाई ज्यादा होती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर एक हजार पति में से 29 पति अपनी पत्नियों की हिंसा का शिकार होते हैं। जबकि एकल परिवार में यही आंकड़ा पत्नियों के लिए हर एक हजार में 32 है। वैसे पति पत्नी से जुड़े दर्ज कत्ल के मामलों के एक आंकड़े के मुताबिक 2022 में देशभर में पत्नी के हाथों पति के 220 कत्ल के मामले सामने आए थे। इसी दौरान पति के हाथों पत्नी के कत्ल के 270 से ज्यादा मामले सामने आए।

कब है हनुमान जन्मोत्सव? तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिंदू धर्म में हनुमान जी की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि प्रभु की प्रतिदिन उपासना करने से साधक के बड़े से बड़े कष्टों का निवारण होता है।
दरअसल, बजरंगबली को अष्ट सिद्धियां और नौ निधि का वरदान प्राप्त है। इसके प्रभाव से वह सभी भक्तों की विपत्तियों को समाप्त करते हुए जीवन में खुशियां भरते हैं। शास्त्रों में संकटमोचन को ऊर्जा, शक्ति, ज्ञान, भक्ति और बल का प्रतीक माना गया। वह भगवान राम के सबसे बड़े भक्त भी है, इसलिए उनकी उपासना से प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद भी मिलता है। इस दौरान हनुमान जी को प्रसन्न और उनकी विशेष कृपा पाने के लिए हनुमान जन्मोत्सव को सबसे शुभ माना गया है।
बता दें, चैत्र शुक्ल की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। मान्यता है कि बजरंगबली वर्तमान में भी हमारे आसपास धरती पर सशरीर मौजूद हैं, इसलिए इसे हनुमान जन्मोत्सव कहा जाता है। इस साल हनुमान जन्मोत्सव कब मनाया जाएगा, यह सवाल भक्तों के मन में बना हुआ है। ऐसे में आइए सही तारीख और शुभ मुहूर्त के बारे में जानते हैं...

कब है हनुमान जन्मोत्सव

इस बार चैत्र पूर्णिमा तिथि 12 अप्रैल 2025 को प्रातः 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू हो रही है। इस तिथि का समापन 13 अप्रैल 2025 को सुबह 05 बजकर 52 मिनट पर है। ऐसे में 12 अप्रैल 2025 को हनुमान जन्मोत्सव का महापर्व मनाया जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव शुभ मुहूर्त

इस बार हनुमान जन्मोत्सव पर पूजा के लिए दो शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। पहला मुहूर्त 12 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 35 मिनट से सुबह 9 बजकर 11 मिनट तक है। इसके बाद दूसरा शुभ मुहूर्त शाम को 6 बजकर 45 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 8 मिनट तक रहेगा।

शुभ योग

हनुमान जन्मोत्सव पर हस्त नक्षत्र बन रहा है, जो शाम 6 बजकर 7 मिनट तक बना रहेगा। इस दौरान व्याघात योग भी बनेगा, जो रात 8 बजकर 39 मिनट तक है।

पूजा विधि

- हनुमान जन्मोत्सव के शुभ मौके पर सुबह ही स्नान-ध्यान कर लें।
- फिर पूजा स्थान पर आप एक चौकी को रखें और उसपर लाल रंग का साफ वस्त्र बिछाएं।
- अब चौकी पर हनुमान जी की प्रतिमा को स्थापित करें।
- अब प्रभु को सिंदूर, फूल माला, फल, अक्षत, फूल चढाएं।
- इसके बाद शुद्ध देसी घी का दीप जलाएं और हनुमान जी के मंत्रों का जाप करें।
- फिर आप प्रभु को बूंदी या बेसन के लड्डू का भोग लगाएं।
- अब हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- अंत में आरती करें और पूजा में हुई भूल की क्षमा मांगे।

बनेंगे सभी काम

माना जाता है कि यदि आप हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी को घी, सिंदूर और चोला चढ़ाते हैं तो इससे आपके सभी रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। इसके साथ ही जरूरी कामों को पूरा करने के लिए आप हनुमान जी को पीपल के पत्तों पर राम नाम लिखकर भी अर्पित कर सकते हैं।

चढ़ाएं ये फूल

लाल रंग हनुमान जी को प्रिय माना गया है। इसलिए आप पूजा के दौरान लाल रंग के पुष्प हनुमान जी को अर्पित कर सकते हैं। इसके लिए आप गेंदे के फूल या उनसे बनी माला हनुमान जी को अर्पित कर सकते हैं। इसके साथ ही आप हनुमान जन्मोत्सव के दिन गुलाब के फूल या फिर लाल रंग के गड़हल के फूल अर्पित करके भी बजरंगबली की कृपा की प्राप्ति कर सकते हैं।

हनुमान जन्मोत्सव के दिन आजमाएं ज्योतिष के ये महाउपाय

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जन्मोत्सव वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

चैत्र महीने की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मुख्य रूप से हनुमान जी की पूजा करना और उन्हें भोग में कुछ विशेष चीजें चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यदि आप इस दिन पूजा-पाठ के अलावा हनुमान जी के लिए कुछ विशेष ज्योतिष उपाय आजमाते हैं तो इससे आपके जीवन में सदैव उनकी कृपा दृष्टि बनी रहती है। ऐसा कहा जाता है कि हनुमान जी अपने भक्तों को सभी कष्टों से दूर करते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं। यदि कोई व्यक्ति हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान चालीसा का पाठ करता है और उनकी पूजा के साथ विशेष उपाय करता है, तो उनके बिगड़े काम भी बनने लगते हैं और हमेशा बजरंगबली की कृपा बनी रहती है।
ऐसा कहा जाता है कि इन उपायों से आपके करियर में आने वाले बाधाएं दूर होने लगती हैं, नौकरी में प्रमोशन के योग बन सकते हैं और आपके पारिवारिक जीवन में आने वाली सभी बाधाएं कम हो सकती हैं। यही नहीं इन उपायों से आपके मन का भी दूर हो सकता है। अगर आप भी अपने जीवन में आने वाली कई बाधाओं से बाहर निकलना चाहते हैं तो हनुमान जन्मोत्सव यानी कि 12 अप्रैल, शनिवार के दिन इन आसान ज्योतिष महा उपायों को जरूर आजमाएं।
हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्री हनुमान जी की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। यदि आप इस दिन उन्हें कुछ विशेष भोग अर्पित करें तो बहुत शुभ हो सकता है। यदि आप इस दिन केले का भोग हनुमान जी को चढ़ाएं तो बहुत फलदायी हो सकता है। ऐसा माना जाता है कि केला हनुमान जी को अत्यंत प्रिय होता है। केले में शुद्धता और सात्विकता का समावेश होता है, जो हनुमान जी के तेजस्वी स्वरूप से मेल खाता है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हनुमान मंदिर में जाकर उन्हें केले का भोग लगाने से जीवन में आने वाली सभी अड़चनें दूर हो सकती हैं और आपके कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। यदि यह आप हनुमान जन्मोत्सव के दिन चढ़ाते हैं तो आपको इसका विशेष लाभ हो सकता है। इस भोग को हनुमान जी को अर्पित करने के बाद प्रसाद के रूप में घर के लोगों को वितरित करें।

हनुमान जी को जनेऊ चढ़ाएं

हनुमान जी को ब्रह्मचारी और बल, बुद्धि और विद्या के देवता के रूप में पूजा जाता है। यदि आप उन्हें हनुमान जन्मोत्सव के दिन जनेऊ अर्पित करें तो आपको इसके शुभ लाभ हो सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि हनुमान जी को नया जनेऊ चढ़ाने से व्यक्ति के जीवन में संस्कार, ज्ञान और आत्मबल की वृद्धि होती है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन किसी हनुमान मंदिर में जाकर यदि शुद्ध और पवित्र जनेऊ चढ़ाया जाए, तो यह जीवन के सभी क्षेत्रों में शुभ फल देता है। यह कार्य विशेष रूप से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और उन लोगों के लिए लाभकारी माना गया है जो अपने जीवन में मानसिक और आत्मिक बल का अभाव महसूस कर रहे हैं। ध्यान रखें कि जनेऊ चढ़ाने से पहले हनुमान जी की प्रतिमा को शुद्ध जल से स्नान कराएं और उसके बाद ही जनेऊ अर्पित करें।

हनुमान जी को नारंगी सिंदूर चढ़ाएं

मान्यता है की हनुमानजी को नारंगी सिंदूर अत्यंत प्रिय है और उन्हें सिंदूर चढ़ाने से आपको शुभ लाभ मिल सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि एक बार हनुमान जी ने माता सीता से उनकी मांग में सिंदूर लगाने का रहस्य पूछा तो उन्होंने उत्तर दिया कि सिन्दूर लगाने से प्रभु श्री राम को दीर्घायु मिलेगी। उसी समय से हनुमान जी ने अपने पूरे शरीर में सिंदूरका लेप कर लिया जिससे उनके आराध्य प्रभु श्री राम के जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव पड़ें और वो प्रसन्न हों। तभी से हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई। नारंगी रंग बल, साहस और ऊर्जा का प्रतीक होता है, जो हनुमान जी के तेजस्वी स्वरूप से मेल खाता है। हनुमान जन्मोत्सव को नारंगी सिंदूर अर्पित करने से शत्रु बाधा भी समाप्त हो सकती है।

दो मीठे पान का दान करें

हनुमान जन्मोत्सव के दिन यदि आप हनुमान जी को पान अर्पित करें और दो मीठे पान दान स्वरूप दें तो आपके जीवन में इसके लाभ हो सकते हैं। मीठे पान का दान करने से जीवन में मधुरता और सौभाग्य की वृद्धि होती है। मीठा पान प्रेम, समर्पण और मधुर वाणी का प्रतीक होता है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन यदि हनुमान जी को दो मीठे पान अर्पित किए जाएं, तो यह रिश्तों में मिठास लाने, दांपत्य जीवन में सामंजस्य बनाए रखने और समाज में सम्मान प्राप्त करने में सहायक होता है। यह सरल उपाय जीवन में कई सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

अपनी मनोकामनाएं हनुमान जी के सामने रखें

हनुमान जी को संकटमोचक कहा गया है, यानी वे अपने भक्तों के हर संकट को हर लेते हैं। उनकी कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है। हनुमान जन्मोत्सव जैसे विशेष अवसर पर जब भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामनाएं उनके समक्ष रखते हैं, तो वे अवश्य पूरी होती हैं। चाहे नौकरी की समस्या हो, विवाह में अड़चन हो या स्वास्थ्य संबंधी परेशानी। अपनी मनोकामनाएं रखने से इच्छाएं पूर्ण हो सकती हैं। अपनी मनोकामना रखने से पहले हनुमान जी का ध्यान करें, और ऊँ हं हनुमते नमः; मंत्र का 11 या 21 बार जाप करें।

हनुमान जन्मोत्सव पर बन रहे हैं दुर्लभ शुभ संयोग

इस साल हनुमान जन्मोत्सव 12 अप्रैल 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन हस्त नक्षत्र, व्याघात योग और शनिवार का शुभ संयोग बन रहा है। हस्त नक्षत्र शाम 6 बजकर 8 मिनट तक रहेगा। इस दौरान व्याघात योग भी बनेगा, जो रात 8 बजकर 39 मिनट तक है। वहीं इस बार हनुमान जन्मोत्सव शनिवार के दिन है। बता दें कि शनिवार का दिन बजरंगबली की पूजा के लिए समर्पित होता है। ऐसे में शनिवार के दिन हनुमान जन्मोत्सव पड़ना बहुत ही शुभ संयोग है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि के दिन ही माता अंजनी और वानरराज राजा केसरी के घर हनुमान जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इसी दिन धूमधाम के साथ हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस दिन केसरी नंदन के साथ ही भगवान राम और माता सीता की पूजा भी अवश्य करें। सिया राम की पूजा के बिना बजरंगबली की आराधना अधूरी मानी जाती है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन इस विधि से करें श्रीयंत्र की पूजा

हिंदू धर्म में चैत्र पूर्णिमा का व्रत माता लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन श्रीयंत्र की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है।
सनातन धर्म में चैत्र पूर्णिमा को चैती पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। यह हिंदू नववर्ष की पहली पूर्णिमा है। पूर्णिमा तिथि के दिन मां लक्ष्मी और चंद्रमा की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि अगर आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है तो चैत्र पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा से लाभ हो सकता है। साथ ही अगर किसी जातक की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर है तो इस दिन चंद्रमा को अर्घ्य देने और पूजा करने से भाग्योदय हो सकता है। अब ऐसे में चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने का विधान है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा किस विधि से करें?

- सुबह ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़कें।
- एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर श्रीयंत्र स्थापित करें।
- श्रीयंत्र को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और चीनी का मिश्रण) से स्नान कराएं और फिर गंगाजल से साफ करें।
- श्रीयंत्र पर तिलक लगाएं और अक्षत चढ़ाएं।
- दीपक और धूप जलाएं।
- मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर पास में रखें।
- सबसे पहले गणेश जी की पूजा करें।
- फिर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का ध्यान करें और उन्हें फूल, फल और मिठाई अर्पित करें।
- श्रीयंत्र के सामने बैठकर श्री सूक्त का पाठ करें। आप लक्ष्मी मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं।
- आखिर में श्रीयंत्र की आरती करें।
- चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने के नियम
- श्रीयंत्र की पूजा-अर्चना करने के दौरान माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करें।
- श्रीयंत्र की पूजा करने के दौरान मंत्रों का जाप करने से लाभ हो सकता है।
- श्रीयंत्र की पूजा करने से बाद कुबेर देवता की भी जरूर करें। इससे आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है।
- श्रीयंत्र की पूजा कभी भी प्रदोष काल में किया जा सकता है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने से व्यक्ति को आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है और व्यक्ति को भौतिक सुखों की भी प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा अगर आपके जीवन में बार-बार समस्याएं आ रही है तो चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने से शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

बजरंगबली अवतरण दिवस पर 7 शुभ प्रसाद का भोग लगाएं

12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए उन्हें तरह तरह के भोग लगाए जाते हैं। जानते हैं उन्हीं में से उनके प्रिय 7 भोग।

- **गुड़-चना** : हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद तो अक्सर चढ़ाया ही जाता है। यह मंगल का उपाय भी है। इससे मंगल दोष मिटता है। यदि आप कुछ भी चढ़ाने की क्षमता नहीं रखते या किसी और कारण से चढ़ा नहीं पाते हैं तो सिर्फ गुड़ और चना ही चढ़ाकर हनुमानजी को प्रसन्न कर सकते हैं। हर मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। इससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। हालांकि आजकल गुड़ की जगह चिरौंजी ज्यादा मिलती है लेकिन चने के साथ गुड़ का ही संयोग होता है।
- **इमरती** : इमरती का भोग लगाने से संकटमोचन अत्यंत प्रसन्न होते हैं। आपकी जो भी मनोकामनाएं हैं, वे पूर्ण हो जाएंगी। बस, मंगलवार के दिन हनुमानजी को इमरती चढ़ा आएं।
- **लड्डू** : हनुमानजी को 3 तरह के लड्डू पसंद हैं- एक केसरिया बूंदी लड्डू, दूसरा बेसन के लड्डू और तीसरा मलाई-मिश्री के लड्डू। इसमें बेसन के लड्डू उन्हें खास पसंद हैं। लड्डू चढ़ाने से हनुमानजी भक्तों को दे देते हैं मनचाहा वरदान और उसकी मनोकामना पूर्ण कर देते हैं। लड्डू चढ़ाने से पापी ग्रह भी काबू में रहते हैं।
- **केसर-भात** : उज्जैन में मंगलनाथ पर केसर-भात से मंगल की शांति होती है। हनुमानजी को भी केसर-भात का भोग लगाया जाता है। इससे हनुमानजी बहुत जल्द प्रसन्न होते हैं। कोई व्यक्ति 5 मंगलवार हनुमानजी को यह नैवेद्य लगाता है, तो उसके हर तरह के संकटों का समाधान होता है।
- **रोट या रोठ** : ऐसी मान्यता है कि अगर हनुमानजी को मंगलवार के दिन रोट या मीठा रोटी का भोग लगाया जाता है तो मनवांछित फल मिलता है। गेहूं के आटे में गुड़, इलायची, नारियल का बूरा, घी, दूध आदि मिलाकर रोट बनाया जाता है। कुछ जगह इसे सेंककर रोटी जैसा बनाकर भोग लगाते हैं और कुछ जगह इसे पूरियों की तरह तलकर इसका भोग लगाते हैं। यह रोट हनुमानजी को बहुत प्रिय है।
- **पान का बीड़ा** : आपने सुनी होगी एक प्रचलित लोकोक्ति 'बीड़ा उठाना'। इसका अर्थ होता है- कोई महत्वपूर्ण या जोखिमभरा काम करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेना। यदि आपके जीवन में कोई घोर संकट है या ऐसा काम है जिसे करना आपके बस का नहीं है, तो आप अपनी जिम्मेदारी हनुमानजी को सौंप दें। इसके लिए आप मंगलवार के दिन किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद उन्हें पान का बीड़ा अर्पित करें। रसीला बनारसी पान चढ़ाकर मांग लीजिए मनचाहा वरदान।
- **पंच मेवा** : काजू, बादाम, किशमिश, छुआरा, खोपरागिट पंचमेवा के नाम से जाने जाते हैं। इसका भी हनुमानजी को भोग लगता है।

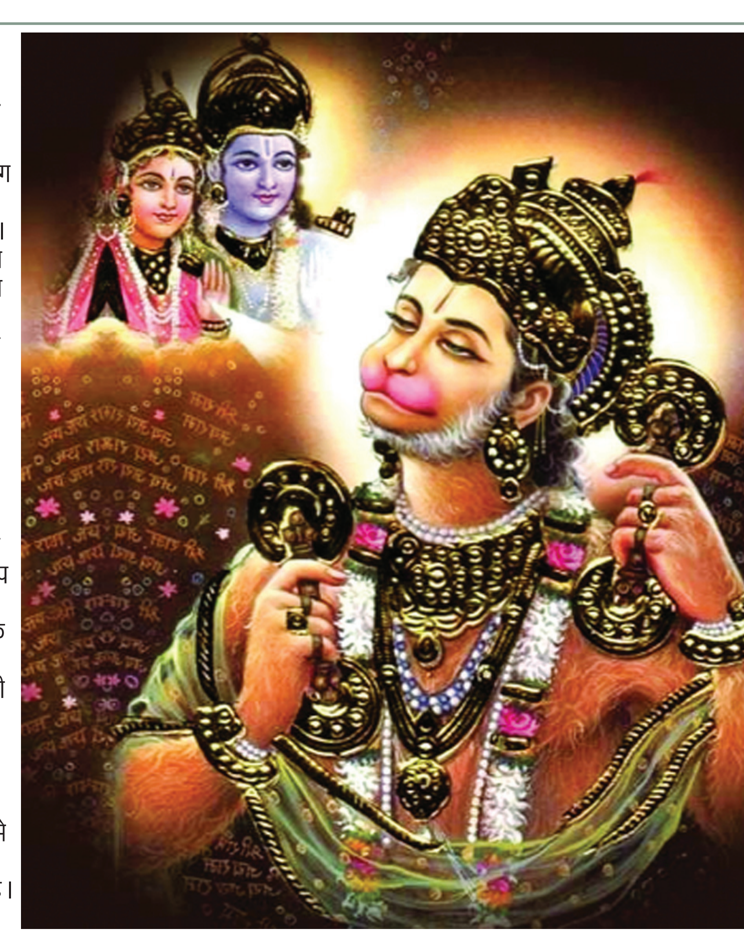

अब और नहीं बेचनी पॉलिसी, कुछ करना है... लुधियाना के इस शख्स ने ऐसे खड़ा कर लिया 100 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। लुधियाना के बिक्रमजीत सिंह ने ऑर्गेनिक फार्मिंग को सफल व्यवसाय में बदला है। उन्होंने जैविक खेती के महत्व को समझकर इसे 100 करोड़ रुपये की कंपनी में तब्दील कर दिया। बिक्रमजीत ने कृषि तकनीक और नए तरीकों का इस्तेमाल करके स्थानीय किसानों को सशक्त बनाया है। उनकी सफलता की कहानी कई युवा किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है। उन्होंने हेल्दी अर्थ ब्रांड बनाया है। ऑर्गेनिक फूड रेस्टोरेंट भी खोले हैं। इसके साथ ही, बिक्रमजीत ने जनरेशन ऑफ फार्मिंग नाम के संगठन के जरिये युवाओं को विदेश जाने से रोका है। वह कृषि और उद्योग को मिलाकर एक मिसाल कायम कर रहे हैं। आइए, यहां बिक्रमजीत सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बिक्रमजीत सिंह का कृषि से उद्योग तक का सफर बहुत खास है। 2005 में ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने पहले एक बीमा कंपनी में काम किया। वह 9 से 5 की नौकरी करते थे। साथ ही, उन्होंने 2.75 एकड़ जमीन पर खेती भी शुरू की। अनार के बागान में नुकसान होने पर बिक्रमजीत ने नींबू की खेती शुरू की। 2010 में एमबीएम करने के बाद उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में एंट्री की। लेकिन, उनकी असली दिलचस्पी खेती में ही थी। 2014 में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ने का फैसला लिया। उस समय तक वह खेती से अच्छी कमाई करने लगे थे।

बिक्रमजीत सिंह ने 200 एकड़ लीज पर जमीन लेकर जैविक खेती को बढ़ाया। उन्होंने 100 एकड़ में फलों के बाग लगाए। बाकी 100 एकड़ में गेहूं, बासमती चावल, मक्का, गन्ना और सब्जियां उगाईं। ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति उनके जुनून ने उन्हें कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की ओर आगे बढ़ाया। अब उनके साथ 600 किसान 8,000 एकड़ जमीन पर जैविक खेती कर रहे हैं। किसानों को वह न्यूनतम समर्थन मूल्य से ऊपर की कीमतें देते हैं। इससे उन्हें अच्छी आय होती है।

हेल्दी अर्थ ब्रांड की रखी नींव

अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए बिक्रमजीत ने हेल्दी अर्थ ब्रांड की स्थापना की। उनके स्टोर में 216 से ज्यादा ऑर्गेनिक प्रोडक्ट उपलब्ध हैं। इसके अलावा, उन्होंने ऑर्गेनिक फूड रेस्टोरेंट भी शुरू किए हैं। मेनू में रागी मुख्य आकर्षण है। यह पोषण का पावरहाउस होता है। बिक्रमजीत युवाओं को प्रेरित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। भले ही उनके चचेरे भाई विदेश चले गए हों, लेकिन वह पंजाब में रोजगार के अवसर पैदा करना चाहते हैं।

पिछले दो साल में बिक्रमजीत ने सैकड़ों युवाओं को विदेश जाने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने किसानों को बेहतर आजीविका प्रदान की है। जनरेशन ऑफ फार्मिंग नाम के एक संगठन के जरिये उन्होंने जैविक खेती में क्रांति ला दी है। उनका लक्ष्य कृषि और खुदरा क्षेत्र में नौकरियां पैदा करना है। बिक्रमजीत की सफलता की कहानी कृषि और उद्योग को मिलाने के महत्व को दर्शाती है। आधुनिक तकनीक, स्मार्ट मैनेजमेंट कौशल और स्थानीय किसानों के सहयोग से उन्होंने 100 करोड़ रुपये का व्यवसाय खड़ा कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ नागरिकों की रियायत वापस लेकर 5 साल में 8913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत एक आवेदन पर रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) से प्राप्त जवाब के अनुसार, भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायतें वापस लेकर पांच वर्षों में लगभग 8,913 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। सीआरआईएस रेल मंत्रालय के अधीन कार्य करता है और विभिन्न अन्य सेवाएं प्रदान करने के अलावा टिकटिंग और यात्रियों के आंकड़ों का रखरखाव भी करता है।वरिष्ठ नागरिकों के लिए ट्रेन टिकट पर रियायत बहाल करने का सवाल संसद में कई मौकों पर सदस्यों की ओर से उठाया गया है। इसके जवाब में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेलवे पहले से ही प्रत्येक यात्री को औसतन 46 प्रतिशत रियायत देता है। 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 20 मार्च, 2020 से पहले सभी वर्गों के लिए ट्रेन टिकटों पर क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत की छूट मिलती थी। कोविड महामारी की शुरुआत के कारण रेल मंत्रालय ने यह सुविधा वापस ले ली थी।आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त यात्रियों के साथ-साथ उनसे प्राप्त राजस्व के आंकड़ों से पता चलता है कि 20 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2025 के बीच 31.35 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों (पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर) ने रियायतों के निलंबन के कारण 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान करके यात्रा की।

कर प्रोत्साहन उपाय भारतीय अर्थव्यवस्था को टैरिफ की मार से बचाने में मददगार, व्यापार संतुलन पर होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के जवाबी टैरिफ से जुड़े जोखिमों को देखते हुए मूडीज एनालिटिक्स ने 2025 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को 0.3 फीसदी घटाकर 6.1 फीसदी कर दिया है। मार्च में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.4 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान जताया था। वित्तीय सेवा कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा, अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है। इसलिए, भारतीय वस्तुओं के आयात पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने से व्यापार संतुलन पर भारी असर पड़ेगा। हालांकि, 2025-26 के बजट में घोषित टैक्स प्रोत्साहन उपायों से घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और इससे अन्य कमजोर अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में समग्र वृद्धि पर टैरिफ के झटके को कम करने में मदद मिलेगी।

रेपो दर में फिर होगी 0.25 फीसदी कटौती

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सकल महंगाई में अच्छी रफ्तार से कमी आ रही है। इससे आरबीआई को उदार रुख कायम रखने में मदद मिलेगी।मूडीज ने ब्याज दरों के मोर्चे पर कहा, हमें उम्मीद है कि आरबीआई रेपो रेट में एक बार फिर 0.25 फीसदी की कटौती करेगा। इससे साल के अंत तक प्रमुख नीतिगत दर घटकर 5.75 फीसदी रह जाएगी। मूडीज ने 'एपीएसी आउटलुक : यूएस वर्सेज देम' रिपोर्ट में कहा, भारत पर 26 फीसदी अमेरिकी टैरिफ से रत्न एवं आभूषण, चिकित्सा उपकरण और कपड़ा उद्योग सबसे बुरी तरह प्रभावित होंगे। इन क्षेत्रों की अमेरिका को होने वाले निर्यात में अधिक हिस्सेदारी है। फिर भी, हम उम्मीद करते हैं कि समग्र वृद्धि इस झटके से अपेक्षाकृत अछूती रहेगी क्योंकि बाहरी मांग जीडीपी का काफी छोटा हिस्सा है।

अमेरिका-चीन की लड़ाई में सोने की मौज, 1,700 रुपये उछल गई कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर बढ़ने से सोना रेकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। व्यापार को लेकर तनाव बढ़ गया है। इस वजह से सोना अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। निवेशकों को मंदी की आशंका डरा रही है और इसलिए वे सोने में पैसा लगा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि इसमें को सबसे सुरक्षित माना जाता है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी कीमत पहली बार 3,200 डॉलर प्रति औंस के पार चली गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोड़कर बाकी देशों के लिए रेसिप्रोकल टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया है। लेकिन चीन से आने वाले सामान पर टैक्स बढ़ा दिया है। अब चीन से आने वाले सामान पर 145 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

एमसीएक्स पर जून डिलीवरी वाला सोना सुबह 10.30 बजे 1233 रुपये यानी 1.34 फीसदी तेजी के साथ 93,266 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती कारोबार में यह 93,736 रुपये तक उछला। चांदी भी 763 रुपये की तेजी के साथ 92,358 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत 1 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3,217.43 प्रति औंस तक पहुंची। इस हफ्ते सोने के दाम में 5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका में सोने का वायदा कारोबार 1.5 प्रतिशत बढ़कर 3,226.50 पर पहुंच गया। अक्टूबर 2022 से इसमें 90 फीसदी तेजी आई है।

आगे कैसी रहेगी चाल- इस साल सोने की मांग बहुत ज्यादा रही है। कई देशों के सेंट्रल बैंकों ने जमकर सोना खरीदा है। लोगों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को कम करेगा। मध्य पूर्व और यूरोप में राजनीतिक अस्थिरता है। इसलिए भी लोग सोने में पैसा लगा रहे हैं। सोने में निवेश करने वाले श्वञ्जस्न में भी ज्यादा पैसा आ रहा है। गुरुवार के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में सामान की कीमतें मार्च में गिर गई हैं। लेकिन ट्रंप ने चीन पर जो टैक्स बढ़ाया है, उससे महंगाई बढ़ने का खतरा है।

इस खबर के बाद कारोबारियों को लग रहा है कि फेड जून में फिर से ब्याज दरें कम करेगा। शायद साल के अंत तक ब्याज दरें 1 प्रतिशत तक कम हो जाएं। सोने को हमेशा से ही राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई से बचने का एक तरीका माना जाता है। इस साल सोने के दाम में 21 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। सोने की बढ़ती कीमत दिखाती है कि दुनिया में डर का माहौल है। लोग अपनी संपत्ति को सुरक्षित रखना चाहते हैं, इसलिए वे सोना खरीद रहे हैं। आने वाले दिनों में सोने की कीमत और भी बढ़ सकती है।

विदेशी व घरेलू निवेशकों ने मार्च में बाजार में लगाए पांच अरब डॉलर, बीएफएसआई में सर्वाधिक निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी व घरेलू निवेशकों ने मार्च में शेयर बाजार में पांच अरब डॉलर निवेश किया। जेएम फाइनेंशियल सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, बीते महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 97.5 करोड़ डॉलर व घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने कुल 4.3 अरब डॉलर का घरेलू इक्विटी बाजार में निवेश किया है।

बाजार में एफआईआई की बढ़ती हिस्सेदारी

रिपोर्ट के अनुसार, मार्च की शुरुआत से लेकर 19 तारीख तक एफआईआई शेयर बाजार में शुद्ध विक्रेता थे। लेकिन, आखिरी हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने बड़े स्तर पर खरीदारी की और 3.6 अरब डॉलर से अधिक निवेश किया। इस कारण बाजार में एफआईआई की हिस्सेदारी बढ़कर 16.8 फीसदी हो गई है, जो फरवरी में 15.9 फीसदी थी।

एफआईआई ने किन क्षेत्रों में किया सर्वाधिक निवेश

जिन क्षेत्रों में एफआईआई ने सबसे अधिक निवेश किया, उनमें बैंकिंग, वित्तीय और बीमा सेवाएं (बीएफएसआई), दूरसंचार और मेटल शामिल थे। बीएफएसआई में 1.7 अरब डॉलर, टेलीकॉम में 36 करोड़ डॉलर और मेटल में 21.9 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया।एफआईआई का 60 फीसदी से अधिक निवेश बीएफएसआई, आईटी, तेल-गैस, ऑटो और फार्मा में था। भारत में एफआईआई की कुल संपत्ति में मार्च में बीएफएसआई की हिस्सेदारी बढ़कर 31.2 फीसदी पहुंच गई।

टमाटर हुआ काफी महंगा...1,300 रुपए प्रति नग टमाटर बिका !

नईदिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक टमाटर चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसकी कीमत जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। यह टमाटर किसी साधारण फल की तरह नहीं, बल्कि एक विशेष किस्म का है, जिसकी कीमत 1,300 प्रति नग है। इतनी ऊंची कीमत के बावजूद, यह टमाटर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, और लोग इसकी गुणवत्ता और विशेषताओं के बारे में चर्चा कर रहे हैं। भारत में टमाटर की कीमतें हाल के महीनों में काफी उतार-चढ़ाव से गुजर रही हैं। अक्टूबर 2024 में, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में टमाटर की कीमत 100 प्रति किलो तक पहुंच गई थी, जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हुई थी। इसके बाद, सरकार ने टमाटर की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए, जैसे रियायती दरों पर टमाटर की बिक्री शुरू करना।

इस विशेष टमाटर की सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, लोगों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। एक यूजर ने टिप्पणी की, मुझे इस टमाटर की जिंदगी जीनी है। दूसरे ने कहा, अमीर लोग गरीब लोगों की मदद करने के लिए इस तरह की चीजें खरीदने को ढूंढ़ लेते हैं। तीसरे ने लिखा, इस टमाटर की जिंदगी मेरी जिंदगी से ज्यादा अच्छी है।?

यह घटना इस बात को दर्शाती है कि सोशल मीडिया पर कभी-कभी ऐसी चीजें वायरल हो जाती हैं, जो हमारी सोच से परे होती हैं। यह टमाटर न केवल अपनी ऊंची कीमत के लिए चर्चा में है, बल्कि इसके साथ जुड़े हास्यप्रसंग भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।?

मां राजस्थान पिता एमपी से, बेटे ने ब्रिटेन में कमाया बड़ा नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मूल के निखिल राठी को ब्रिटेन के फाइनेंशियल कंडक्ट अथॉरिटी के सीईओ के रूप में दूसरा कार्यकाल मिला है। वित्त मंत्री रेचल रीव्स ने उन्हें फिर से नियुक्त किया है। राठी अगले पांच साल तक इस पद पर बने रहेंगे। सरकार का मानना है कि राठी का नेतृत्व आर्थिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। एफसीए वित्तीय बाजारों और 40,000 से ज्यादाफाइनेंशियल सर्विस कंपनियों का रेगुलेटर है। यह सुनिश्चित करता है कि ये सभी कंपनियां नियमों का पालन करें।

रेचल रीव्स ने कहा कि निखिल राठी ने सरकार के सुधार एजेंडे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह चाहती हैं कि राठी आर्थिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए और प्रयास करें। उन्होंने यह बात ब्रिटेन के ट्रेजरी विभाग से एक बयान में कही। रीव्स ने कहा, निखिल राठी इस सरकार के विनियमन को सुधारने के प्रयासों में महत्वपूर्ण रहे हैं ताकि यह विकास का समर्थन करे और निवेश को बढ़ावा दे। मुझे खुशी है कि वह एफसीए के नेतृत्व को जारी रखेंगे।

राठी एफसीए का करेंगे नेतृत्व

ट्रेजरी विभाग ने कहा कि राठी एफसीए का नेतृत्व करेंगे। एफसीए का टारगेट ब्रिटेन को व्यापार करने के लिए सबसे अच्छी जगह बनाना है। इसके लिए अनावश्यक और पुराने नियमों को हटाया जाएगा। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उपभोक्ताओं को नुकसान से बचाया जा सके और उन्हें बाजारों पर भरोसा हो।

अपनी दोबारा नियुक्ति पर राठी ने कहा कि एफसीए उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था के लिए एक निष्पक्ष और संपन्न वित्तीय सेवा क्षेत्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण काम करता है। उन्होंने कहा, मुझे उन सुधारों पर गर्व है जो हमने विकास का समर्थन करने, परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने, ऊंचे मानक स्थापित करने और अपने बाजारों को स्वच्छ और खुला रखने के लिए किए हैं। हालांकि, हमें इस अस्थिरता के युग में और आगे और तेजी से बढ़ना चाहिए। ब्रिटेन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में से एक है।

45 वर्षीय निखिल राठी का जन्म उत्तरी इंग्लैंड में हुआ था। उनके माता-पिता मधु और डॉ.राजेंद्र राठी राजस्थान और मध्य प्रदेश से हैं। राठी ने चेत्विंडे स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। फिर उन्होंने सेंट ऐनीज कॉलेज, ऑक्सफोर्ड से दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी की डिग्री हासिल की। वह कम्ब्रिया अंडर-12 टेनिस चैंपियन भी थे। उन्हें पहली बार 2022 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एफसीए का सीईओ नियुक्त किया था।

कोहली ने विदेशी नहीं देशी कंपनी पर खेला दांव, प्यूमा से 110 करोड़ की डील की खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर क्रिकेटर और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के पति विराट कोहली ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने बहुराष्ट्रीय कंपनी पुमा के साथ 110 करोड़ रुपये का करार खत्म कर दिया है। अब वे एगिलिटास नाम के एक भारतीय स्पोर्ट्सवियर स्टार्टअप में पैसा लगाएंगे। उनका लक्ष्य है कि भारत से एक बड़ा स्पोर्ट्सवियर ब्रांड बनाया जाए। एगिलिटास कंपनी को साल 2023 में अभिषेक गांगुली ने शुरू किया था। अभिषेक पहले पुमा इंडिया और साउथ-ईस्ट एशिया के एमडी थे। वे कई सालों से कोहली के साथ काम कर रहे थे। उन्होंने ही साल 2017 में कोहली को पुमा से जोड़ा था। अभिषेक गांगुली ने इस बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। लेकिन, पुमा के एक प्रवक्ता ने कहा, स्पोर्ट्स ब्रांड पुमा इंडिया क्रिकेटर और ब्रांड एंबेसडर विराट कोहली के साथ अपनी लंबी साझेदारी खत्म करने की पुष्टि करता है। पुमा विराट को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है और कहा कि यह उनके साथ कई वर्षों, कई उत्कृष्ट अभियानों और पथ-ब्रेकिंग उत्पाद सहयोगों का एक अद्भुत जुड़ाव था। इसका मतलब है कि पुमा ने कोहली को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि कोहली के साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव था। सबसे पहले मिन्ट नाम की वेबसाइट ने इस खबर को छापा था।

कोहली का अपना ब्रांड वन8 है। इसे कोहली ने साल 2017 में शुरू किया गया था। अब यह ब्रांड भी एगिलिटास के तहत काम करेगा। कंपनी भारत और दुनिया भर में वन8 को बढ़ाने में मदद करेगी।

कोहली के लिए यह सिर्फ बिजनेस नहीं

एक सूत्र ने बताया कि कोहली का पुमा से अलग होना सिर्फ एक बिजनेस फैसला नहीं है। 2017 में, कोहली ने पेप्सिको का विज्ञापन करना छोड़ दिया था। उन्हें लग रहा था कि वे मीठे ड्रिंक्स को बढ़ावा दे रहे हैं। एगिलिटास के साथ जुड़ने का फैसला भी कुछ ऐसा ही है। वे कुछ अच्छा करना चाहते हैं। सूत्र ने कहा, विराट एक निवेशक के तौर पर आगे आ रहे हैं। वे एक ऐसा भारतीय स्पोर्ट्सवियर ब्रांड बनाना चाहते हैं जो दुनिया भर में मशहूर हो और भारतीय प्रतिभा को बढ़ावा दे। इसका मतलब है कि कोहली चाहते हैं कि भारत का एक ऐसा ब्रांड बने जो पूरी दुनिया में जाना जाए और भारत के खिलाड़ियों को मदद करे।

भारतीय रियल एस्टेट में जनवरी-मार्च में इक्विटी निवेश 74 प्रतिशत बढ़ा: सीबीआरआई

नई दिल्ली, एजेंसी। संपत्तियों की मजबूत मांग के बीच भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में जनवरी-मार्च अवधि में सालाना आधार पर इक्विटी निवेश 74 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2.9 अरब डॉलर रहा। रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई के अनुसार, ''जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान निवेश प्रवाह मुख्य रूप से डेवलपर गतिविधि और रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (आरईआईटी) और संस्थागत निवेशकों की महत्वपूर्ण रुचि से प्रेरित रहा। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2024 में कुल इक्विटी निवेश 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। रियल एस्टेट से जुड़ी सेवाएं देने वाली सीबीआरई के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया व अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा, ''वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र लगातार जुझारूपन दिखा रहा है और निवेशकों की निरंतर रुचि आकर्षित कर रहा है।

राशा थडानी के साथ दोस्ती पर बोलीं तमन्ना - मैं मतलब के लिए दोस्त नहीं बनाती

बॉलीवुड में इन दिनों एक नई फ्रेंडशिप के काफी चर्चे हो रहे हैं। हालांकि, कई लोगों को ये दोस्ती थोड़ी अजीब भी लग रही है। ये नई जोड़ी है अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की। इन दोनों ही एक्ट्रेस की दोस्ती पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बनी हुई है। हालांकि, दोनों ही अभिनेत्रियों के बीच उम्र का अच्छा-खासा फासला है। इसी को लेकर अक्सर ये सवाल भी उठता है कि आखिर ये दोनों दोस्त कैसे बने? अब इसी को लेकर तमन्ना ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और बताया है कि कैसे वो और राशा थडानी दोस्त बन गए।

कहां पहली बार मिले वो और राशा

परमिट रूम पॉडकास्ट में बात करते हुए तमन्ना ने राशा के साथ अपनी दोस्ती की शुरूआत कहां से हुई और कब दोनों पहली बार मिले, इसको लेकर बात की। तमन्ना ने कहा, मैं और राशा एक पार्टी में पहली बार मिले। इसके बाद हम दोनों साथ में डांस करने लगे। उसके बाद हम एक-दूसरे के संपर्क में आ गए। हम दोनों के बीच उम्र का पर्याप्त फासला है, लेकिन ये मायने नहीं रखता। क्योंकि यह लोगों के साथ उनके व्यक्तित्व के हिसाब से संबंध बनाने के बारे में है। जिससे आपकी बॉन्डिंग अच्छी बन जाती है, वो आपका दोस्त बन जाता है।

मैं मतलब के लिए नहीं करती दोस्ती

तमन्ना ने आगे कहा, मैं उन लोगों के साथ दोस्ती करती हूं जिनके साथ मैं मजे कर सकूं, जिनका साथ मुझे अच्छा लगे और वो भी मेरे साथ ऐसा ही महसूस कर सकें। मैं किसी भी तरह के लाभ या मतलब के लिए किसी से दोस्ती नहीं करती हूं। यही होना भी चाहिए। पिछले कुछ दिनों में

तमन्ना और राशा थडानी को अक्सर एक साथ देखा गया है। फिर वो चाहे राशा के जन्मदिन की पार्टी हो या फिर रवीना टंडन के घर पर हुई होली पार्टी। दोनों ने एकसाथ काफी मस्ती की और इसके वीडियो-फोटो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए थे। इसके अलावा राशा की पहली फिल्म 'आजाद' के वक्त भी तमन्ना ने फिल्म के गाने 'उई अम्मा' पर राशा के साथ कई रील बनाई थीं।

'ओडेला 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं तमन्ना

वर्कफ्रंट की बात करें तो राशा थडानी ने इसी साल आई फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में कदम रखा है। हालांकि, अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। वहीं तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ओडेला 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होनी है।

सनी देओल ने किया खुलासा, आलोचना होने पर क्या करते हैं एक्टर

सनी देओल की एक्शन से भरपूर फिल्म जाट सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। जाट फिल्म के सितारे जिसमें रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और जगपति बाबू शामिल हैं, अपनी दमदार अदाकारी दिखाने के लिए तैयार हैं। सनी देओल ने बताया कि बॉलीवुड में लंबा सफर तय करने के बावजूद उन पर आने वाली फिल्म को लेकर दबाव है। जाट की रिलीज को लेकर उत्सुकता के बारे में पूछे जाने पर सनी देओल ने माना कि इंडस्ट्री में दशकों बिताने के बाद भी, उन्हें अभी भी फिल्म की रिलीज से पहले घबराहट महसूस होती है। सनी देओल ने कहा हमेशा डर लगता है, तनाव रहता है।

दर्शकों से सनी देओल को प्यार की उम्मीद जाट के ट्रेलर को लोगों का खूब प्यार मिला है। ऐसे में सनी देओल को उम्मीद है कि फिल्म को भी वैसा ही प्यार मिलेगा। उन्होंने कहा, अगर फिल्म को ट्रेलर जितना ही प्यार और समर्थन मिलता है, तो ये अच्छी बात होगी। सनी देओल ने विवादों के बारे में बताया कि अपने करियर में शुरूआत में उन्हें नाकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। लेकिन उन्होंने इससे उबरना सीख लिया।

परेशान होकर पापा के पास नहीं गए सनी देओल

सनी देओल से पूछा गया कि जब लोगों ने उन्हें नकारात्मक प्रतिक्रिया दी तो क्या उन्होंने कभी अपने पिता धर्मेंद्र से मदद ली? इस पर उन्होंने कहा पहले लोग कुछ भी लिखते थे तो मुझे नहीं अच्छा लगता था। लेकिन मैं कभी पापा के पास नहीं गया। मैं हमेशा अपने आपसे सोचता था कि मैंने ऐसी गलती क्यों की? तब मैं समझा कि वह क्या कह रहे हैं और मैंने क्या किया है। दोनों में बड़ा अंतर था। मैंने नकारात्मक विचारों को गंभीरता से नहीं लिया। मुझे पता था कि मैं क्या कर रहा हूं और क्या करना है।

फिल्मों में प्यार, परिवार और संस्कृति नहीं बदली है

सनी देओल ने कहा मैं 21-24 साल का था, अब मैं 67 साल का हूं। फिल्म उद्योग में बहुत सारे बदलाव होने के बावजूद कहानी कहने के तरीके में बदलाव नहीं हुआ है। फिल्म में प्यार, परिवार और संस्कृति में बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, बुनियादी बातें वही रहेंगी, जमीनी स्तर पर हम जो हैं, हमारी संस्कृति, हमारा प्यार, हमारा परिवार, वही रहेगा। उन्होंने संकेत दिया कि फिल्म उद्योग भले ही तकनीक और कहानी कहने के मामले में विकसित हो रहा हो, लेकिन उनके काम का भावनात्मक सार वही है।

मैं अपनी उम्मीदें ज्यादा नहीं रखना चाहती

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है। द रॉयल्स में भूमि एक ग्लैमरस और ताकतवर उद्यमी का किरदार निभा रही हैं। यह उनकी पहले की फिल्मों से बिल्कुल अलग है। भूमि की सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया, जिसे देखने के बाद फैंस की उम्मीदें इस सीरीज से और अधिक बढ़ गई हैं। द रॉयल्स में भूमि के अलावा ईशान खट्टर भी नजर आएंगे। इस सीरीज में उनका किरदार नया और बिल्कुल अलग है। ओटीटी प्ले की एक खबर के मुताबिक भूमि ने कहा, वह इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन अपनी उम्मीदें कम रखती हैं। उन्हें अब तक दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और लोग उन्हें ईशान के साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। भूमि और ईशान की जोड़ी को फैंस पसंद कर रहे हैं। अपने 10 साल के करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दम लगा के हईशा से लेकर द रॉयल्स तक का सफर उनके लिए खास रहा है। भूमि ने आगे कहा कि वह अपने किरदारों के लिए बदलाव करने को तैयार रहती हैं। द रॉयल्स के साथ भूमि ओटीटी पर कदम जमाने वाली हैं।

इंडियन आइडल 15 जीतने से पहले ही मानसी घोष ने किया था बॉलीवुड में डेब्यू

कई महीनों तक कड़ी प्रतिस्पर्धा और अच्छा परफॉर्मेंस देने के बाद आखिरकार इंडियन आइडल 15 को अपना विजेता मिल गया है। कोलकाता की 24 साल की मानसी घोष ने इंडियन आइडल 15 का खिताब अपने नाम किया। उन्हें इनाम में एक ट्रॉफी, एक कार और 25 लाख रुपये मिले। इसके साथ उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से लोगों का दिल भी जीता। मानसी का ताल्लुक पश्चिम बंगाल के कोलकाता से है। उन्हें बचपन से ही गाने का शौक है। वह जब आठवीं में थीं तो उन्होंने गायिका बनने का सपना देखा था। तभी से वह इस पर मेहनत कर रही हैं। जब वह गायिकी के लिए मेहनत कर रही थीं उस दौरान उनके रास्ते में कई दिक्कतें भी आईं। स्पेशल एपिसोड में उनके मां-बाप भी स्टेज पर नजर आए और उनके बचपन के कड़े संघर्ष के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि छोटी उम्र में ही मानसी ने वित्तीय जिम्मेदारियां उठा ली थीं। मानसी ने उनसे कहा था मैं तुम्हारे लिए कई घर खरीदूंगी।

बॉलीवुड के लिए पहले गाना गा चुकीं मानसी

आपको बता दें कि मानसी सिर्फ इंडियन आइडल में जीत की वजह से सुर्खियों में नहीं हैं, बल्कि वह बॉलीवुड में डेब्यू की वजह से भी चर्चा में हैं। इंडियन आइडल में जीत दर्ज करने से पहले मानसी ने बॉलीवुड के लिए गाना गाया है। मानसी ने इस बारे में बात करते हुए स्क्रीन से बताया बॉलीवुड में मेरा डेब्यू ललित पंडित और शान सर के साथ हुआ है। यह गाना पहले ही रिकॉर्ड हो चुका है। यह गाना आने वाली फिल्म के लिए है। अब मैं बादशाह सर के साथ गाउंगी।

देश में अशिक्षा है सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की यूथ चैंपियन अभिनेत्री संजना सांघी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। अभिनेत्री का मानना है कि अशिक्षा ही हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय काम के अनुभव पर भी बात की। संजना ने बताया कि उन्हें किस बात ने प्रेरित किया। सांघी ने कहा, मुझे याद है कि मैंने एम्मा वाटसन को यूएन में बोलते हुए देखा था और मेरे पर वहीं से प्रभाव पड़ा। बच्चों को पढ़ाने से मुझे उनसे जुड़ाव का एहसास हुआ। आखिरकार, मैंने वॉलंटियर्स को सलाह देना शुरू कर दिया और उस पहल को आगे बढ़ाया। मेरा सपना एक ऐसे संगठन के निर्माण करने का है, जहां हमारे देश में कोई भी अशिक्षित न हो, मुझे लगता है कि शिक्षा की कमी हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। सांघी का मानना है कि शिक्षा से जेंडर और वेतन असमानता तथा स्वास्थ्य जागरूकता की कमी जैसे कई मुद्दों का समाधान हो सकता है। संजना ने आगे कहा, शिक्षा की कमी हमारे सामने आने वाले बड़े मुद्दों की जड़ है। इसे हल करें और आप लिंग और वेतन असमानता, मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता, महिला अधिकार जैसे विषयों पर खुलकर बात कर सकेंगे। दुर्भाग्य से लॉकडाउन में अध्ययनों से पता चलता है कि 10 मिलियन लड़कियों को स्कूल छोड़ने और घर में रहने के लिए मजबूर किया गया। वहीं, लड़कों की संख्या एक मिलियन से कम थी। शुरुआती सफलता और चुनौतियों से निपटने के बारे में उन्होंने बताया, ओम का बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक प्रदर्शन न करने से मुझे एहसास हुआ कि प्रक्रिया ही पुरस्कार है। उन्होंने आगे बताया, मुझे याद है कि मैंने शुक्रवार को रिलीज के जश्न के लिए अपने सभी दोस्तों को बुलाया था, क्योंकि यह एक ऐसी यात्रा थी, जिसका मैंने बहुत आनंद लिया और यह मेरे लिए एक अनुभव के रूप में एक मजेदार यात्रा थी।

'खोसला का घोसला 2' को लेकर रणवीर शौरी ने दी बड़ी अपडेट, मार्केटिंग को लेकर कही ये बात

अभिनेता रणवीर शौरी अपने दमदार किरदारों के लिए जाने जाते हैं। समीक्षकों से लेकर दर्शक तक उनकी अदाकारी की प्रशंसा करते हैं। हाल ही में उनकी वेब सीरीज कनेडा रिलीज हुई है। जयपुर में हुए 'आईफा 2025' में अभिनेता ने भी शिरकत की थी। इस दौरान उन्होंने अमर उजाला के साथ खास बातचीत में मार्केटिंग और पीआर को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि उनके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है?

दिखावे पर लोगों का ज्यादा विश्वास

रणवीर शौरी ने कहा कि लोग कंटेंट की जगह ज्यादातर दिखावे पर विश्वास करने लगे हैं। अभिनेता के अनुसार केवल मार्केटिंग पर ही निर्भर रहना ठीक नहीं है। कंटेंट पर ज्यादा फोकस होना चाहिए।

मार्केटिंग और पीआर लंबा नहीं चलता

अभिनेता ने मार्केटिंग और पीआर पर निर्भरता को ठीक नहीं बताया। वह खुद भी इन चीजों से दूर रहते हैं। उन्होंने कहा, ' मार्केटिंग में एक खालीपन है। ऐसी चीजें बहुत कम समय के लिए होती हैं। सिर्फ मार्केटिंग पर निर्भर रहना ठीक नहीं है। यह बहुत कम समय तक चलती हैं। हमें सब्सटेंस पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। यह लंबा चलती हैं।' बातचीत के दौरान जब रणवीर से पूछा गया कि वह किस तरह के किरदार निभाना पसंद करते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि वह किरदार को पकड़कर नहीं चलते। उन्होंने कहा, मेरी जर्नी कहानियां सुनने के हिसाब से चलती है। अगर अच्छी स्क्रिप्ट आ रही है, कहानी अच्छी हो, अच्छा रोल हो, डायरेक्टर अच्छा हो, तो मैं भी एक्साइट होता हूं।' कंटेंट वाली फिल्मों के कम आने पर कहा कि ऐसी फिल्में को लोग अच्छा कहते हैं, लेकिन सिनेमाघरों में देखने कितने लोग जाते हैं। यह भी मायने रखता है।

'खोसला का घोसला' को लेकर दी अपडेट

रणवीर से 'खोसला का घोसला' के अगले पार्ट को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि प्रोड्यूसर कह चुकी हैं कि कुछ प्लान है उनका, लेकिन अभी तक उन्होंने इसे लेकर कुछ सुना नहीं है।

साउथ फिल्म में डेब्यू को तैयार धीरज धूपर

टेलीविजन स्टार धीरज धूपर अपकमिंग फिल्म कलावरम के साथ तेलुगू सिनेमा में डेब्यू के लिए तैयार हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि टेलीविजन उनका हमेशा से पहला प्यार रहेगा। अभिनेता ने कहा कि टेलीविजन हमेशा उनका पहला प्यार रहेगा। इस माध्यम ने ही उन्हें सफलता का स्वाद चखाया। अभिनेता ने कहा कि वह हमेशा से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करना चाहते थे। लेकिन, टेलीविजन के प्रति उनकी प्रतिबद्धताओं की वजह से वह कदम नहीं रख पाए। उन्होंने कहा, जैसा कि सभी जानते हैं, टीवी बेहद मांग वाला काम है, जिसमें सप्ताह में छह से सात दिन शूटिंग होती है। हालांकि, मेरा मानना है कि अवसर सही समय पर आते हैं और यह मेरे लिए एकदम सही पल था। उन्होंने आगे बताया, मैं हमेशा से मनोरंजन के सभी फॉर्मेट, ओटीटी, टेलीविजन और फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता था। अब जब मुझे विभिन्न प्लेटफार्म्स के माध्यम से अपने प्रशंसकों से जुड़ने का मौका मिल रहा है, तो मैं वास्तव में इसका आनंद ले रहा हूं। टीवी हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा, और मैं अभी भी छोटे पर्दे के लिए तैयार हूं, लेकिन मैं अन्य माध्यमों को भी तलाशना चाहता हूं। उन्होंने बताया, मैं निर्माता से मिलने गया था और इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाता, मैं एक प्रपोजल पर तैयार हो गया। मैं हमेशा से टॉलीवुड का हिस्सा बनना चाहता था, लेकिन प्रतिबद्धताओं के कारण, मैं पहले इसे एक्सप्लोर नहीं कर सका। मैं खलनायक की भूमिका के रूप में काम करने को तैयार हूं।

काशवी ने चमकाया चंडीगढ़ का नाम

भारतीय टीम में मिली जगह, पांड्या हैं रोल मॉडल

चंडीगढ़, एजेंसी। काशवी गौतम ने चंडीगढ़ और यूटीसीए का नाम रोशन किया है। काशवी शहर की पहली महिला क्रिकेटर बनी है जिनका चयन भारतीय महिला टीम में हुआ है। काशवी ऑलराउंडर हैं और वह हार्दिक पांड्या को अपना रोल मॉडल मानती हैं। सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ की युवा ऑलराउंडर काशवी गौतम को श्रीलंका में 27 अप्रैल से शुरू होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चुना गया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली काशवी गौतम यूटीसीए (यूटी क्रिकेट एसोसिएशन) की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं।

यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन ने सेक्टर-16 क्रिकेट स्टेडियम में काशवी को सम्मानित किया। संजय टंडन ने कहा कि काशवी भारतीय टीम की जर्सी पहनने वाली यूटीसीए की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करिअर के लिए बल्कि चंडीगढ़ और यूटीसीए के लिए भी ऐतिहासिक है। इस समारोह में काशवी के माता-पिता सुदेश शर्मा और सीमा शर्मा भी मौजूद रहे।

देहरादून में वरिष्ठ महिला बहु–दिवसीय टूर्नामेंट में खेल रहीं काशवी

काशवी को 2025 महिला प्रीमियर लीग में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चुना गया था, जहां उन्होंने गुजरात जायंट्स के लिए खेलते हुए 9 मैचों में 11 विकेट लिए थे। वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज थीं। वर्तमान में, वह देहरादून में वरिष्ठ महिला बहु-दिवसीय टूर्नामेंट में खेल रही हैं, जहां उन्होंने तीन मैचों में 194 रन बनाए हैं, जिसमें एक नाबाद शतक (106 रन) शामिल है।

पांड्या हैं रोल मॉडल, हरमनप्रीत कौर काशवी की आदर्श कप्तान

काशवी ने बताया कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम में हरमनप्रीत कौर उनकी आदर्श कप्तान हैं। वहीं राष्ट्रीय पुरुष टीम में हार्दिक पाड्या उनके रोल मॉडल हैं। काशवी ने कहा कि हरमन की कप्तानी में खेलना मेरे लिए गर्व की बात होगी। काशवी का चयन ऐसे समय में हुआ है, जब भारतीय महिला टीम सितंबर-अक्तूबर 2025 में अपने घर में होने वाले आईसीसी विश्व कप की तैरी कर रही है।

कुछ चीजों पर कंट्रोल नहीं होता

आईपीएल 2025 से बाहर होने पर बोले ऋतुराज गायकवाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से बाहर होने वाले ऋतुराज गायकवाड़ का बयान सोशल मीडिया पर जारी किया है। गायकवाड़ 30 मार्च को कोहनी में लगी चोट के कारण शेष सीजन से बाहर हो गए। उन्हें 30 मार्च को लगी थी। हालांकि, उन्होंने उस चोट के बावजूद दो मैच खेले, लेकिन अंततः उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। गायकवाड़ की अनुपस्थिति में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी एमएस धोनी के हाथों में होगी। गुरुवार देर रात सीएसके ने सोशल मीडिया पर गायकवाड़ का एक वीडियो अपलोड किया। इसमें उन्होंने सीजन से बाहर होने पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि धोनी की कप्तानी में चीजें बदलेंगी।

ऋतुराज गायकवाड़ ने वीडियो में कहा, दुर्भाग्यपूर्ण कोहनी की चोट के कारण आईपीएल से बाहर होने से वाकई बहुत दुखी हूं। लेकिन अब तक आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हां, हम कुछ समय से संघर्ष कर रहे हैं। आप जानते हैं कि अब एक युवा विकेटकीपर टीम का नेतृत्व करेगा। उम्मीद है कि चीजें बदलेंगी।

ऋतुराज ने कहा, मैं टीम के साथ रहूंगा। उनका पूरा समर्थन करूंगा। निश्चित रूप से इस टीम को इस स्थिति से बाहर निकालना पसंद करूंगा, लेकिन आप जानते हैं कि कुछ चीजों पर कंट्रोल नहीं होता। जैसा कि मैंने कहा, निश्चित रूप से डगआउट से टीम का समर्थन करने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि हमारा आने वाला सीजन शानदार रहेगा। धन्यवाद।चेन्नई सुपर किंग्स ने 2025 की शुरुआत मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत से की थी। इसके बाद उसे लगातार 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। वह अंक तालिका में 9वें नंबर पर है। चेन्नई सुपर किंग्स को छठा मुकाबला शुक्रवार (11 अप्रैल) को कोलकाता नाइट राइडर्स (च्यक्र) से खेलना है। महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में वह जीत की राह पर लौटना चाहेगी। ऋतुराज गायकवाड़ की जगह चेन्नई सपर किंग्स की प्लेइंग 11 में दिल्ली के वंश बेदी को मौका मिल सकता है।

विराट कोहली के आत्मघाती बनने के 32 सबूत, ये कदम उठाने से पहले अब 2 बार सोचें!

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस विराट कोहली ने आरसीबी को आईपीएल के अपने पूरे 18 सीजन दे दिए, वही अब आत्मघाती हो गए हैं. विराट आरसीबी के लिए खतरा बन रहे हैं. आप सोच रहे होंगे कि ऐसा भला हम क्यों कह रहे हैं. तो आईपीएल में इसके एक नहीं 32 सबूत हैं, जिससे उनके खतरा बनने का पता चलता है? सबसे ताजा-ताजा सबूत तो 10 मार्च को दिल्ली और बेंगलुरु के मैच में ही देखने को मिला. दिल्ली से मैच में जो हुआ वही 32वां सबूत था और उसे देखने के बाद एक बात तो साफ है कि अब कोहली के साथ इस तरह का कदम उठाने से पहले किसी को भी 2 बार सोचना पड़ेगा. अब सवाल है कि वो 32 सबूत हैं क्या? किस चीज से जुड़े हैं? तो उसके तार आईपीएल इतिहास में हुए रन आउट से संबंधित हैं. आईपीएल के इतिहास में अब तक 32 रन आउट ऐसे रहे हैं, जिसमें विराट कोहली शामिल रहे हैं. उन 32 रन आउट का जब पोस्टमार्टम करेंगे तो जो सच बाहर आता है, वो और भी डरावना है, जिससे ये पता चलता है कि विराट कोहली वाकई कितने खतरनाक साबित हो रहे हैं?

8 बार खुद, 24 बार साथी खिलाड़ी को कराया रन आउट

आईपीएल में हमेशा आरसीबी से खेलने वाले विराट कोहली 32 रन आउट में शामिल रहे. इसमें से वो खुद सिर्फ 8 बार ही आउट हुए हैं. इसका मतलब है कि 24 बार उन्होंने अपने पार्टनर को आउट कराया है. 10 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपने आरसीबी के साथी फिल सॉल्ट को भी उन्होंने ही रन आउट कराया था.

दिल्ली के खिलाफ फिल सॉल्ट को कराया रन आउट

फिल सॉल्ट और विराट कोहली आरसीबी के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे थे. बतौर ओपनिंग जोड़ी उनके बीच तेज-तर्रार साझेदारी भी बनी. दोनों ने स्कोर बोर्ड पर 61 रन जोड़ दिए. लगा सब ठीक चल रहा है तभी विराट और सॉल्ट के बीच रनिंग बिटविन विकेट के दौरान कन्फ्यूजन क्रिएट हो गई. नतीजा ये हुआ कि सॉल्ट को डगआउट लौटना पड़ा.

सॉल्ट को रन आउट करा, विराट ने क्या कराया नुकसान?

रन आउट होने के चलते फिल सॉल्ट की तूफानी पारी पर ब्रेक लग गया. उन्होंने 217 से भी ज्यादा की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 17 गेंदों में ही 37 रन जड़े, जिसमें 3 छक्के और 4 चौके शामिल रहे. वहीं विराट भी रन आउट की उस धटना के बाद विकेट पर नहीं टिक सके. 2 ओवर बाद ही वो भी 14 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हो गए. फिल सॉल्ट के चलते आरसीबी का स्कोर बोर्ड जहां तेजी से बढ़ रहा था. वो उनके रन आउट होने के बाद उसके स्पीड में उतनी ही तेजी से गिरावट आई. नतीजा ये हुआ कि आरसीबी की टीम 20 ओवर में सिर्फ 163 रन ही बना सकी.

चिन्नास्वामी में केएल राहुल ने गाढ़ा बैट

मारा छाती पर हाथ, 9 साल बाद बनाया यह रिकॉर्ड

बेंगलुरू, एजेंसी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में केएल राहुल के लिए वीरवार का दिन बेहद शानदार गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबला खेल रही दिल्ली को जीत के लिए 164 रन चाहिए थे लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय उनके 30 रन पर तीन विकेट गिर गए थे। ऐसे समय में केएल राहुल ने अपना बल्ला चलाया और 53 गेंदों पर 93 रन बनाकर 18वें ओवर में अपनी टीम को जीत दिला दी। राहुल जीत के बाद इतना खुश थे कि उन्होंने मैदान पहले बल्ला गाढ़ा तो उसके बाद छाती पर हाथ मारकर अपना जोश दिखाया। राहुल ने इस मैदान पर 9 साल बाद फिफ्टी लगाई है। इसका जोश उनके चेहरे पर साफ देखने को मिल रहा था। राहुल ने इसी के साथ आईपीएल में रन चेज का अपना रिकॉर्ड मजबूत कर लिया है। राहुल ने रन चेज में 25 पारियों में 71 की औसत से 1208 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 148 रही है। वह 12 पचासे लगा चुके हैं जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 98 नाबाद रहा है। वह उन 56 बल्लेबाजों में से एक है जिन्होंने आईपीएल में सफल रन-चेज में कम से कम 500 रन बनाए हैं। वह डेविड मिलर (103.70) के बाद सबसे बेहतरीन औसत वाले प्लेयर हैं। आरसीबी को उनके घरेलू मैदान पर हराने के बाद राहुल सीधा ही विराट कोहली को टक्कर देते नजर आए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चिन्नास्वामी मेरा घरेलू मैदान है। यहां कैसे खेलना है मुझे अच्छी तरह से पता है।

आईपीएल 2025

एकमात्र कप्तान जिसने 200 के स्ट्राइक रेट से की है अब तक बल्लेबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पंजाब किंग्स के कप्तान और विस्फोटक बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इस सीजन में अब तक एकमात्र ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने अभी तक 200 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और उनका औसत भी 80 से ऊपर है। श्रेयस अय्यर ने चार मैच खेले हैं और 168 रन बनाए हैं। 97 रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा है। अब तक अय्यर के बल्ले से 10 चौके 14 छक्के निकले हैं। पंजाब किंग्स के लिए अय्यर ने दो पारियों में दो हाफ सेंचुरी भी लगाई है। हालांकि, बीते दो मैच में उनका बल्ला नहीं चला है, बावजूद उनकी स्ट्राइक रेट अन्य कप्तानों की तुलना में सबसे ज्यादा है।

वहीं, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने 168.75 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। पांड्या ने चार मैच की तीन पारियों में 81 रन बनाए। पांड्या के बल्ले से 6 चौके और 5 छक्के निकले हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने इस सीजन में अब तक 161.74 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं। पाटीदार ने 5 मैच की 5 पारियों में 186 रन बनाए। 17 चौके और 9 छक्के जड़ चुके हैं। रजत के बल्ले से दो हाफ सेंचुरी भी आई है और उन्हें दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड भी दिया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं। उन्होंने 160.00 की स्ट्राइक रेट से पांच मैच की पांच पारियों में 184 रन बनाए हैं। रहाणे के बल्ले से 17 चौके और 12 छक्के निकले हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने 150.85 की स्ट्राइक रेट के साथ 5 मैच की 5 पारियों में 178 रन बनाए हैं। सैमसन के बल्ले से 20 चौके और 7 छक्के निकले। हालांकि, संजू शुरुआती मैचों में कप्तानी के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी जगह रियान पराग ने कप्तानी की थी। लेकिन, संजू एक बार फिर से टीम की कमान अपने हाथों में ले चुके हैं। फैंस को उम्मीद है कि आने वाले मैचों में उनकी बल्लेबाजी का दमखम देखने के लिए मिलेगा। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 150.61 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की 5 पारियों में 122 रन बनाए। 14 चौके और 4 छक्के जड़े। गायकवाड़ ने दो पारियों में सीएसके के लिए हाफ सेंचुरी भी लगाई। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने 146.53 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की पांच पारियों में 148 रन बनाए। गिल के बल्ले से 16 चौके और 5 छक्के निकले। दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग ऑलराउंडर कप्तान अक्षर पटेल ने 4 मैच की 3 पारियों में 161.11 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। अक्षर ने 56 रन बनाए हैं। अक्षर के बल्ले से 7 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के निकले हैं। ऐसे ही सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस भी मुख्य तौर पर गेंदबाजी करते हैं। बल्लेबाजी में कमिंस ने 155.55 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की 5 पारियों में 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 5 चौके और 4 छक्के भी आए। सबसे निचले स्थान पर हैं लखनऊ सुपरजाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, जिन्होंने सिर्फ 59.37 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। पंत ने 5 मैच की चार पारियों में महज 19 रन बनाए। पंत के बल्ले से इस सीजन में एकमात्र छक्का ही लगा है।

एक क्लिक पर मिलेगी धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम की लोकेशन, लगेंगे क्यूआर कोड

धर्मशाला, एजेंसी। आईपीएल मैचों के दौरान बाहरी राज्य और अन्य जिलों से आने पर क्रिकेट प्रेमियों और पर्यटकों को एक क्लिक पर ही स्टेडियम की लोकेशन मिलेगी। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में आगामी माह में प्रस्तावित आईपीएल मैचों के दौरान बाहरी राज्य और अन्य जिलों से आने पर क्रिकेट प्रेमियों और पर्यटकों को एक क्लिक पर ही स्टेडियम की लोकेशन मिलेगी। पर्यटक साइन बोर्ड में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर क्रिकेट स्टेडियम की लोकेशन जान सकेंगे, ताकि मैचों के दौरान धर्मशाला आने वाले क्रिकेट प्रेमियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो और वह रास्ता न भटकें। वीरवार को धर्मशाला स्टेडियम में उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा की अध्यक्षता में आईपीएल मैचों की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन और एचपीसीए के बीच बैठक का आयोजन किया गया।

इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों और दर्शकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए पुख्ता कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन के संदर्भ में कानून, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति, सड़कों की मरम्मत, शहर की साफ-सफाई और अग्निशमन सेवाओं इत्यादि सहित अन्य संबंधित तैयारियों का जायजा लिया और इस बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को मैच के आयोजन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि आयोजन से पहले धर्मशाला और इसके आसपास के क्षेत्रों की सड़कों और लाइटों की व्यवस्था चकाचक होगी। पेयजल, पार्किंग के लिए भी प्लान तैयार किया गया है। वहीं, मैच के दौरान वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित स्थलों की नंबरिंग करके दिशा सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए निकासी गेटों से पार्किंग स्थलों तक दिशा सूचक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिला के मुख्य सड़कों पर क्यूआर कोर्ड वाले साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इसके अलावा नगर निगम धर्मशाला क्षेत्र में लगी एलईडी पर स्टेडियम की लोकेशन को क्यूआर कोर्ड प्रदर्शित किया जाएगा। इसे स्कैन कर पर्यटक सही लोकेशन हासिल कर सकेंगे। इसके अलावा अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को स्टेडियम में अग्नि संबंधी आपातकालीन प्रबंधों का निरीक्षण करने और आवश्यक अग्निशमन सेवाएं सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसएसपी शालिनी अग्निहोत्री ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्लान, पार्किंग के प्लान को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार, उपाध्यक्ष अमिताभ शर्मा, कोषाध्यक्ष विक्रम, नगर निगम आयुक्त जफर इकबाल, एडीसी विनय कुमार सिंह व विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात को लेकर नए प्लान पर कांग्रेस में टेंशन, जाति आधारित राजनीति के खिलाफ उठी आवाज

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी पार्टी में नई जान फूंक देना चाहते हैं। वह बीजेपी को 2017 की तरह गुजरात में चुनौती देने की योजना बना रहे हैं। हालांकि उनके प्लान को लेकर गुजरात कांग्रेस में सभी खुश नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान कई नेता हॉल छोड़कर बाहर निकल गए। उनका कहना था कि इसे अब और बर्दाश्त करना मुश्किल है क्योंकि यह प्लान बहुत ही निराशाजनक है। गुजरात में कांग्रेस के नए प्रस्ताव को लेकर नेताओं में असंतोष देखा गया। इंडिया कन्वेंशन सेंटर में गुजरात को लेकर नया प्रस्ताव पास किया गया। इस प्रस्ताव में राज्य में जातिगत जनगणना, अनुसूचित जाति और जनजातियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही गई है। कांग्रेस गुजरात में सामाजिक न्याय को आगे करके चलना चाहती है। वहीं गुजरात कांग्रेस के कई नेता उसे गलती मान रहे हैं। उनका कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री माधवसिंह सोलंकी ने भी यही गलती थी।

पीरागढ़ी और अंधेरिया मोड़ पर खत्म होगा ट्रैफिक, पीडब्ल्यूडी बनाएगा अंडरपास

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) दो सबसे बिजी (व्यस्त) चौराहों- पश्चिमी दिल्ली में पीरागढ़ी चौक और दक्षिणी दिल्ली में अंधेरिया मोड़- पर भीड़भाड़ कम करने के लिए अंडरपास बनाने की योजना बना रहा है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया कि उन्होंने अधिकारियों को अंडरपास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया है, जिसके लिए जल्द ही एक एजेंसी को काम दिया जाएगा। वर्मा ने कहा, मैंने विभाग से इन दोनों चोक पॉइंट्स पर अंडरपास के लिए डीपीआर तैयार करने को कहा है। मुझे रोजाना ट्रैफिक जाम से जुड़ी कई शिकायतें मिल रही हैं। मैंने विभाग से इन पॉइंट्स पर ट्रैफिक समस्या के संभावित समाधानों की वैकल्पिक योजनाएं शेयर करने को भी कहा है, ताकि बजट को उसी हिसाब से आवंटित किया जा सके। हम धीरे-धीरे पीडब्ल्यूडी सड़कों के आसपास ऐसे सभी जाम पॉइंट्स को खत्म करेंगे। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने बजट में सड़कों और फ्लाईओवर के लिए 3,800 करोड़ रुपये से ज्यादा का आवंटन किया है, जिसका उपयोग शहर में सड़क के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए किया जाएगा। वर्मा ने कहा, मैंने विभाग से इन दोनों चोक पॉइंट पर अंडरपास के लिए डीपीआर तैयार करने को कहा है। मैंने विभाग से इन पॉइंट पर ट्रैफिक समस्या के समाधान की वैकल्पिक योजनाएं साझा करने को कहा है, ताकि बजट को उसके अनुसार आवंटित किया जा सके। हम धीरे-धीरे पीडब्ल्यूडी की सड़कों के आसपास ऐसे सभी भीड़भाड़ वाले पॉइंट पर काम करेंगे।

दिल्ली के द्वारका में बिना इजाजत काट दिए 100 पेड़

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के द्वारका में बिना इजाजत पेड़ काटने का मामला सामने आया है। इसे लेकर गुरुवार को दिल्ली के वन और वन्यजीव विभाग ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) को नोटिस जारी किया है। विभाग को शिकायत मिली है कि द्वारका सेक्टर 5 में एक भूखंड पर पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि का टुकड़ा एनआईआई का है, जबकि सीपीडब्ल्यूडी इस क्षेत्र में काम कर रहा है।

राजधानी में पेड़ों को काटने के लिए किसी भी एजेंसी को दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम (डीपीटीए), 1994 के तहत वन विभाग से अनुमति लेनी अनिवार्य होती है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि द्वारका साइट पर अनुमानित 100 पेड़ काटे गए, लेकिन एक भी पेड़ काटने के लिए अनुमति नहीं मांगी या दी गई। वन विभाग में एक स्थानीय निवासी ने शिकायत दर्ज कराई है। जिसपर कार्रवाई की गई। शिकयत में कहा गया है कि मिनी-फॉरेस्ट जैसे एक हरे-भरे क्षेत्र को कुछ ही दिनों में साफ कर दिया गया। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने बताया, हमें बुधवार को शिकायत मिली थी कि कुछ पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है और निरीक्षण के बाद एनआईआई और सीपीडब्ल्यूडी दोनों को प्रतिबंधात्मक नोटिस जारी किए गए। हमारे शुरुआती आकलन के अनुसार, लगभग 100 पेड़ों को काटा गया है, लेकिन चूंकि कुछ पेड़ काफी पतले और छोटे थे, इसलिए हम डीपीटीए के अनुसार पेड़ की परिभाषा से तुलना करने के लिए उनकी लंबाई और परिधि की जांच करेंगे। डीपीटीए एक पेड़ को किसी भी लकड़ी वाले पौधे के रूप में परिभाषित करता है, जिसकी शाखाएं कम से कम 5 सेमी डायमीटर के तने या बॉडी की होती हैं और जमीन से कम से कम एक मीटर ऊंची होती हैं। अधिकारी ने कहा, निरोधक आदेश के अलावा, हमने एजेंसियों से स्पष्टीकरण भी मांगा है। उन्होंने बताया कि मौके से एक अर्थमूवर मशीन जब्त की गई है।

वरिष्ठ नागरिकों की छूट वापस ले रेलवे ने 5 साल में कमाए करोड़ों, आरटीआई के जवाब में आया सामने

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायतें वापस लेकर पांच साल में लगभग 8,913 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) ने यह जानकारी दी है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ट्रेन टिकट पर रियायत बहाल करने का सवाल संसद में कई मौकों पर सदस्यों द्वारा उठाया गया, हालांकि, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेलवे पहले से ही प्रत्येक यात्री को औसतन 46 प्रतिशत रियायत दे रहा है।

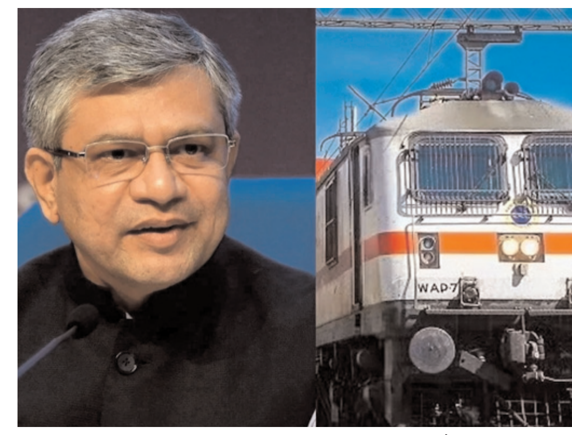

60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 20 मार्च, 2020 से पहले सभी वर्गों के लिए ट्रेन टिकटों पर क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत की छूट मिलती थी, लेकिन कोविड महामारी की शुरुआत के कारण रेल मंत्रालय ने इसे वापस ले लिया था। आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि 20 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2025 के बीच 31.35 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों (पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर) ने रियायतों के निलंबन के कारण 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान करके यात्रा की है। मध्य प्रदेश के आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने कहा, ''मैंने 20 मार्च, 2020 से लेकर रेल मंत्रालय में आरटीआई अधिनियम के तहत कई आवेदन दायर किए और सबसे हालिया आवेदन मार्च 2025 का था। जब मैंने डेटा का विश्लेषण किया, तो पाया कि लगभग 18.279 करोड़ पुरुषों, 13.065 करोड़ महिलाओं और 43,536 ट्रांसजेंडर यात्रियों, सभी वरिष्ठ नागरिक, ने 20 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2025 के बीच यात्रा की।''

वरिष्ठ नागरिकों से प्राप्त समग्र राजस्व का ब्योरा देते हुए गौड़ ने कहा कि मंत्रालय के जवाब के अनुसार, पुरुष यात्रियों से लगभग 11,531 करोड़ रुपये, महिला यात्रियों से 8,599 करोड़ रुपये तथा ट्रांसजेंडर यात्रियों से 28.64 लाख रुपये प्राप्त हुए। उन्होंने कहा, ''इन सभी यात्रियों से कुल 20,133 करोड़ रुपये की आय हुई। ट्रेन यात्रा पर पुरुष और ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए 40 प्रतिशत और महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत छूट को हटाने के चलते रेलवे को 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई।''

दिल्ली में सीमेंट की बोरी में बंद नाले में पड़ा मिला था महिला का शव, एक नोज पिन से सुलझी गुत्थी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में एक महीने पहले हुई महिला की हत्या की गुत्थी पुलिस से सुलझा ली है। इसमें दिल्ली पुलिस के लिए नाक की पिन अहम साबित हुई जिससे पुलिस मुख्य आरोपी तक पहुंच गई। दिल्ली पुलिस को महिला का शव एक नाले से मिला था और इस मामले में पुलिस ने महिला के पति अनिल कुमार को गिरफ्तार किया है जो पेशे से बिजनेमैन भी है। दरअसल 15 मार्च को दिल्ली पुलिस को एक नाले में चादर में लिपटा हुआ और पत्थर और सीमेंट की बोरी में बंधा हुआ शव मिला था। पुलिस ने महिला की नोज पिन से उसकी पहचान की और इसी के जरिए इस मामले की गत्थी को सुलझाया।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक इस नोज पिन के जरिए पुलिस दक्षिण दिल्ली में स्थित एक ज्वेलरी स्टोर पहुंची। यहां रिकार्ड खंगालने के बाद पता चला कि अनिल कुमार नाम के शख्स ने ये नोज पिन खरीदी थी। वह एक प्रोपर्टी डीलर है और गुरुग्राम के फार्महाउस में रहता है। वहीं महिला की पहचान 47 साल की सीमा सिंह के रूप में हुई थी। रिकॉर्ड्स में अनिल कुमार का नाम सामने आने के बाज पुलिस ने उनसे मुलाकात की। तब पुलिस को पता चला कि सीमा उसकी पत्नी थी। पुलिस ने जब सीमा से बात करनी चाही तो अनिल कुमार ने कहा कि सीमा बिना फोन के वृंदावन गई हुई है। इससे पुलिस को थोड़ा शक हुआ। इसके बाद पुलिस अनिल कुमार के द्वारका स्थित ऑफिस पहुंची जहां उन्हें डायरी में सीमा की मां का नंबर मिला। उस नंबर पर फोन किया गया तो सीमा की बहन ने बताया कि वह भी सीमा से 11 मार्च के बाद से बात नहीं कर पाए हैं और उन्हें भी काफी चिंता हो रही है। सीमा की बहन ने ये भी बताया जब उन्होंने अनिल कुमार को फोन किया तो उन्होंने बताया कि सीमा अभी जयपुर में है और बात करने के मूड में नहीं है। लेकिन जब भी वह बात करना चाहेगी , वह करवा देगा। सीमा के परिवारवालों ने बताया कि वह पुलिस के पास जाना चाहते थे लेकिन अनिल कुमार की वजह से इंतजार करते रहे। 1 अप्रैल को परिवारवालों को महिला के शव की पहचान करने के लिए बुलाया गया।

दिल्ली में भाजपा सरकार ने हेल्थ पर खींच दी अरविंद केजरीवाल से दोगुनी बड़ी रेखा

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलने जा रही है। केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार ने गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत दिल्ली में 1,139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे। अरविंद केजरीवाल की पूर्व सरकार ने दिल्ली में करीब 550 मोहल्ला क्लीनिक खोले थे। इस लिहाज से देखें तो भाजपा सरकार ने एक %बड़ी रेखा% खींच दी है। यह ऐतिहासिक समझौता विज्ञान भवन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में हुआ। यह समझौता प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत हुआ है। योजना का उद्देश्य देश के हर कोने में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और भविष्य में किसी भी स्वास्थ्य आपदा से निपटने के लिए ढांचा खड़ा करना है। बल्कि 11 एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं और 9 क्रिटिकल केयर ब्लॉक भी स्थापित किए जाएंगे।

गुरुग्राम मेयर की कुर्सी पर खतरा! हाईकोर्ट ने भेजा नोटिस; याचिका में लगाए कई आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी।
गुरुग्राम की मेयर पर चुनाव में फर्जी प्रमाणपत्र प्रयोग करने का आरोप लगा है। मेयर के जाति प्रमाणपत्र संबंधित याचिका पर हाईकोर्ट द्वारा नोटिस जारी किया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने गलत तरीके से पिछड़ा वर्ग-ए की जाति का प्रमाणपत्र बनवा कर चुनाव लड़ा है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस कमरजीत सिंह की बेंच ने गुरुग्राम निवासी यशपाल प्रजापति, बनवारी लाल, भिवानी के पवन कुमार अंचल और रोहतक के शांता कुमार आर्य आदि की तरफ से दायर की गई याचिका पर नोटिस जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 22 मई को होगी।

अभी नोटिस नहीं मिला: मेयर राजरानी मल्होत्रा और उनके पति तिलक राज मल्होत्रा ने मामले में कुछ भी बोलने से इनकार किया है। उनका कहना है कि अभी तक कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है और आश्वस्त हैं कि वे सही हैं। इस मामले को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी सीमा पाहुजा का कहना है कि वह खुद भी कोर्ट गई हैं और भाजपा मेयर का जाति प्रमाण पत्र सही नहीं है।

सोहना नगर परिषद की अध्यक्ष पर भी लग चुका है आरोप: बता दें कि इससे पहले जुलाई 2022 में भी सोहना नगर परिषद की भारतीय जनता पार्टी से अध्यक्ष अंजू देवी पर भी फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र का प्रयोग कर चुनाव लड़ने का आरोप लगा थी। इसके बाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद अंजू देवी को पदमुक्त कर दिया गया था। इससे भाजपा की उस समय भी किरकिरी हुई थी।

अब गुरुग्राम की मेयर चुनी गई राजरानी मल्होत्रा पर भी फर्जी प्रमाणपत्र प्रयोग करने का आरोप लगा है। याचिकाकर्ता का दावा है कि राजरानी मल्होत्रा को पिछड़ा वर्ग-ए की जाति का प्रमाणपत्र 16 फरवरी को रविवार के दिन एडीसी द्वारा जारी किया गया। नियमों के अनुसार एडीसी इस तरह के प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अधिकृत नहीं है।

कांगो में शांति की उम्मीदः कतर में सरकार और विद्रोहियों के बीच अहम वार्ता

दोहा , एजेंसी। पूर्वी कांगो में फैले अशांति के बीच कांगो और रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही समूह के प्रतिनिधि कतर की राजधानी दोहा में शांति वार्ता कर रहे है। यह वार्ता पूर्वी कांगो में शांति लाने के लिए की जा रही है, जहां कई सालों से लड़ाई चल रही है और हाल ही में हालात और भी बिगड़ गए हैं। बता दें कि बीते महीने जनवरी में एम23 विद्रोहियों ने कांगो के गोमा शहर पर कब्जा कर लिया था। वहीं एक महीने के बाद फरवरी में बुकावु शहर भी अपने नियंत्रण में ले लिया, जिसके बाद संघर्ष और तेज हो गया। इस लड़ाई में अब तक लगभग 3,000 लोग मारे जा चुके हैं और 70 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

बुधवार को कांगो सरकार और एम23 के प्रतिनिधियों की दोहा में मुलाकात हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह बातचीत गोपनीय रखी गई है और इसमें शामिल कुछ अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर जानकारी दी।एम23 की ओर से बातचीत का नेतृत्व बर्ट्रेंड बिसिमवा कर रहे हैं। वहीं कांगो सरकार की टीम में ज्यादातर लोग राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हैं, जो चाहते हैं कि विद्रोही अपने कब्जे वाले इलाकों से पीछे हटें। वहीं विद्रोहियों की मांग है कि कांगो सरकार एम23 के सदस्यों के खिलाफ चल रही मौत की सजा और केस खत्म करे।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका, भारतवंशी जज के फैसले से लाखों प्रवासियों की मिली राहत

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को अमेरिकी कोर्ट की एक भारतवंशी जज ने तगड़ा झटका दिया है। संघीय जज ने गुरुवार को संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे हजारों क्यूबाई, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के लोगों की कानूनी संरक्षण देने वाली स्थिति को रद्द करने के फैसले पर रोक लगा दी है। इस फैसले से लाखों प्रवासियों के राहत मिली है। डोनाल्ड ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइडेन ने इन प्रवासियों को अमेरिका में दो साल तक रहने की मोहलत दी थी।

बोस्टन में यूएस डिस्ट्रिक्ट जज भारतवंशी इंदिरा तलवानी ने ट्रंप प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी का फैसला कानून की गलत व्याख्या पर आधारित था। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून के तहत उन लोगों को अमेरिका से निकाला जा सकता है जिन्होंने अवैध रूप से सीमा पार की होज इसमें उन लोगों को हाथ नहीं लगाया जा सकता जिन्हें सरकार ने पहले से ही दो वर्ष की मोहलत दी हो।

बराक ओबामा प्रशासन द्वारा नियुक्त जज तलवानी ने कहा कि अगर प्रशासन इन लोगों पर कार्रवाई करता है। तो वह उन लोगों पर ध्यान नहीं दे रहा जो अवैध रूप से आए हैं.. बल्कि उन लोगों पर निशाना साध रहा है, जिन्होंने नियमों का पालन किया है और जो अभी भी नियमों के अनुसार ही अमेरिका में रह रहे हैं। तलवानी का यह फैसला ट्रंप प्रशासन और अमेरिकी न्याय व्यवस्था के बीच में एक नई तना-तनी की शुरुआत करता है। ट्रंप इस फैसले के जरिए बाइडेन के उस फैसले को पलटना चाहते थे, जिसमें उन्होंने यूक्रेनी, अफगान, क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के प्रवासियों को देश में प्रवेश की अनुमति दी थी।

शेख हसीना के करीबी 5 सैन्य अधिकारी नजरबंद, इनमें दो ब्रिगेडियर शामिल

ढाका, एजेंसी। ढाका बांग्लादेश में छात्र आंदोलन में कथित भूमिका को लेकर सेना के 5 अफसरों को नजरबंद किया गया। इनमें ब्रिगेडियर जकारिया हुसैन, ब्रिगेडियर जनरल इमरान, आरएबी से कर्नल अब्दुल्ला अल–मोमेन, बीजीबी के लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद रिदवानुल इस्लाम और ईस्ट बंगाल रेजिमेंट से मेजर मोहम्मद नोमान अल फारुक शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों को सभी को ढाका कैंटोनमेंट में नजरबंद रखा गया है। इन पर छात्र आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी का आदेश देने के आरोप लगाए गए हैं। इन्हें ऐसे वक्त पर नजरबंद किया गया है जब आर्मी चीफ जनरल वकार उज जमान 6 अप्रैल से पांच दिन के रूस दौरे पर गए हुए हैं। अफसरों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में आरोप लगाए हैं। जनरल हामिद पूर्व पीएम शेख हसीना के एडीसी भी थे। वहीं, भ्रष्टाचार केस में वारंट जारी बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। बांग्लादेश की एक कोर्ट ने गुरुवार को भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल व 17 अन्य लोगों के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इन पर धोखाधड़ी के जरिए आवासीय भूखंड हासिल करने का आरोप लगाया गया है। शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त को देश छोड़कर भारत आ गई थीं। दरअसल, उनके खिलाफ देशभर में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30प्रतिशत कोटा सिस्टम लागू किया था, इस आरक्षण के खिलाफ ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। हालांकि हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था। लेकिन इसके बाद छात्र उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

रूस में देशद्रोह की सजा काट रही अमेरिकी महिला रिहा

अबु धावी, एजेंसी।
रूस ने देशद्रोह के आरोप में 12 साल की सजा काट रही रूसी-अमेरिकी नागरिक कसेनिया कैरिलिना को रिहा कर दिया है। कसेनिया पर यूक्रेन की मदद के लिए 50 डॉलर का चंदा देने का आरोप था। उन्हें पिछले साल रूस में गिरफ्तार कर सजा सुनाई गई थी।

कसेनिया के बदले में अमेरिका ने जर्मन-रूसी नागरिक और कथित तस्कर आर्थर पेत्रोव को छोड़ा है, जो अमेरिका में सैन्य उपकरणों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोपों में बंद था। पेत्रोव पर अमेरिका में बनी माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स को रूस में तस्करी करने का आरोप है। इनका इस्तेमाल रूसी सेना के लिए हथियार बनाने में होता था।

कसेनिया की रिहाई की पुष्टि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की और बताया कि वह अमेरिका के लिए रवाना हो चुकी हैं। यह कैदियों की अदला-बदली गुरुवार को अबू धाबी में हुई। इसकी पुष्टि संयुक्त अरब अमीरात (श्च) ने भी की है।

कसेनिया को पिछले साल फरवरी में रूसी शहर येकातेरिनबर्ग से गिरफ्तार किया गया था। यह मॉस्को से 1600 किमी दूर पूर्व में स्थित है। यहां वह अपनी दादी से मिलने आई थी। शादी से पहले उसका नाम कसेनिया कैरिलिना था। उस पर पिछले साल ट्रायल चला था, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया। यूक्रेन से जुड़ी एक चैरिटी संस्था रजोम को 50 डॉलर (करीब 4200 रुपए) चंदा दिया था। महिला का नाम कसेनिया खवाना (33) है। उसके पास अमेरिकी नागरिकता है। कोर्ट में कसेनिया पर आरोप लगा कि उसने यूक्रेनी संगठन को पैसे दिए जो यूक्रेनी सेना को हथियार और गोला-बारूद खरीदने में मदद करती है।

कसेनिया के वकील के मुताबिक उन्होंने पैसे ट्रांसफर करने की गलती मानी थी, लेकिन उसे नहीं पता था कि ये संस्था यूक्रेनी सेना को पैसा भेजती है जिसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ होता है। उसे कहा गया था कि इस फंड का इस्तेमाल रूस-यूक्रेन जंग के पीड़ितों को मदद पहुंचाने में होगा।

कसेनिया पूर्व बैले डांसर है। उसने एक अमेरिकी नागरिक से शादी की और अमेरिका जाने के बाद 2021 में वहां की नागरिकता ले ली। कसेनिया जनवरी 2024 में रूस पहुंची थी। अमेरिका से आने की वजह से पुलिस ने उसका फोन जब्त कर लिया गया था। पुलिस को फोन में फंडिंग का सबूत मिला। वह अमेरिकी वापस लौटने वाली थी, लेकिन इससे पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर 12 साल की सजा सुनाई गई। रूस और अमेरिका ने पिछले साल अगस्त में भी कैदियों की अदला-बदली की थी। इस डील को तुर्किये की राजधानी अंकारा में कराया गया। इसके तहत अमेरिका, रूस और जर्मनी सहित 7 देशों की जेलों में कैद 26 कैदी रिहा किए गए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के स्वास्थ्य की होगी जांच, पहली बार ट्रंप की सेहत की जानकारी आएगी सामने

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्वास्थ्य की शुक्रवार को जांच होगी। ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिकी इतिहास के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति के सेहत की जानकारी सामने आएगी। वार्षिक स्वास्थ्य जांच से पहले ट्रंप ने कहा कि मैंने पहले कभी इतना बेहतर महसूस नहीं किया, लेकिन फिर भी ये चीजें जरूर की जानी चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के सेहत को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वास्थ्य को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। अब उनकी पारंपरिक स्वास्थ्य जांच के बाद आने वाली रिपोर्ट से कुछ जानकारी मिलने की संभावना है। अफसरों ने बताया कि ट्रंप के स्वास्थ्य की जांच वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में होगी।

कुछ समय पहले टेक्सास के प्रतिनिधि रोनी जैक्सन ने मजाक में कहा था कि अगर ट्रंप स्वस्थ आहार लें तो 200 साल तक जीवित रह सकते हैं। पिछले साल अगस्त में ट्रंप ने कहा था कि वह बहुत खुशी से अपने मेडिकल रिकॉर्ड जारी करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया।

2021 में जब ट्रंप का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था तो सामने आया था कि उनका स्वास्थ्य बेहतर था। सारे परीक्षण सामान्य थे। मगर ट्रंप ने अपना वजन कम कर लिया था। 2020 में कोरोना वायरस से पीड़ित होने के बाद ट्रंप का वाल्टर रीड में इलाज किया गया था। तब ट्रंप के चिकित्सक ने उनकी स्थिति बेहतर बताई थी। उनके ठीक होने के बाद पता लगा कि ट्रंप जितना बता रहे थे, उससे कहीं ज्यादा बीमार थे। अब एक बार फिर उनके स्वास्थ्य जांच होने के बाद उनकी सेहत को लेकर कई बड़े दावे किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि उनकी जांच रिपोर्ट में सेहत को लेकर बड़े खुलासे हो सकते हैं।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 11-04-2025 22:45 Page 1

पीएम इंटर्नशिप स्कीम के लिए ऑन-स्पॉट पंजीकरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चास नगर नगर निगम सभागार में शुक्रवार को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम का कार्यशाला सह पंजीकरण शिविर का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रशासक सह अपर नगर आयुक्त के निर्देशन में मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स के नोडल ऑफिसर डॉ अभिषेक कुमार (अस्सिटेंट रजिस्टार कंपनी झारखंड असिस्टेंट ऑफिशल लिक्विडेटर हाई कोर्ट झारखंड) द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की विस्तृत जानकारी दी गई।

मौके पर योजना से लाभार्थियों को अवगत कराया गया तथा आने वाले दिनों के लिए यह योजना उनके भविष्य के लिए कैसे महत्वपूर्ण साबित हो सकती है इसकी रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में लगभग

150 युवक/युवतियों एवं उनके अभिभावकों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की।

इस अवसर पर मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स के नोडल ऑफिसर डॉ. अभिषेक कुमार (असिस्टेंट रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, झारखंड सह असिस्टेंट ऑफिशियल लिक्विडेटर, हाई कोर्ट, झारखंड) द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की विस्तृत जानकारी दी गई।

डॉ. कुमार ने युवाओं को बताया कि इस योजना के माध्यम से वे कॉरपोरेट सेक्टर में इंटर्नशिप का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने आवेदन की प्रक्रिया, पात्रता मानदंड एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। साथ ही, लाभुकों का विभिन्न कंपनियों में आवेदन करवाया गया।

यह योजना आने वाले दिनों में कैरियर का एक महत्वपूर्ण विकल्प साबित हो सकती है। यह योजना लाभार्थियों को उनका कैरियर तथा उनके स्किल को डेवलप करने के लिए काफी कारगर साबित हो सकता है।

दीन दयाल जन आजीविका मिशन के नगर मिशन प्रबंधकों मधु कुमारी, प्रशांत कुमार,महेंद्र महतो तथा सुषमा बाला उरांव के द्वारा भी लाभार्थियों को योजना के प्रति प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 85 युवक/युवतियों द्वारा ऑन-स्पॉट पंजीकरण भी कराया गया।

उक्त कार्यक्रम में चास नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त जयपाल मुंडा सहित सभी पदाधिकारी, कर्मी एवं एनयूएलएम कोषांग से सीओ एवं सीआरपी ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

छापेमारी में 77 टन अवैध कोयला जब्त

बोकारो। जिला प्रशासन द्वारा लगातार अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में उपायुक्त के निदेशानुसार सीओ बेरमो संजीत कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को बेरमो थाना अंतर्गत फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के रानीबाग में लगभग 77 टन अवैध रूप से कोयला पाया गया। टीम ने मौके से बोरा में कोयला लदा 02 मोटर साइकिल भी जप्त किया जिसे जप्त कर बेरमो थाना को सुपुर्द कर दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है।

नोट एक्सचेंज मेला

झरिया(धनबाद)। शुक्रवार को पंजाब नैशनल बैंक, झरिया शाखा ने सब्जी मंडी में झरिया करेंसी चेस्ट,धनबाद के सहयोग से कॉइन डिसटीब्यूशन एंड नोट एक्सचेंज मेला आयोजन किया गया । मेले में करेंसी चेस्ट मैनेजर पंकज कुमार ने बताया मेले का मुख्य उद्देश्य विनियम की सुविधा को बेहतर बनाना और अधिक से अधिक लोगों को इसके प्रति जागरूक करना है। पंजाब नेशनल बैंक, झरिया ब्रांच के मैनेजर हसन राजा ने कहा मेले के माध्यम से लोगों को मुद्रा विनीमय की सुविधा प्रदान करने का प्रयास किया गया।

पूर्व सांसद ने गरगा नदी का किया निरीक्षण

प्रदूषण से मुक्ति का करेंगे प्रयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के संरक्षक पूर्व सांसद प्रो. यदुनाथ पांडेय ने बोकारो की गंगा मानी जाने वाली पवित्र गरगा नदी में व्याप्त प्रदूषण के निरीक्षण किया। पाया गया कि इस नदी में चास नगर निगम और बोकारो इस्पात नगर के आवासीय कॉलोनियों के गंदे नालों का प्रदूषित पानी लगातार प्रवाहित होकर इसकी जलधारा को भयंकर रूप से प्रदूषित कर रहा है। यह पौराणिक नदी जिसका संबंध भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के लिए आयोजित यज्ञ से है एवं यह ऋषि श्रेष्ठ गर्ग द्वारा तपोबल से भूगर्भ से उत्पन्न की गई है। वह एक गंदे नाले के रूप में तब्दील हो गई है। साथ ही इसके किनारों को अतिक्रमित भी कर लिया गया है ।प्रो. पांडेय ने इस नदी की दुर्दशा देखकर अत्यंत दुखी हो कहा कि वे जल्द ही दिल्ली जाकर भारत सरकार के केंद्रीय इस्पात मंत्री, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य के माननीय मुख्यमंत्री से इस नदी को प्रदूषण और अतिक्रमण मुक्त करने हेतु बात करेंगे ।

इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने कहा कि विगत कई वर्षों से इस गरगा नदी को प्रदूषण और अतिक्रमण मुक्त करने हेतु संस्थान द्वारा लगातार आंदोलन चलाया जारहा है फिर भी सरकार, जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण विभाग, चास नगर निगम, बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा इसकी अनदेखी करते हुए प्रदूषण पर रोक नहीं लगाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंता जनक है । नदियों को प्रदूषित करना दंडनीय अपराध है फिरभी जिनके कारण यह नदी प्रदूषित हो रही है उनपर कोई करवाई नहीं किया जाना कहीं न कहीं प्रदूषण को बढ़ावा देना है ।बोकारो डीसी ऑफिस से मात्र सौ मीटर की दूरी पर अवस्थित इस नदी के किनारों पर लोगों द्वारा खुलेआम हररोज मलमूत्र त्याग करना जिला प्रशासन के मुंह पर तमाचे की ही तरह है जबकि यह पूरा क्षेत्र ओडीएफ घोषित है ।

गरगा नदी में व्याप्त प्रदूषण के निरीक्षण कार्यक्रम में शशि भूषण ओझा 'मुकुल', रघुवर प्रसाद, मृणाल कांत चौबे, लक्ष्मण शर्मा, वीरेंद्र चौबे, स्वामी सत्य कृष्ण महाराज, गौरी शंकर सिंह, डी के त्रिवेदी, गौरी शंकर झा, मिथिलेश शर्मा, मदन मोहन तिवारी, अभय कुमार गोलू, मनीष झा, नागमणि सिंह सहित कई पर्यावरण संरक्षक मौजूद रहे ।

मातृ सम्मेलन का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जयंती पर मातृ सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि रंजना कुमारी, राजकुमार सिंह, स्वाती श्री, रजनी पारिया, संजीव कुमार ने संयुक्त रुप से दीप जलाकर पुष्प अर्पित किया। अतिथि रंजना कुमारी ने कहा कि विद्या भारती योजनानुसार हर वर्ष विद्यालय प्रबंधन की ओर से मातृ सम्मेलन कर बच्चों में नैतिकता और संस्कार देने के लिए मातृशक्ति को प्रेरित किया जाता है।अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर के छौंड़ी गांव में हुआ था। उनके पिता मंकोजी राव शिंदे, अपने गांव के पाटिल थे। पिछले साल महाराष्ट्र सरकार ने अहिल्याबाई के सम्मान में अहमदनगर का नाम बदलकर 'अहिल्या नगर' कर दिया है।

जयंती के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए प्राचार्य ने कहा कि विद्या भारती का प्रयास छात्रों के माध्यम से एक संस्कारवान समाज देश को देना है।अहिल्याबाई के सम्मान में कई तरह की पहलें की गई हैं। जैसे, इंदौर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदलकर देवी अहिल्याबाई हवाई अड्डा रखा गया है।

जनता दरबार में 150 परिवारों ने लगाई बेदखली से बचाने की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में विभिन्न लोगों की फरियाद सुनी। इसमें गोविंदपुर के कंगालो मौजा से आए ग्रामीणों ने अपर समाहर्ता को बताया कि उक्त स्थान पर विगत 65 वर्षों से आदिवासी और पिछड़ी जाति के 150 परिवार के लगभग 600 सदस्य झुग्गी झोपड़ी बनाकर रहते आ रहे हैं। उनको सरकार द्वारा पानी टंकी, आंगनबाड़ी केंद्र, कुआं, चापाकल, शौचालय, इंदिरा आवास, प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास, पीसीसी सड़क इत्यादि सुविधाएं मिली है। ग्रामीणों ने बताया कि एक भू-माफिया द्वारा ग्रामीणों को जमीन खाली करने के लिए धमकाया जा रहा है। जबकि सभी ग्रामीण गरीब और भूमिहीन हैं। उन्होंने भू-माफिया के आतंक से और जमीन से बेदखल होने से

बचाने की गुहार लगाई। इस पर त्वरित संज्ञान लेकर अपर समाहर्ता ने गोविंदपुर के अंचल अधिकारी को पूरे मामले की जांच कर अविलंब कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

वहीं कोलाकुसमा कोड़ाडीह से आए एक बुजुर्ग ने बताया कि उनके संबंधी जमीन हड़पने के लिए साजिश कर तीन माह के बाद मनगढ़ंत घटना बनाकर उनके विरुद्ध एक झूठी प्राथमिकी सरायढेला थाना में दर्ज कराई है। अपर समाहर्ता ने सरायढेला के थाना प्रभारी को मामले की जांच करने का आग्रह किया।

जबकि तेतुलमारी के नगरीकला से आई दो बुजुर्ग महिलाओं ने बताया कि उनके पूर्वजों की 300 एकड़ जमीन है। इसमें से 5 से 7 एकड़ जमीन शक्ति चौक 8 लेन सड़क के बगल में है। इस जमीन को हड़पने की नीयत से 4 लोगों ने बहला फुसलाकर गलत एग्रीमेंट बनाकर जमीन हड़पने का षड्यंत्र रचा है। महिलाओं ने बताया कि वे साक्षर नहीं है। चारों दबंग बिना जमीन का मूल्य चुकाए जबरन उनसे कागजातों पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रताड़ित करते हैं।

जनता दरबार में आदिवासी जमीन पर जबरन कब्जा करने, म्यूटेशन कराने, बेटा द्वारा पिता से दुर्व्यवहार करने और उन्हें लीगल नोटिस भेजने, निजी विद्यालय द्वारा फीस में अप्रत्याशित वृद्धि करने एवं री-एडमिशन फीस नहीं देने पर किताब नहीं देने, जमीन दलाल द्वारा रैयती जमीन बताकर सीएनटी एक्ट की जमीन देने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जनशिकायत कोषांग के प्रधान लिपिक नंदकिशोर कुशवाहा भी मौजूद थे।

मंदिर बनाया तो सदस्यता होगी रद्द : बार एसोशिएशन

अधिवक्ताओं के बीच आई धर्म और आस्था की लड़ाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। धर्म और आस्था की लड़ाई अब अधिवक्ताओं के बीच भी आ चुकी है। ऐसा ही मामला बोकारो डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन में सामने आया है। जहां बोकारो डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन परिसर में अधिवक्ताओं के द्वारा बजरंगबली की मूर्ति स्थापित करने को लेकर बवाल हो गया है। कुछ अधिवक्ताओं ने मंदिर स्थापित करने को लेकर बजरंगबली का झंडा स्थापित करते हुए कल पूजा करने की घोषणा की है ।लेकिन बार एसोसिएशन ने ऐसा करने वाले अधिवक्ताओं को नोटिस जारी कर बार से निष्कासित करने की बात कही है। इसके बाद से ही अधिवक्ताओं में बवाल छिड़ा हुआ है ।

अधिवक्ताओं का कहना है कि कोई भी हमारे आस्था पर रोक नहीं लग सकता है। क्योंकि संविधान में भी राम लक्ष्मण सीता और बजरंगबली की तस्वीर लगी हुई है।

हम लोग अगर मंदिर परिसर में बना रहे हैं तो इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अधिवक्ता मनोज सिंह ने बताया कि कुछ साथी मित्रों के द्वारा यह कहते हुए मंदिर स्थापना करने की बात कही थी कि यह भवन शमशान घाट के पास बना है इसीलिए रोजी-रोटी पर आफत गई है। इसको ध्यान में रखते हुए मंदिर बनाने का निर्णय लिया गया। लेकिन बार एसोसिएशन के पदाधिकारी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं हम लोग किसी कीमत पर मंदिर निर्माण को नहीं रखेंगे चाहे हमारी सदस्यता ही क्यों ना चली जाए।

युक्ता ब्रांड के साथ महिलाओं की आत्मनिर्भरता को नया आयाम देता बोकारो हैंडीक्राफ्ट सेंटर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो हस्तशिल्प केंद्र आज ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता और स्थानीय हस्तकला के संवर्धन का सशक्त उदाहरण बन चुका है। बोकारो स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत संचालित ब्रांड युक्ता का एक रिटेल आउटलेट भी हस्तशिल्प केंद्र परिसर में खोला गया है ताकि इन हेंडीक्राफ्ट उत्पादों को आमजनों तक पहुँचाया जा सके।

इस आउटलेट में प्रदर्शित उत्पादों की रेंज न सिर्फ आकर्षक है, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल भी है। यहां के उत्पाद बांस, जूट, जलकुंभी जैसी प्राकृतिक और इको-फ्रेंडली सामग्रियों के उपयोग से बनाए जाते हैं, जिससे न केवल पर्यावरण का संरक्षण होता है, बल्कि महिलाओं को पारंपरिक कला के माध्यम से सशक्त भी बनाया जा रहा है।

हस्तनिर्मित उत्पादों की विविधता के साथ इसमें शामिल हैं झ गोल व चौकोर ट्रे, सजावटी फूल, हस्तनिर्मित जलकुंभी की चप्पलें, लैंप शेड्स, डेकोरेटिव आइटम्स, फर्नीचर आदि। ये सभी उत्पाद बोकारो के ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा हस्तनिर्मित हैं जिन्हें सीमित संसाधनों के बीच अपने हुनर को निखारने का अवसर मिला है।

बोकारो की ग्रामीण महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित इन उत्पादों को बाजार में विशिष्ट पहचान देने के लिए युक्ता नामक ब्रांड की शुरूआत की गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को एक संगठित ब्रांडिंग मंच प्रदान करना है, जिससे उन्हें बेहतर बाजार और आय का अवसर मिल सके।

उल्लेखनीय है कि इस कला में अब तक 600 से अधिक स्थानीय ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। इनमें से अधिकतर महिलाएं अपने गांवों से ही निर्माण कार्य में सक्रिय हैं जबकि कुछ महिलाएं हस्तशिल्प केंद्र में फिनिशिंग कार्य में योगदान कर रहीं हैं।

आने वाले समय में उत्पादों की डिजाइन रेंज को विस्तृत करने, फेस्टिव कलेक्शन (जैसे दीपावली, छठ आदि) लाने तथा स्कूल/कॉलेज छात्रों के लिए क्राफ्ट वर्कशॉप आयोजन की योजना बनाई जा रही है।

बोकारो हैंडीक्राफ्ट सेंटर ग्रामीण प्रतिभा को मंच देने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में समर्पित है। हम सब भी इस प्रयास का हिस्सा बनें—युक्ता ब्रांड को अपनाएं, स्थानीय हस्तशिल्प को समर्थन दें और महिला सशक्तिकरण के इस आंदोलन को आगे बढ़ाएं।

एचसीएम सिस्टम को अनुकूल बनाने की मांग

बोकारो। बीएसएल अनधिकारी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) को पत्र लिखकर ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट (एचसीएम) सिस्टम को कर्मचारी-अनुकूल बनाने की मांग की है। बीएकेएस का आरोप है कि सरकार और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से प्रशंसा प्राप्त करने की जल्दबाजी में बीएसएल प्रबंधन ने जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करते हुए एचसीएम सिस्टम को लागू कर दिया। इसे बिना पर्याप्त प्रशिक्षण के 1 मार्च 2025 से प्रभावी कर दिया गया। प्रबंधन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्वयं की पीठ थपथपाई कि बीएसएल डीपीडीपी अधिनियम 2023 का पालन करने वाली पहली सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई है। हालांकि, इसके सुचारू संचालन के लिए न तो कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया और न ही उन्हें स्मार्टफोन, लैपटॉप या इंटरनेट सुविधा प्रदान की गई। एचसीएम एक नई प्रणाली है, जो अटेंडेंस अपडेशन और मानव संसाधन कार्यों को सुगम बनाने के लिए लागू की गई है। यह पूरी तरह इंटरनेट, कंप्यूटर और स्मार्टफोन आधारित है।

महिलाओं को अपने खानपान पर विशेष ध्यान देने की नसीहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। पोषण पखवाड़ा, 2025 के तहत शुक्रवार को बोकारो जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर ऊपरी आहार से संबंधित जागरूकता गतिविधि की गई, जिसमें छः महीने में सुरक्षित, पर्याप्त और उपयुक्त पूरक खाद्य पदार्थ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही सात तरह के खाद्य समूह के बारे में जानकारी दी। आंगनबाड़ी केंद्रों पर सेविका एवं सहायिका द्वारा मदर एंड चाइल्ड प्रोटेक्शन कार्ड के माध्यम से ऊपरी आहार एवं बच्चों की सही विकास की पहचान से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं छोटे छोटे बच्चों को अन्नपाषण किया गया तथा पोषण प्रदर्शनी के साथ पोषण शपथ कार्यक्रम भी किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका एवं सहायिका सहित जेएसएलपीएस दीदियों द्वारा खाद्य पदार्थ की प्रदर्शनी भी किया गया।

सेविका एवं सहायिका द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों पर हॉट सामग्रियों को इस्तेमाल कर व्यंजन प्रतियोगिता आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण महिला शामिल हुई। साथ ही सेविका एवं साहिया द्वारा संयुक्त रूप से घर घर भ्रमण कर लाभुक महिला को परामर्श एवं सही खानपान और पोषण से संबंधित व्यवहारों पर चर्चा किया गया तथा सभी महिलाओं को अपने खानपान पर विशेष ध्यान देने को कहा। सेविका सहायिका द्वारा केंद्र पर फल और

सब्जी दिवस भी मनाया गया, जिसमें बच्चों और किशोरियों को स्वस्थ्य नाश्ते लाने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पोषण पखवाड़ा के तहत जिला स्तर से लेकर प्रखंड, पंचायत एवं गांव स्तर पर विभिन्न गतिविधि/कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष पोषण पखवाड़ा का मुख्य थीम जीवन के पहले हजार दिवस का महत्व, लाभार्थी माड्यूल को लोकप्रिय बनाना, सामुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन राज्य भर में राल आउट एवं बच्चों में मोटापे को नियंत्रण करने हेतु स्वास्थ्य जीवन शैली अपनाना है। इस दौरान विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्र के सेविका एवं सहायिका सहित जेएसएलपीएस की दीदियां एवं विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों के कर्मी उपस्थित थे।

युवा तीरंदाजों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी ने 20 से 30 मार्च तक गुंटूर, आंध्र प्रदेश में आयोजित प्रतिष्ठित एनटीपीसी चेरुकुरी लेनिन वोल्गा मेमोरियल राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में अपने युवा तीरंदाजों ने बड़ी सफलता पाई है। भारत के तीरंदाजी कैलेंडर में सबसे प्रतिष्ठित इस चैंपियनशिप में प्रत्येक श्रेणी में विभिन्न राज्यों के 60 से अधिक प्रतिभागियों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।अकादमी और झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए, दोनों तीरंदाजों ने महत्वपूर्ण छाप छोड़ी। सियालजोरी की 14 वर्षीय कृतिका कुमारी ने अंडर-14, 30 मीटर गर्ल्स टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली कृतिका ने पहले झारखंड का प्रतिनिधित्व किया है और विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों में प्रशंसा अर्जित की है।

उनके साथ मूनीडीह की 10 वर्षीय यवना यादव भी हैं, जिन्होंने अंडर-10, 15 मीटर ओलंपिक राउंड व्यक्तिगत श्रेणी में रजत पदक जीता है। डीएवी सीबीएसई में कक्षा 4 की छात्रा यवना ने पहले ही राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रभावशाली पदक हासिल कर लिए हैं, जिससे वह तीरंदाजी की दुनिया में एक उभरता सितारा बन गई हैं।

भाजयुमो ने राहुल गांधी और हेमंत सोरेन के खिलाफ किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। भारतीय जनता युवा मोर्चा धनबाद महानगर द्वारा धनबाद युवा मोर्चा अध्यक्ष नित्यानंद मंडल के नेतृत्व में शुक्रवार को रणधीर वर्मा चौक पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा वक्फ बिल के विरोध को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता शामिल हुए और देशहित में लाए गए इस विधेयक के समर्थन में आवाज बुलंद की।

इस अवसर पर जिला महामंत्री मानस प्रसून ने कहा वक्फ बिल को लेकर राहुल गांधी और हेमंत सोरेन का विरोध देश की एकता और समानता पर सीधा प्रहार है। उनका यह रुख केवल एक वर्ग विशेष को खुश करने की राजनीति है, जिसे युवा कभी स्वीकार नहीं करेंगे। प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा ने कहा यह विधेयक वक्फ संपत्तियों में

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। विपक्ष का विरोध सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ और वोट बैंक की नीति का हिस्सा है।

महानगर युवा मोर्चा अध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने कहा देश के संसाधनों पर हर नागरिक का समान अधिकार है। भाजपा युवा मोर्चा किसी भी तरह के भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ पूरी ताकत से खड़ा है।भाजयुमो धनबाद महानगर ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में भी राष्ट्रहित के किसी भी मुद्दे पर यदि विपक्ष जनभावनाओं के विपरीत कार्य करेगा, तो युवा मोर्चा सड़क से संसद तक आवाज उठाएगा।कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा जिला महामंत्री तमाल राय ने किया।कार्यक्रम में अमित विशाल सिन्हा,नीरज सिन्हा, कुणाल सिंह, साकेत श्रीवास्तव, जीत सोनी, नीरज शर्मा,रंजीत प्रसाद, विधुत हजारी, शिबु झा, अनिल बासु, उतपल मंडल, चितरंजन प्रसाद,संतोष रवानी, सोनू सिंह, मिथुन सरकार, विकास रवानी, सुशील झा , दिग्विजय ताँती, सहित अन्य शामिल हुए।

स्कूल आधारित बाल अधिकार प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के दुगार्पुर पंचायत के कुरको मध्य विद्यालय में स्कूल में सहयोगिनी संस्था के द्वारा स्कूल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ाव तथा अभिवंचित वर्ग की किशोरी तथा महिलाओं के बीच जेंडर जागरूकता एवं हिंसा की रोकथाम को लेकर चर्चा की गई।

चर्चा के दौरान सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि सहयोगिनी संस्था के द्वारा कसमार प्रखंड के दुगार्पुर , बगदा , खैराचातर, एवं टांगटोना पंचायत के 19 गांव में किशोरी एवं युवा महिला समूह बनाकर नेतृत्व क्षमता विकसित करने सहित सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़कर उनके जीवन में बदलाव लाया जा रहा है । जेंडर, घरेलू हिंसा, एवं बाल संरक्षण को

लेकर समूह में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्कूलों में सुरक्षित और जागरूक माहौल बनाना हमारे भविष्य की नींव है, हर बच्चे को गरिमा के साथ जीवन जीने एवं आगे बढ़ने का अधिकार है।

संस्था की एनिमेटर विनीता देवी ने बताया कि दुगार्पुर पंचायत में किशोरी समूह एवं युवा महिला समूह के साथ मिलकर काम कर रहे है ।जिसमे किशोरियों के जीवन कौशल , नेतृत्व क्षमता को विकसित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक संजय कुमार, सुधा कुमारी, मनीषा कुमारी, हेमंती कुमारी, समा प्रवीण आदि उपस्थित थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com